धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सुप्रभात
रांची, रविवार
16.02.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

khabarmantralive.com
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 216

12 राजग सहयोगी वक्फ संशोधन विधेयक पर सहमत

न्यूज डायरी

सीएम हेमंत ने झारखंड के खिलाड़ियों को दी बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में झारखंड के खिलाड़ियों को 25 पदक मिलने पर बधाई दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर खेल एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड के पोस्ट को साझा किया और खिलाड़ियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के खिलाड़ियों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और खिलाड़ियों को हर संभव समर्थन प्रदान करेगी।

हथियार के साथ पांच अपराधी गिरफ्तार

लातेहार। जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के बुकरू गांव के पास पुलिस ने छापेमारी कर पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से एक देशी पिस्तौल और जिंदा गोली भी बरामद हुई है। गिरफ्तार अपराधियों में बालूमाथ निवासी मोहन गंझु, सागर तुरी, चंदवा निवासी कुलदीप गंझु, चंदू, रांची निवासी लक्ष्मण गंझू शामिल है। बालूमाथ डीएसपी विनोद रवानी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में से कुछ का आपराधिक इतिहास भी रहा है।

पुलिस ड्यूटी मीट में झारखंड को पांच पदक

रांची। राजधानी रांची में आयोजित 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में झारखंड पुलिस को 5 मेडल मिले हैं। तेलंगाना पुलिस ओवरऑल चैंपियन बनी है। शनिवार को इसका समापन हो गया। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री और विशिष्ट अतिथि नगर विकास मंत्री ने विजेताओं को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह का आयोजन बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में किया गया।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह का न्यायालय में बयान दर्ज

दुमका। ग्रामीण विकास मंत्री सह गोड्डा के महागामा विधायक दीपिका सिंह पांडेय की एमपी-एमएलए विशेष अदालत में शनिवार को पेशी हुई। पेशी एमपी-एमएलए विशेष न्यायाधीश सह एसडीजेएम मोहित चौधरी के न्यायालय में हुई। मामले में मंत्री का बयान दर्ज हुआ।

राजू का प्रभारी बनाये जाने से कांग्रेसियों में उत्साह

रांची। कांग्रेस के अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक विभागों के राष्ट्रीय समन्वयक के राजू (कोप्पुला राजू) को झारखंड कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है। इस संबंध में कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने अधिसूचना जारी की है। वह गुलाम अहमद मीर का स्थान लेंगे। गुलाम अहमद मीर लोकसभा चुनाव के ठीक पहले 23 दिसंबर 2023 को झारखंड के प्रदेश प्रभारी बनाये गए थे। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने झारखंड में लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2024 लड़ा था। लोकसभा में कांग्रेस को दो सीटों पर और विधानसभा में 16 सीटों पर जीत मिली थी।

राष्ट्रपति ने बीआइटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में कहा

आज का युग तकनीक का आइटी सेक्टर महत्वपूर्ण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि आज का युग तकनीक का है वर्तमान दौर में इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी काफी महत्वपूर्ण है। टेक्नोलॉजी और ह्यूमैनिटीज एक दूसरे के पूरक हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को बीआइटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि आज बीआईटी मेसरा की शानदार उपलब्धियों पर गर्व करने का दिन है। उन्होंने आगे कहा कि टेक्नोलॉजी ने काफी प्रगति की है, जिसमें एआई, एनीमेशन जैसी चीजों ने बड़ा परिवर्तन लाया है।

द्रौपदी मुर्मू ने एआई को बताया महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं का उत्साह और प्रतिबद्धता मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारी बेटियां विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, गणित में पीछे नहीं हैं। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि बीआईटी ने 70 साल के सफर में कई आयाम स्थापित किये हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने को सरकार करने में नयी तकनीक अहम है। बीआईटी मेसरा में 1964 में पहला स्पेस और रॉकेटरी डिपार्टमेंट स्थापित हुआ। वर्तमान समय में काफी नये इनोवेशन हुए हैं। उन्होंने एआई का उल्लेख करते हुए कहा कि यह काफी महत्वपूर्ण है।

- विकसित भारत निर्माण में युवाओं का उत्साह और प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण साबित होगी
- छोटे और पारंपरिक समाधान को भी आजमाएं युवा

रांची आना उनके लिए घर जैसा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि झारखंड आना उनके लिए घर आने जैसा है। इससे पूर्व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बीआईटी मेसरा कैंपस में एग्जिबिशन का उद्घाटन किया, पौधे लगाये और बीआईटी के 70 वर्षों के शैक्षणिक सफर की सराहना की। उन्होंने मौके पर मौजूद छात्रों से बातचीत भी की। इस मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मंत्री सुदिव्य कुमार, बीआईटी के चेयरमैन सीके बिड़ला और वीसी इन्द्रनील मन्ना, कई विश्वविद्यालयों के वीसी के अलावा बड़ी संख्या में शैक्षणिक जगत से जुड़े लोग, कॉलेज छात्र समेत अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

गरीबों को भी तकनीक का लाभ मिले, सुनिश्चित करें

राष्ट्रपति ने कहा कि चूंकि प्रौद्योगिकी समाज में बड़े व्यवधान पैदा करती है, इसलिए हमें हाशिए पर पड़े समूहों पर इसके प्रभाव के बारे में भी सोचना चाहिए। जो महान अवसर पैदा किए जा रहे हैं, वे सभी के लिए उपलब्ध होने चाहिए और सभी को लाभ होना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि युवा छोटे और पारंपरिक समाधान को ना भूलें, उसे भी आजमाने की जरूरत है।

बीआइटी मेसरा टेक्नोलॉजी, रिसर्च और इंटरप्रेन्योरशिप का प्रमुख सेंटर : इससे पूर्व बीआईटी के वाइस चांसलर इंद्रनील मन्ना ने बीआइटी मेसरा को टेक्नोलॉजी, रिसर्च और इंटरप्रेन्योरशिप का एक प्रमुख सेंटर बताया। समारोह का मुख्य आकर्षण राष्ट्रपति मुर्मू और राज्यपाल गंगवार द्वारा एक विशेष स्मारक रजत पदक, डाक टिकट और लिफाफा जारी करना था, जो शिक्षा, इनोवेशन और राष्ट्र निर्माण में इंस्टीट्यूट के उल्लेखनीय योगदान का प्रतीक है।

झारखंड में 20 फरवरी से बारिश की संभावना

रांची। राज्य भर में फिर से ठंड लौटनेवाली है। मौसम विभाग से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 20 और 21 फरवरी को कई जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि 18 और 19 फरवरी को सुबह में हल्का कुहासा रहेगा। इसके बाद दिन भर आंशिक बादल छाये रहेंगे। इधर शनिवार को रांची समेत पूरे राज्य भर में मौसम साफ रहा। उत्तरी पश्चिमी हवा के चलते धूप में नरमी महसूस हुई। रांची में अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री, जमशेदपुर 31.4 और 11.6 डिग्री, डालटेनगंज में 30.2 और 10.6 डिग्री, बोकारो में 30.1 और 10.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

धनबाद और जमशेदपुर के बाद रांची भी प्रदूषित शहर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के शहरों की हवा दूषित होती जा रही है। शहरों में बढ़ रहे वायु प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक है। हाल ही में जारी एयर क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, धनबाद में वायु प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक है। धनबाद का एक्यूआई 165 पहुंच गया है। जबकि रांची और जमशेदपुर में इसके स्तर में कमी दर्ज की गयी है। राजधानी रांची में एक्यूआई लेवल 160 और जमशेदपुर में 150 पहुंच गया है। प्रशासन को इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि नागरिकों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सके।

वायु प्रदूषण के स्तर की श्रेणियां :
- अच्छा : 0-50
- मॉडरेट : 51-100
- खराब : 101-200
- अनहेल्दी : 201-300
- सर्वर : 301-400
- खतरा : 401-500

आइएएस पूजा सिंघल को विभाग नहीं देने की मांग वाली इडी की याचिका पर सुनवाई कल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ईडी की ओर से रांची के पीएमएलए की विशेष कोर्ट में दाखिल उस याचिका पर अब 17 फरवरी को सुनवाई होगी, जिसमें एजेंसी ने कोर्ट से यह आग्रह किया है कि पूजा सिंघल को कोई विभाग न दिया जाये। ईडी की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया है कि अगर पूजा सिंघल को राज्य सरकार किसी विभाग की जिम्मेदारी देती है तो वह अपने पद का दुरुपयोग कर केस को प्रभावित कर सकती हैं।

पूजा सिंघल की ओर से दाखिल किया गया जवाब : ईडी की याचिका पर पूजा सिंघल की ओर से जवाब भी दाखिल कर दिया गया है। अब कोर्ट में दोनों ओर से बहस होगी। बता दें कि मनरेगा घोटाला की अभियुक्त पूजा सिंघल को केंद्रीय जांच एजेंसी-इडी ने 11 मई को गिरफ्तार किया था। ईडी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसमें ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी।

सीए के घर से बरामद हुए थे 19.31 करोड़ रुपये : ईडी की छापेमारी के दौरान पूजा सिंघल के सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई थी। पूजा सिंघल को दिसंबर महीने की 7 तारीख को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया है। हालांकि वह अब भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभियुक्त हैं, लेकिन कानूनी प्रावधानों के अनुसार जेल से बाहर रहने के दौरान उनका सस्पेंशन खत्म किया जा चुका है।

महाकुंभ जा रहे दस श्रद्धालुओं की सड़क दुर्घटना में मौत, 19 घायल

एजेंसी

प्रयागराज। मिजार्पुर-प्रयागराज हाइवे पर मेजा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात बस और एक बोलेरो की टक्कर में महाकुंभ स्नान करने जा रहे सभी 10 लोगों की मौत हो गयी। 19 लोग घायल हो गये। बोलेरो में सवार सभी छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के हैं। बस में सवार सभी घायल तीर्थयात्री संगम स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। ये लोग एमपी के राजगढ़ के रहने वाले हैं।

हादसे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुख व्यक्त किया है। सीएम योगी ने अधिकारियों को घायलों का समुचित इलाज का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्री ने एक्स पर लिखा यह सड़क हादसा हृदयविदारक है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी हादसे पर दुख व्यक्त किया।

झारखंड के भी 7 श्रद्धालु सड़क हादसे में घायल

गिरिडीह। वहीं बेंगाबाद प्रखंड के मोतीलेदा से महाकुंभ नहाने जा रहे श्रद्धालुओं से भरा वाहन शनिवार को दोपहर में यूपी के मिजार्पुर में सामने से आ रहे वाहन से टकरा गया। हादसे में मोतीलेदा के बरमसिया निवासी एक ही परिवार के 4 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गये। तीन अन्य लोगों भी घायल हो गये। सभी को स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद बरमसिया गांव से परिजन शनिवार को मिजार्पुर के लिए रवाना हो गये। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चंद्रपुरा में 1600 मेगावाट के दो अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट की होगी स्थापना

यह डीवीसी और सीआइएल का संयुक्त उद्यम होगा, ऊर्जा मंत्रालय ने दी मंजूरी

- इस परियोजना लागत 16425 करोड़ रुपये आंकी गयी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। चंद्रपुरा में 800 मेगावाट के दो अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट की स्थापना के लिए ऊर्जा मंत्रालय ने मंजूरी प्रदान कर दी है। यह पावर प्लांट डीवीसी और कोल इंडिया लिमिटेड का संयुक्त उद्यम होगा। इस परियोजना लागत 16425 करोड़ रुपये आंकी गयी है।

डीवीसी की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि : डीवीसी की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता सात हजार मेगावाट है। जिसमें थर्मल पावर प्लांटों से 6540 मेगावाट का योगदान है। वर्ष 2030 तक, डीवीसी की विद्युत उत्पादन क्षमता 14-15 हजार मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें थर्मल, सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट और बैटरी स्टोरेज प्लांट शामिल होंगे।

प्रतिकात्मक तस्वीर

नये पावर प्लांट की होगी स्थापना

आने वाले सात साल में 3720 मेगावाट क्षमता के नए पावर प्लांट स्थापित किए जाएंगे, जिनमें शामिल हैं।
- रघुनाथपुर में 1320 मेगावाट क्षमता का प्लांट
- कोडरमा फेस दो में 1600 मेगावाट क्षमता का सुपर क्रिटिकल प्लांट
- दुगार्पुर ओल्ड प्लांट की जगह 800 मेगावाट क्षमता का नया पावर प्लांट

अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई की स्थापना से ऊर्जा क्षेत्र में आयेगी मजबूती : चंद्र प्रकाश

गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने बताया है कि चंद्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन (सीटीपीएस) में 2 गुना 008 मेगावाट अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई की स्थापना होगी। यह कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के साथ संयुक्त उद्यम के माध्यम से होगी। इसका प्रबंधन डीबीसी के पास होगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना पर करीब 164257.7 करोड़ रुपए खर्च होगी। इसको लेकर केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री की सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

सोलर प्लांट और पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट

इसके अलावा करीब दो हजार क्षमता का सोलर प्लांट लगाया जाएगा और पंप स्टोरेज के बड़े प्रोजेक्ट भी शुरू किए जाएंगे। जिनमें मैथन में एक हजार मेगावाट और ललपनिया में 1500 मेगावाट क्षमता के पंप स्टोरेज प्लांट शामिल हैं।

बेरमो में सीसीएल क्वार्टर से दिन-दहाड़े 27 लाख की संपत्ति की चोरी

2 लाख नगद और 22-25 लाख के जेवरात ले गये

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बोकारो जिले के बेरमो थाना क्षेत्र के रीजनल हॉस्पिटल कॉलोनी ढोरी में सीसीएल कर्मी के क्वार्टर से शनिवार को दिन दहाड़े 27 लाख रुपये की संपत्ति की चोरी हो गयी। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। वह क्वार्टर सीसीएल कर्मी उद्धेश्वर सिंह के नाम पर आवंटित है। वह दोपहर में अपनी पत्नी के साथ बाजार निकले थे। इस दौरान वह पत्नी को पुराना बीडीओ ऑफिस में छोड़कर ड्यूटी के लिए चले गये।

22 से 25 लाख के जेवरात की चोरी, 2 लाख नकद ले गये चोर

फुसरो से उद्धेश्वर सिंह की पत्नी वापस क्वार्टर लौटी तो देखा कि क्वार्टर के मुख्य दरवाजे का ताला कटा हुआ था और अंदर एक कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा था। बताया जाता है कि चोरों ने लगभग 22 से 25 लाख के जेवरात के साथ-साथ 2 लाख नकद भी ले गये।

दिन-दहाड़े चोरी से कॉलोनी के लोगों में आक्रोश : घटना की जानकारी पाकर बेरमो पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। दिन-दहाड़े हुई चोरी को लेकर कॉलोनी में रहने वाले लोगों में आक्रोश है। मामले की जांच के लिए डॉग स्क्वायड टीम की मदद ली जा रही है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	: 79500 रु./10 ग्राम
चांदी	: 100000 रु./प्रति किलो

अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर जागरूकता दिवस पर ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम : नड्डा

चिकित्सीय पहल

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना भारत सरकार का दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम है। इसकी शुरुआत 10 करोड़ 74 लाख परिवारों से हुई यानी 55 करोड़ लोग शामिल थे। इस तरह से भारतीय आबादी के 40 प्रतिशत लोगों को स्वास्थ्य कवरेज मिला। शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में एम्स में आयोजित ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग योजना की शुरूआत की गई थी। इस योजना से अब 36 लाख आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और अन्य को जोड़ा गया है। अब तीसरे कार्यकाल में इस योजना में 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिक को शामिल कर लिया गया है, फिर चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। इस तरह अब वे पांच लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए पात्र हैं। इसके साथ अब इस योजना का लाभ भारतीय आबादी का लगभग 40 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। पीएमजेएवाई से लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। उन्होंने बाढ़सा गांव स्थित एम्स-2 (राष्ट्रीय कैंसर संस्थान) में उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करते हुए कई नयी सुविधाओं का शुभारंभ किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इन सेवाओं को जनता को समर्पित किया। इसके साथ नयी स्वास्थ्य सेवाओं में बोन मैरो ट्रांसप्लांट इकाई की शुरूआत की। इससे रक्त कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा मिलेगी। उन्होंने नाभिकीय चिकित्सा विभाग के तहत कैंसर के आधुनिक इलाज के लिए रेडियो न्यूक्लिड थेरेपी वार्ड का शुभारंभ किया। यह तकनीक कैंसर के प्रभावित अंगों को लक्षित कर इलाज में सहायता करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी आज दिल्ली में भारत टेक्स 2025 में लेंगे भाग

एजेंसी।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को शाम 4 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत टेक्स-2025 में भाग लेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। इसमें 120 से अधिक देशों के नीति निमार्ता और वैश्विक सीईओ, प्रदर्शक, अंतरराष्ट्रीय खरीदार भाग लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि भारत टेक्स 2025, एक व्यापक स्तर का वैश्विक कार्यक्रम है और इसका आयोजन 14-17 फरवरी को भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह एक विशिष्ट कार्यक्रम है क्योंकि यह कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला को एक ही मंच पर एक साथ लाता है।

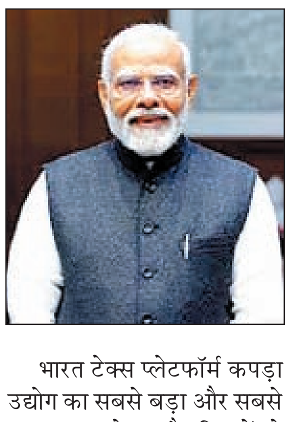

भारत टेक्स प्लेटफॉर्म कपड़ा उद्योग का सबसे बड़ा और सबसे व्यापक आयोजन है, जिसमें दो स्थलों पर फैला एक मेगा एक्सपो शामिल है। इसमें संपूर्ण वस्त्र पारिस्थितिकी व्यवस्था को प्रदर्शित किया जाएगा। इस दौरान हैकथॉन आधारित स्टार्टअप पिच फेस्ट और इनोवेशन फेस्ट, टेक टैंक और डिजाइन चुनौतियों को भी शामिल किया गया है और यह प्रमुख निवेशकों के माध्यम से स्टार्टअप के लिए वित्तपोषण के अवसर प्रदान करेंगी।

एक बयान में कहा गया है कि 17 फरवरी तक चलने वाले भारत टेक्स 2025 में नीति निमार्ताओं, वैश्विक सीईओ के साथ-साथ 5000 से अधिक प्रदर्शकों, 120 से अधिक देशों के 6000 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और अन्य आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

अंतरराष्ट्रीय वस्त्र निमार्ता संघ, अंतरराष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति, यूरेटेक्स, टेक्सटाइल एक्सचेंज, यूएस फैशन इंडस्ट्री एसोसिएशन सहित दुनियाभर के 25 से अधिक प्रमुख वैश्विक वस्त्र निकाय और संघ भी इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं।

बीआइटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में राष्ट्रपति ने की शिरकत

राष्ट्रपति के आने की सूचना से राज्यवासियों में उत्साह एवं हर्ष का माहौल : राज्यपाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीआइटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते हुए कहा कि जिस तरह से आपने 6 वर्षों से अधिक समय तक झारखंड के राज्यपाल के पद को सुशोभित किया और पीपुल्स गवर्नर के रूप में आपकी कार्यशैली और जन सेवा की भावना रही, झारखंड के जनमानस में गहरी छाप आपने छोड़ी है। जब से आपके झारखंड आगमन की सूचना मिली है तब से राज्यवासियों में उत्साह एवं हर्ष का माहौल है। राज्यपाल ने बीआईटी मेसरा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इंजीनियरिंग विषयों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की समृद्ध विरासत के साथ यह एक प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी संस्थान है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नए आयाम को जोड़ने का काम करता है। राज्यपाल ने कहा कि 1955 में बीआईटी मेसरा की स्थापना इस संस्थान के दूरदर्शी संस्थापक बीएम बिरला जी की एक बहुत ही प्रशंसनीय पहल थी, जिन्होंने इस देश के विकास के लिए इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के महत्व को सही ढंग से समझा। इस मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने भी संबोधित करते हुए बीआईटी मेसरा के शैक्षणिक सफर की सराहना की।

हमें दुनिया भर में 50 हजार मजबूत एल्यूमनी नेटवर्क पर बहुत गर्व है

बीआईटी इंस्टीट्यूट के स्थायी प्रभाव पर विचार रखते हुए संस्थान के चेयरमैन सीके बिरला ने कहा कि आज, हमारे पास 20 से अधिक विषय हैं, जिनमें 10,000 से अधिक स्टूडेंट्स और 600 से अधिक फैकेल्टी सदस्य हैं, और हमें दुनिया भर में 50,000-मजबूत एल्यूमनी नेटवर्क पर बहुत गर्व है। प्रतिभाओं को लगातार आगे बढ़ाने और उनके लिए लगातार नए और बेहतर अवसर पैदा करने के व्यवस्थित प्रयासों के माध्यम से, हमने अपनी स्टूडेंट बॉडी में 30% तक महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। बीआईटी मेसरा स्वतंत्रता के बाद के युग में स्थापित इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का तीसरा सबसे पुराना संस्थान है और 1964 में पहली बार स्पेस इंजीनियरिंग और रॉकेट्री डिपार्टमेंट की स्थापना में अग्रणी है। रिसर्च और टेक्नोलॉजी में हमारा निरंतर निवेश राष्ट्र निर्माण के लिए बीआईटी की प्रतिबद्धता और समर्पणता को दर्शाता है।

बीआईटी की सबसे अधिक है डिमांड : समारोह के दौरान झारखंड के मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि बीआईटी मेसरा सबसे अधिक मांग वाला संस्थान बना हुआ है और इसका श्रेय इसके प्रबंधन, संकाय, पूर्व छात्रों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से उन छात्रों को जाता है, जो यहां अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

इसी साल चीफ सेक्रेट्री सहित 14 आईएएस हो जायेंगे रिटायर

झारखंड में 47 आईएएस की कमी, फिर भी 14 हैं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में आईएएस अधिकारियों की हमेशा से कमी रही है। अभी भी झारखंड में 47 आईएएस अफसर कम है। बताते चलें कि राज्य में आईएएस अफसरों के लिए 224 पद स्वीकृत हैं। इसमें केवल 177 अफसर ही कार्यरत हैं। वहीं, दूसरी ओर इसी साल चीफ सेक्रेट्री समेत 14 अफसर रिटायर हो जायेंगे। इसके बाद आईएएस अफसरों की संख्या घटकर और कम हो जायेगी। इसके अलावा 14 अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में हैं। इनमें तीन मुख्य सचिव, पांच प्रधान सचिव और दो सचिव रैंक के अफसर हैं।

ये अफसर हैं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर : चीफ सेक्रेट्री रैंक के अफसर शैलेश कुमार सिंह, निधि खरे और सतेंद्र सिंह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। वहीं प्रधान सचिव रैंक के सुनील वर्णवाल, राहुल शर्मा, केके सोन, हिमानी पांडेय और अराधना पटनायक भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। सचिव रैंक के मुत्थु कुमार और हर्ष मंगला भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। इसके अलावा राय महिमापत रे, शांतनु अग्रहरि, भुवनेश प्रताप सिंह और दिव्यांशु झा भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं।

इस साल कौन अफसर कब होंगे रिटायर

नाम	रिटायरमेंट की तिथि
अलका तिवारी	30 सितंबर 2025
हरि कुमार केसरी	30 अप्रैल 2025
सुमन कैथरिन	30 जून 2025
नेलशन इयोन बागे	31 नवंबर 2025
अंजनी कुमार मिश्र	31 दिसंबर 2025
शेखर जमुआर	31 दिसंबर 2025
अक्षय कुमार सिंह	31 अगस्त 2025
शशिभूषण मेहरा	31 जून 2025
पूनम प्रभा पूर्ति	31 मई 2025
ज्ञानेंद्र कुमार	31 अगस्त 2025
अजय कुमार सिंह	31 जुलाई 2025
लालचंद दादेल	31 अक्टूबर 2025
पवन कुमार	31 दिसंबर 2025
मनमोहन प्रसाद	31 जुलाई 2025

डीएसपीएमयू में डॉ यशोधरा राठौर के निधन पर शोक सभा

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में हिंदी विषय की सहायक प्राध्यापिका डॉ यशोधरा राठौर के निधन पर शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में एक शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा की अध्यक्षता कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने की। मौके पर कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य के अलावा अन्य शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मियों ने दिवंगत डॉ यशोधरा राठौर से जुड़े अपने संस्मरणों को उपस्थित लोगों के साथ साझा किया। इसके पूर्व सभी शिक्षकों और कर्मियों ने दिवंगत डॉ यशोधरा राठौर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। डॉ यशोधरा राठौर 2008 बैच की प्राध्यापिका थी। वह गत 6 वर्षों से कैंसर जैसी असाध्य बीमारी से ग्रसित थी। गौरतलब है कि उन्हें ही डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का कुलगीत रचित करने का श्रेय प्राप्त है।डॉ. यशोधरा राठौर विश्वविद्यालय सेवा में 2008 में आयी थी।

70 साल पहले मात्र आठ फैकल्टी के साथ शुरूआत हुई थी

1955 में स्थापित बीआइटी का आज विदेशों में भी सेंटर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीआइटी मेसरा आज देश के नामचीन शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। बीएम बिरला ने 1955 में जिस संस्थान की नींव रखी थी, वह आज अपने गौरवशाली यात्रा का प्लेटिनम जुबली मना रहा है। 70 साल पहले महज 8 फैकल्टी और 83 स्टूडेंट्स के बदौलत शुरू हुआ महज तीन विभाग से शुरू हुई थी बीआईटी मेसरा। उस समय तीन विभाग मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और साइंस विभाग के साथ बीआइटी मेसरा ने अपनी शैक्षनिक यात्रा शुरू की थी। आगे चलकर इंजीनियरिंग और अनुसंधान पर ध्यान केन्द्रित कर नये-नये विभाग खोले गये। 1964 में स्पेस इंजीनियरिंग और रॉकेट्री विभाग खोलने वाला बीआईटी देश का पहला संस्थान बन गया। 1972 में बीआईटी देश का पहला स्वायत्तशासी कॉलेज बना।

दादाजी का सपना पूरा हो रहा है: सीके बिरला

बीआईटी मेसरा के चेयरमैन सी के बिरला कहते हैं कि जिस सपना को दादाजी ने देखा था, वह पूरा हो रहा है। इस तरह का कैंपस पूरे देश भर में नहीं होगा। आज के समय में करीब 10000 स्टूडेंट्स और 600 फैकल्टी हैं। इसकी संख्या अभी और बढ़ेंगी। अगले चार-पांच वर्षों में यहां और भी नये-नये विभाग के साथ फैकल्टी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि नई बिल्डिंग बनेगी और इसकी काफी उन्नति होगी। मैं चाहता हूं कि यह न केवल देशभर में टॉप इंस्टीट्यूट हो बल्कि साउथ एशिया में यह टॉप पर रहे। मेरा मकसद है कि पढ़ाई करने का मौका सबको मिले, सभी को इंजीनियर बनने का अवसर मिल। मैं आसपास के लोगों को भी यह कहता हूं कि जब हम इसे पूरा कर पायेंगे, तब मुझे सबसे ज्यादा खुशी मिलेगी। रैंकिंग को लेकर पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए सी के बिरला ने कहा कि आने वाले समय में यह संस्थान और भी बेहतर करेगा।

जयपुर, पटना, बहरीन, देवघर में भी शाखाएं

श्री बिरला ने कहा, छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीआइटी ने अपने कार्यालय परिसर का विस्तार समय के साथ किया। 1995 में जयपुर, 2000 में बहरीन, 2006 में पटना, 2007 में देवघर में बीआइटी एक्सटेंशन सेंटर खोले गये। 1979 में बीआइटी में मैनेजमेंट डिपार्टमेंट का गठन हुआ और 1980 से एमबीए की पढ़ाई शुरू हुई। 1984 में एक बार फिर यह संस्थान सुर्खियों में रहा। 71वीं इंडियन साइंस कांग्रेस का आयोजन हुआ, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी शामिल हुई थी। 1986 में बीआईटी मेसरा को डीम्ड यूनिवर्सिटी की मान्यता यूजीसी एक्ट के तहत दी गयी।

कुलपति इंद्रनील मन्ना बोले

बीआईटी मेसरा के कुलपति इंद्रनील मन्ना ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी बढ़ी है। आगे हमें बहुत कुछ करना है। रैंकिंग को लेकर पूछे सवाल का जवाब देते हुए कुलपति ने कहा कि हम स्व वित्तपोषित संस्थान हैं। जबकि देश में 60-70 ऐसे संस्थान हैं, जो गवर्नमेंट फाइनेंनसिग इंस्टीट्यूशन है। हम नए-नए रिसर्च फैसेलिटीज के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में इसमें सुधार हो जायेगा। कैंपस में आने वाले समय में स्टूडेंट्स हॉस्टल रिसर्च बिल्डिंग सहित कई चीजे बनने हैं। इस कार्य में संस्था के द्वारा राज्य सरकार को मदद के लिए आग्रह किया गया है। उम्मीद है कि इसमें सरकार भी आगे बढ़कर काम करेगी।

खबर एक नजर में

राज्य सरकार नगर निकायों का इस्तेमाल एटीएम की तरह कर रही: बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने नगर विकास विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा है कि नगर निकाय चुनाव नहीं होने के कारण जनता के पैसों की अंधाधुंध बबार्दी की जा रही है।जानकारी के अनुसार, हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र में बगैर एनओसी के ही उत्तरी कोयल नहर के ऊपर 10 लाख रुपये की लागत से सड़क बना दी गई, बाद में नहर जीर्णोद्धार करा रही कम्पनी ने नवनिर्मित सड़क को उखाड़ दिया। प्रायः झारखंड के सभी नगर निकायों में इसी प्रकार से औचित्यहीन योजनाओं का टेंडर निकालकर प्रशासक जनता के पैसों को पानी की तरह बहा रहे हैं। इन योजनाओं से जनता का कोई भला नहीं हो रहा। राज्य सरकार नगर निकायों का इस्तेमाल एटीएम की तरह कर काला धन इकळा कर रही है। नगर निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद विगत दो वर्षों में नगर विकास विभाग द्वारा खर्च की गई राशि और योजनाओं की प्रासंगिकता की गहन जांच की जानी चाहिये।

आजसू पार्टी का मिलन समारोह आज

रांची। आजसू पार्टी का मिलन समारोह रविवार को आयोजित किया गया है। हरमू स्थित पार्टी मुख्यालय में दोपहर 12:00 बजे से समारोह होगा। इसमें पार्टी के सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो मौजूद रहेंगे। यह जानकारी पार्टी के केन्द्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने दी।

ट्रेड फेयर : भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय जागरूकता केंद्र में बैंकिंग की दी जानकारी

रांची। भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय द्वारा मोरहाबादी मैदान में 17 फरवरी तक आयोजित इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में वित्तीय जागरूकता केंद्र लगाया गया है। वित्तीय जागरूकता केंद्र का उद्घाटन भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने किया। क्षेत्रीय निदेशक ने वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक जो हमारे आर्थिक परिदृश्य में सुदृढ़ता, विकास और प्रगति का प्रतीक है। इस वर्ष अपनी 90वीं वर्षगांठ मना रही है। इस विशेष अवसर पर वित्तीय समावेशन और जागरूकता के आदर्शों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय, झारखंड राज्य के विभिन्न स्कूलों में 90 वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में साख फाउंडेशन रांची का अहम योगदान रहा।

नयी उत्पाद नीति पर शराब माफिया का प्रभाव आम जनता को होगा नुकसान : चंद्र प्रकाश

रांची। आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष व गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उत्पाद एवं मध निषेध विभाग द्वारा मदिरा के थोक भंडारण व खुदरा बिक्री एवं होटल, बार व कल्बों आदि के संबंध में प्रस्तावित नियमावली पर मांगे गए सुझाव पर अपना सुझाव, आपत्ति व संशोधन को लेकर पत्र भेजा है। उन्होंने अपने पत्र में यह उल्लेख किया है कि झारखंड में शराब की थोक व खुदरा बिक्री के लाइसेंस के लिए एक प्रभावशाली गिरोह ने अनैतिक व गैर कानूनी रूप से वर्तमान में लागू मदिरा का भंडारण एवं थोक बिक्री (संशोधन) नियमावली 2022 के नियम 5, 6, 7 को नई नियमावली में विलुप्त करा दिया है जो भ्रष्टाचार की प्रकाष्ठा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि शराब एक ओर जहां राजस्व प्राप्ति का माध्यम है तो दूसरी ओर शराब सेवन से राज्य में निवास करने वालों के सामाजिक व आर्थिक संरचनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, जो कल्याणकारी राज्य के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि मदिरा भंडारण एवं थोक विक्रेता नियमावली 2022 के नियम 7 की लाइसेंस प्रदान करने की प्रक्रिया में किसी प्रकार का संशोधन विधि के विरुद्ध होगा। इस नियम सात को यथावत बनाए रखना न्याय संगत होगा। कहा कि उत्पाद नियमावली 2025 के विभिन्न प्रावधान गैर कानूनी व असामाजिक तत्वों को प्रोत्साहन करने वाली है। इसमें संशोधन करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मॉडल शॉप व डिपार्टमेंटल स्टोर में शराब की खुदरा बिक्री करना अन्यायपूर्ण होगा। झारखंड के युवाओं के भविष्य को देखते हुए शराब की खुदरा बिक्री को सरल एवं सुगम करना सामाजिक संरचना एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

बीएड, एमएड और बीपीएड कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

रांची। झारखंड में बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीएड), मास्टर ऑफ एजुकेशन (एमएड) और बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीएड) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गया। आावेदन करने की अंतिम तिथि 15 मार्च है, जबकि परीक्षा 20 अप्रैल को आयोजित की जायेगी।

136 बीएड कॉलेजों में होगा दाखिला : शैक्षणिक सत्र 2025-2027 के लिए राज्य के 136 बीएड कॉलेजों में चयनित अभ्यर्थियों का दाखिला होगा। झारखंड के मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के लिए जेसीईसीईबी के नियमानुसार 85 फीसदी सीट आरक्षित रहेगी।

सात जिलों में होगी परीक्षा, इतना लगेगा आवेदन शुल्क : रांची, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, दुमका, हजारीबाग और पलामू जिलों के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर 20 अप्रैल को प्रवेश परीक्षा ली जायेगी। परीक्षा ऑफलाइन मोड में होगी। सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन शुल्क 1000 रुपये रखा गया है। जबकि पिछड़े वर्ग के छात्रों को 750 रुपये और अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति व महिलाओं के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये निर्धारित है।

केंद्र कर रहा सौतेला व्यवहार, बकाये का ब्यौरा हो रहा तैयार

बकाया राशि बढ़ कर दोगुनी हो जायेगी: दीपिका

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची, दुमका। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। समाज के उत्थान के लिए जो विकास योजनाएं चलायी जा रही है, उसमें केंद्र सरकार का जो अंश है, उसे देने में कोताही बरती जा रही है। पहले से कोयले की रॉयल्टी व अन्य मदों में 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए बाकी है। बकाये का पूरा व्यौरा तैयार किया जा रहा है। कुछ ही दिनों में बकाया दोगुना हो जायेगा। वह दुमका में पत्रकारों से बोल रही थीं। उनके साथ लुईस मरांडी भी थीं।

मंत्री ने कहा कि अलग-अलग विभागों के करोड़ों रुपये का केंद्र पर बकाया है, जिसमें पीएम आवास योजना, मनरेगा, नल-जल योजना, बाल विकास परियोजना की राशि प्रमुख है।

मंत्री ने कहा कि झारखंड के वित्त विभाग के द्वारा इन बकायों का एक ब्यौरा तैयार किया जा रहा है. कुछ दिनों में हम लोगों के द्वारा भी यह रिपोर्ट पेश की जायेगी कि हमारे विभाग का कुल कितना बकाया है। मंत्री ने कहा कि अभी से दोगुना बकाया हो जायेगा। मंत्री दीपिका पांडे सिंह दुमका के एमपी-एमएलए कोर्ट में पेशी के लिए आयी थीं। यहीं परिसदन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने ये बातें कही।

आंदोलन की भी दी धमकी : मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार अगर राशि देना नहीं चाह रही है तो इसे पाने के लिए अगर जरूरत पड़ी तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जायेगा।

उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि झारखंड आंदोलनकारियों की भूमि रही है। मंत्री ने कहा कि हाल ही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से हमारी बैठक हुई थी।

मंईयां सम्मान योजना काफी उपयोगी

सुप्रीम कोर्ट द्वारा फ्रीबीज को लेकर उठाए सवाल पर मंत्री ने कहा कि चुनाव के वक्त अगर कोई रुपए देने की बात कहता है तो यह गलत है। अगर कैबिनेट में फैसला लेकर महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मदद की जा रही है तो यह कहीं से गलत नहीं है। आवास योजना या फिर बिजली बिल माफी योजना, जनता के हित में सरकार के द्वारा उठाया गया कदम है। इसी तरह झारखंड सरकार के द्वारा जो मंईयां सम्मान योजना चलायी गयी है। यह महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास है। उन्होंने झारखंड कांग्रेस के नये प्रभारी बनाये जाने पर के.राजू को बधाई दी। उन्होंने कहा, वह काफी अनुभवी हैं। निश्चित रूप से झारखंड राज्य और यहां की कांग्रेस को आगे ले जाने में उनका अनुभव काफी काम आयेगा।

नए प्रदेश प्रभारी के मार्गदर्शन में संगठन होगा मजबूत: केशव

रांची। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा है कि नए प्रदेश प्रभारी के. राजू के मार्गदर्शन में संगठन और मजबूत होगा। उनका झारखंड से पुराना जुड़ाव रहा है। प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने भी आलाकमान के इस निर्णय का स्वागत किया है। बताते चलें कि सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा और खाद्य सुरक्षा बिल का ड्राफ्ट तैयार करने में के राजू की अहम भूमिका रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि के. राजू आंध्र प्रदेश के 1981 बैच के आईएएस अधिकारी रह चुके हैं। वह राहुल गांधी के बेहद करीबी माने जाते हैं। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश के नेल्लोर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ चुके हैं।

आंदोलनकारी नेता के रूप में थी टेकलाल की पहचान : केशव

स्व. टेकलाल की जयंती कांग्रेस भवन में मनी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। गिरिडीह के पूर्व सांसद और मांडू से पांच बार विधायक, झारखंड आंदोलनकारी स्व. टेकलाल महतो की जयंती शनिवार को कांग्रेस भवन में मनाई गई। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं कांग्रेस जनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धसुमन अर्पित किया। कार्यक्रम में केशव महतो कमलेश ने स्व. टेकलाल महतो के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। स्व. टेकलाल महतो की पहचान पूरे उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में आंदोलनकारी नेता के रूप में थी। महाजनी प्रथा व धान पेडी की लेवी के खिलाफ चलाये गये आंदोलन के अलावा झारखंड अलग राज्य आंदोलन में उनकी सक्रियता रही। बिनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर शिवाजी समाज का गठन कर बाल विवाह के अलावा अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया था। साधारण धोती-कुर्ता और कंधे पर हमेशा एक हरा गमछा उनकी पहचान थी। वर्ष 1997 में एकीकृत बिहार विधानसभा में टेकलाल महतो ने ही सर्वप्रथम झारखंड अलग राज्य विधेयक पारित कराया था। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा विभाग में उन्हें नौकरी मिली थी, लेकिन जनसेवा के जुनून के कारण नौकरी छोड़ कर राजनीति में सक्रिय हो गये। 70 के दशक में हजारीबाग के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत खरकी पंचायत के लकमा में महाजनी प्रथा के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय ग्रामीण साधु, सैयनाथ व शनिचर महतो की मौत सीआरपीएफ की गोली से हो गयी थी। इस आंदोलन का नेतृत्व टेकलाल महतो कर रहे थे। उन्होंने धान पेडी की लेवी को काला कानून बताया था। इसके तहत किसानों को 10 रुपये क्विटंल की दर से धान सरकार को बेचना था। झारखंड व छोटानागपुर क्षेत्र के किसान इसके खिलाफ गोलबंद हुए। आंदोलन की अगुवाई कर रहे टेकलाल महतो का कहना था कि सिंचाई की सुविधा नहीं है तो लेवी भी नहीं देंगे। इस आंदोलन ने संयुक्त बिहार सरकार को हिला दिया और उसे झुकना पड़ा था। किसानों ने तब नारा लगाया था, मिप्ती का एक लाल टेकलाल-टेकलाल। टेकलाल महतो ने 1964 में हजारीबाग के संत कोलंबा कॉलेज से छात्र राजनीति की शुरूआत की थी। केंद्रीय कारा हजारीबाग जेल में रहे तथा बेहतर सुविधा की मांग को लेकर जेल में भूख हड़ताल पर बैठ गये थे। टेकलाल महतो का कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से करीबी संबंध रहा. वे झारखंड विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर भी बने थे। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों राकेश सिन्हा, रविन्द्र सिंह अभिलाष साहु, रजन वर्मा, विनय सिन्हा दीपू, केके गिरि, डॉ एम तौसीफ अमुल्य नीरज खलखो, कमल ठाकु, खुर्शीद हसन रूमी, विनय कुमार चौबे, केदार पासवान, पप्पु पासवान, अख्तर अली, सफार, समुदर गुप्ता, राजू राम, छोटू सिंह आदि शामिल थे

श्री श्याम प्रभु की निकली भव्य निशान शोभायात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अल्बर्ट एक्का चौक स्थित दुर्गाबाड़ी में श्याम परिवार के सदस्यों ने पांच दिवसीय अमृत महोत्सव में देवताओं की पूजा की। पंडितों ने मंत्रोचारण किया। हवन पूजन एवं सभी देवी-देवताओं का आह्वान किया। इसके बाद भव्य निशान शोभायात्रा निकाली गई। इसमें 351 महिलाएं भी शामिल हुईं। पुरुष पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में मौजूद थे। श्री श्याम प्रभु के पवित्र निशान को लेकर नगर भ्रमण शुरू हुई। शोभायात्रा मे भजन कीर्तन करते हुए श्रद्धालु आगे बढ़ते गए। रथ पर विराजित श्री श्याम प्रभु की मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई। रथ के आगे हाथों में पवित्र निशान लिए पंच प्यारे थे।

शोभायात्रा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से शुरू हुई, जो बंशीधर आडुकिया रोड, कार्ट सराय रोड, ईस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार, मारवाड़ी टोला, गांधी चौक, रांची विश्वविद्यालय, शहीद चौक होते हुए आयोजन स्थल में पहुंची। वहीं सांस्कृतिक और राष्ट्रीय उत्सव की झांकी प्रस्तुत की गई। महिलाएं और पुरुष झंडे लेकर आगे बढ़ रहे थे। झांकी में महिला और पुरुष का प्रतिनिधित्व सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को दर्शाया गया। सांस्कृतिक विरासत को दर्शायी गयी। अपनी परंपराओं और मूल्यों की याद दिलायी गई। झांकी को देखकर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति को प्रकट किया।

न्यू मधुकम बाबा मंदिर से 1501 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश शोभायात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। न्यू मधुकम रोड-5 में शनिवार से चार दिवसीय तीन देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। इसमें रांची विधायक सिपी सिंह भी शामिल हुए। भक्तों के बीच लाल रंग के चुनरी बांटी गई। कलश यात्रा में 1501 महिलाएं शामिल हुईं। लाल पीले रंग का वस्त्र पहनी महिलाओं ने पूजा स्थल न्यू मधुकम से कलश लेकर रानी सति मंदिर पहुंची। यहां से कलशों में पवित्र जल लेकर बाबा भोले की व माता जगदंबा का जयघोष करते हुए चुना भप्ता, अभिन्यु चौक, रांनी संती मंदिर पहाड़ी मंदिर होते हुए पूजा स्थल पहुंची।

सुविधाओं के लिए महिलाओं के लिए दो लाइन बनाई गई थी। मुख्य पुजारी आचार्य पुरूषोतम कृष्ण शास्त्री ने मंत्रोचारण कर शाम में वेदी पूजन, मंडप पूजन और महाआरती कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में पदाधिकारी अध्यक्ष पंकज सिन्हा, उपाध्यक्ष कृष्णा राज, सचिव अनिल प्रमाणिक, कोषाध्यक्ष चंदन कुमार, सतीश कुमार, कार्यकारणी अध्यक्ष कंचन राय, राकेश रंजन कुमार, समाजसेवी राजेश खंडेलवाल, वरिष्ठ समिति सलाहकार भवन किशोर प्रसाद, संगठन मंत्री सुनील साव, अनुज शर्मा, प्रमोद शर्मा, रमेश कुमार साव, राजेश विश्वकर्मा, सुनील कुमार मिस्त्री, संतोष गुप्ता शामिल थे।

रांची से विदा होने से पहले राष्ट्रपति को सौंपी तस्वीर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय झारखंड दौरे पर शुक्रवार शाम रांची पहुंची थी। राजभवन में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार को बीआईटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में शामिल हुईं। इससे पहले राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राष्ट्रपति श्रीमति मुर्मू को उनके विदा होने से पहले उनकी तस्वीर की खूबसूरत पेंटिंग भेंट की।

भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट संपन्न तेलंगाना पुलिस टीम बनी चैंपियन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में आयोजित भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का समापन शनिवार को हो गया। इस पुलिस मीट की शुरूआत 10 फरवरी को हुई थी। पांच दिन तक चले इस प्रतियोगिता में तेलंगाना पुलिस टीम ओवरऑल चैंपियन बनी, जबकि दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश की टीम रही। झारखंड पुलिस की टीम ने एक गोल्ड और चार सिल्वर पदक जीते। इसके अलावा, मध्य प्रदेश की स्वान दस्ते की टीम ने गोल्ड मेडल जीता। इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी में तमिलनाडु की टीम विजेता बनी।

उल्लेखनीय है कि इस ड्यूटी मीट में कुल 28 टीमों ने भाग लिया था।

झारखंड पुलिस द्वारा आयोजित पुलिस मीट के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर एवं सुदिप्य कुमार मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में दोनों मंत्रियों ने चैंपियन बनी तेलंगाना पुलिस के प्रतिभागियों के साथ अनय टीमों के प्रतिभागियों को पुलिस ड्यूटी मीट में भाग लेने के लिए बधाई दी।

दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश व तीसरे पर झारखंड पुलिस रही : तेलंगाना ने मुख्यमंत्री ट्रॉफी जीती। डॉग स्क्वायड प्रतियोगिता में बीएसएफ की टीम विजेता रही, जबकि तेलंगाना की टीम दूसरे स्थान पर रही। पुलिस फोटोग्राफी में पहला स्थान तमिलनाडु पुलिस को मिला, जबकि दूसरा स्थान आंध्र प्रदेश पुलिस को मिला। कंप्यूटर अवेयरनेस और आईटी कंपटीशन में आईटीबीपी की टीम ने जीत हासिल की। जबकि बीएसएफ दूसरे नंबर पर रही। एंटी सबोटेज चेक में तेलंगाना की टीम विजेता बनी, जबकि दूसरे नंबर पर एसपीजी की टीम रही। बेस्ट डॉग प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के स्वान दस्ते को गोल्ड मेडल मिला। साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन में तेलंगाना की टीम विजेता रही, दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश और तीसरे स्थान पर झारखंड पुलिस की टीम रही। एनसीआरबी ट्रॉफी फॉर एम्पावरिंग पुलिस विद इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी में तमिलनाडु की टीम विजेता बनी।

इन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने लिया था भाग : राइफल रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिता, बैंड प्रतियोगिता, साइंटिफिक एंड क्राइम इन्वेस्टिगेशन, पुलिस फोटोग्राफी, कंप्यूटर अवेयरनेस, पुलिस वीडियोग्राफी, एंटी सबोटेज चेक, श्वान दस्ते की प्रतियोगिता, विधि विज्ञान परीक्षा, लिखित मेडिको लीगल मौखिक परीक्षा, पुलिस फोटोग्राफी परीक्षा, पुलिस वीडियोग्राफी परीक्षा, क्राइम इन्वेस्टिगेशन प्रतियोगिताओं में विभिन्न पुलिस टीमों ने भाग लिया था।

होलिका दहन 13 मार्च को, 15 मार्च को खेली जायेगी होली

रांची। इस साल होलिका दहन 13 मार्च को होगा। जबकि होली का त्योहार 15 मार्च को मनाया जाएगा। 14 मार्च को स्नान दान की पूर्णिमा होने के कारण 15 मार्च को होली का त्योहार मनाया जाएगा। मिथिला पंचांग के अनुसार, होलिका दहन रात्रि 10.47 के बाद होगा। वहीं होली का त्योहार 15 मार्च को मनाया जाएगा।

होलिका दहन का समय : होलिका दहन भद्रा बाद रात्रि 10.44 बजे होगा। पंडित कौशल कुमार मिश्र ने बताया कि होलिका दहन के लिए भद्रा का समय महत्वपूर्ण है और इस बार यह समय रात्रि 10.44 बजे होगा।

अन्य महत्वपूर्ण तिथियां

3 मार्च : वैनायकी गणेश चतुर्थी का व्रत

10 मार्च : आमल की एकादशी

11 मार्च : भौम प्रदोष व्रत

13 मार्च : व्रत की पूर्णिमा और होलिका दहन

15 मार्च : होली का त्योहार

सीसीएल मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय एनआईपीएम-ईस्टर्न रीजन कांफ्रेंस संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीसीएल मुख्यालय में दो दिवसीय एनआईपीएम - ईस्टर्न रीजन कॉन्फ्रेंस का सफल समापन शनिवार को हुआ। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंटः ईस्टर्न रिजन द्वारा किया गया था। इसका मुख्य विषय 'फ्यूचर ऑफ वर्क : रीडिफाइनिंग एचआर फॉर समृद्ध भारत' था। सम्मेलन का उद्देश्य मानव संसाधन क्षेत्र में नवीनतम रुझानों, चुनौतियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करना था ताकि भारत के सतत आर्थिक विकास में एचआर की भूमिका को और प्रभावी बनाया जा सके।

इस सम्मेलन का उद्घाटन झारखण्ड विधान सभा के अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने बहुत सारे गणमान्यों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर किया और अपने अनुभवों को साझा करते हुए कॉन्फ्रेंस के सफलता की कामना किया था ।

सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह, सीआईएल के निदेशक विनय रंजन, सीसीएल के निदेशक पवन कुमार मिश्रा, निदेशक हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक हरीश दुहान एवं अन्य ने भी सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त किये। सम्मेलन में एचआर प्रोफेशनल्स, बिजनेस लीडर्स, फंक्शनल हेड्स, शैक्षणिक, अनुसंधान तथा मैनेजमेंट पढाई करने वाले छात्र, मानव संसाधन प्रक्रिया में सेवा प्रदाता, प्रतिभा अधिग्रहण स्वचालन और प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान करने वाले लोग शामिल हुए।

सम्मेलन के दौरान कॉर्पोरेट जगत, बिजनेस स्कूलों और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा महत्त्वपूर्ण एवं लाभदायक ज्ञान साझा किया गया। इसके लिए अलग-अलग विषयों में विभिन्न टेक्निकल सेशंस आयोजित किये गए थे, जिनमें कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन के संदर्भ में समग्र कल्याण ढांचा तैयार करना, भविष्य की आवश्यकताओं के लिए कौशल और प्रतिभा का निर्माण करना, लोग और प्लानेट को एक साथ आगे बढ़ाने के लिए रणनीतियों को संरेखित करना, लोगों पर केंद्रित समाधानों और कानूनी ढांचे के लिए एनालिटिक्स, एआई और स्वचालन का उपयोग करना इत्यादि प्रमुख थे। सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गए थे। सीसीएल में आयोजित यह सम्मेलन सफल रहा।

अगले पांच दिनों तक तापमान में बदलाव की संभावना नहीं

रांची। झारखंड में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी है। कभी तेज धूप से गर्मी का अहसास तो कभी सर्द हवाओं से लोग कांप रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, फरवरी के अंतिम सप्ताह तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है।

आने वाले दिनों में गर्मी का असर

आने वाले दिनों में गर्मी के प्रभाव को लेकर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होगी। अगले पांच दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। हालांकि पांच दिनों बाद राज्य के न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

पश्चिम विक्षोभ का असर : रांची मौसम केंद्र के अनुसार, झारखंड में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिल रहा है। इसके कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री गिरावट दर्ज की जायेगी।

जस्टिस एम. वाई. इकबाल के जीवन व उनकी धरोहर के स्मरण में बदलते संविधानिकतावाद पर परिचर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज के ऑडिटोरियम में इंडियन एसोसिएशन ऑफ लायर्स, झारखंड के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय के पुर्व न्यायाधीश जस्टिस एम वाई एकबाल के जीवन और विरासत के उपलक्ष्य में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अफाक रशीदी तथा शुभाशीष रसिक सोरेन ने किया। दीप प्रज्वलन के बाद संविधान के पाठ को पढ़ा गया। उसके बाद शुरूआती भाषण फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजुर प्रिंसिपल सेंट जेवियर्स कॉलेज ने दी। स्वागत भाषण रिटायर्ड जस्टिस हाई कोर्ट रत्नाकर भेंगरा ने दिया। कार्यक्रम का परिचय ए के रसीदी, महासचिव इंडियन एसोसिएशन आफ लॉयर्स ने दी। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने कार्यक्रम को विस्तार से बताया। जस्टिस इकबाल ने विधिशास्त्र के क्षेत्र में एक लंबी लकीर खींची है। 'फेयर ट्रायल' की पक्षता में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। उनके गृह जिले रांची में आकर सुखद अनुभव हो रहा है। हम अच्छे मित्र, अच्छे साझेदार और विधिवत प्रोफेशनल्स रहे हैं। उनके कार्यों की लंबी सूची है। बतौर एक बेहतर इंसान वो व्यग्तिगत स्वायत्ता और कानून के बीच हमेशा संतुलन रखते थे। यही समझ ने उनको इतना बड़ा बनाया।

संविधान के स्वरूप के तहत व्यक्ति और सत्ता के बीच के अंतर को उन्होंने विधिवत अंगीकार कराया जाए। जस्टिस एम वाई इकबाल हमेशा न्याय के पथ पर रहे। इस अवसर पर झारखंड उच्च न्यायालय मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम एस रामचन्द्र राव, झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद, जस्टिस रॉन्गन मुखोपाध्याय, जस्टिस आनंदा सेन, जस्टिस अनिल कुमार चौधरी, जस्टिस नवनीत कुमार,जस्टिस संजय प्रसाद झारखंड हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रत्नाकर भेंगरा, राजेंद्र कृष्णा अध्यक्ष, झारखंड बार काउंसिल, वाई एस लोहित, महासचिव इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स, ए के रशीदी, जनरल सेक्रेटरी इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स, झारखंड, अधिवक्ता अजहर अहमद खान, फादर पीटर मार्टिन, अफाक रशीदी, हैदर अली, शुभाशीष रसिक सोरेन, रजउल्लाह अंसारी, वाइजर रहमान, मो. आजम आदि मौजूद रहे।

आइपीएस प्रोन्नति के लिए यूपीएससी को भेजे गये नामों में से 31 अफसरों के खिलाफ सीबीआई ने मांगी अभियोजन स्वीकृति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में नौ अधिकारियों को आईपीएस में प्रोन्नति दी जायेगी। राज्य सरकार ने 2021, 2022 और 2023 के लिए कुल नौ रिक्तियों के लिए यूपीएससी को अनुशंसा भेजी है। मुख्यमंत्री की स्वीकृति के बाद, यूपीएससी को 17 पुलिस अधिकारियों की एक सूची भेजी गयी है। सूची में शिवेंद्र, राधा प्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, मजरूल होदा, राजेश कुमार, दीपक कुमार, अविनाश कुमार, रोशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुरमू, सुरजीत कुमार, वीरेंद्र चौधरी, राहुल देव बड़ाइक, खीस्टोफर केरकेट्टा, प्रभात रंजन बरवार, अनुप कुमार बडाइक, समीर तिर्की व हीरालाल रवि का नाम शामिल है। सीबीआई ने राज्य सरकार से यूपीएससी को भेजे गये नामों की सूची में से दो डीएसपी (मुकेश कुमार और राधाप्रेम किशोर) के अलावा 31 अफसरों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी है।

राज्य सरकार से मांगी गयी अभियोजन स्वीकृति : सीबीआई ने जेपीएससी-2 नियुक्ति घोटाले की जांच के बाद 60 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। इसमें 28 परीक्षार्थी, जेपीएससी के छह पूर्व अधिकारी, 25 परीक्षक और एक प्रतिनिधि शामिल हैं। आरोपित परीक्षार्थियों की सूची में आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष, सदस्य, विधायक, पूर्व मंत्री और वकील के रिश्तेदारों का नाम भी शामिल है। आरोपित परीक्षार्थियों में से कुछ वर्तमान में एडीएम के पद पर कार्यरत हैं। जबकि डीएसपी के रूप में कार्यरत कुछ अधिकारियों को एसपी के पद पर प्रोन्नति मिल चुकी है। सीबीआई ने राज्य सरकार से 31 अधिकारियों को खिलाफ अभियोजन स्वीकृति देने का अनुरोध भी किया है। इसमें जेपीएससी से संबंधित छह अधिकारी और परीक्षकों रूप में शामिल 25 व्याख्याता शामिल हैं।

आरोपित परीक्षार्थियों की सूची : राधाप्रेम किशोर, विनोद राम, हरिशंकर बड़ाइक, हरिहर सिंह मुंडा, रवि कुमार कुजूर, मुकेश कुमार महतो, कुंदन कुमार सिंह, मौसमी नागेश, राधा गोविंद नागेश, कानू रान नाग, प्रकाश कुमार, संगीता कुमारी, रजनीश कुमार, शिवेंद्र, संतोष कुमार चौधरी, रोहित सिन्हा, शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार, राहुल जी, आनंद जी, इंद्रजीत सिंह, शिशिर कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, रामकृष्ण कुमार, प्रमोद राम, अरविंद कुमार सिंह, विकास कुमार, मनोज कुमार, सुदामा कुमार, कुमुद कुमार।

12 साल बाद जांच पूरी कर दायर किया गया आरोप पत्र

जेपीएससी-1 की तरह की न्यायिक विवादों की वजह से जेपीएससी-2 की भी जांच 12 साल बाद पूरी हुई। इसके बाद आरोप पत्र दायर किया गया। सीबीआई ने अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। आरोप पत्र में जेपीएससी के तत्कालीन पदाधिकारियों, परीक्षकों और तत्कालीन परीक्षार्थियों द्वारा सुनियोजित साजिश रचकर अयोग्य लोगों को परीक्षा में सफल घोषित करने का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मामले की जांच के दौरान दोषियों को पहचानने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल किया गया। इसके तहत परीक्षार्थियों की कॉपियों की फोरेंसिक जांच कराई गई, जिसमें यह पुष्टि हुई कि अयोग्य उम्मीदवारों की कॉपियों में पहले दिये गये नंबरों को काटकर बढ़ाया गया था। संबंधित विषयों की कॉपियों की जांच करनेवाले व्याख्याताओं ने भी पूछताछ के दौरान इस बात की पुष्टि की। जांच के दौरान आरोपित परीक्षार्थियों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया। उन्हें समन भेजकर बुलाया गया और उनकी कॉपियों में की गयी काट-छांट और ओवर राइटिंग पर उनका पक्ष सुना गया। फॉरेंसिक जांच और परीक्षकों के बयानों की समीक्षा के बाद, 28 परीक्षार्थियों के खिलाफ जालसाजी का आरोप लगाते हुए आरोप पत्र दायर करने का निर्णय लिया गया। जालसाजी में मदद करने वाले इंटरव्यू बोर्ड के सदस्यों और 25 परीक्षकों के खिलाफ भी आरोप पत्र दायर किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष, सदस्यों और नेताओं के करीबी रिश्तेदारों को जालसाजी के माध्यम से सफल घोषित किया गया।

भाकपा ने सौ वर्ष के सफर में किसान मजदूर की आवाज को किया बुलंद : रणेंद्र कुमार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य कार्यालय रांची में तीन दिवसीय पार्टी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शनिवार को राजेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता हुई। तीन दिवसीय शिविर में अलग-अलग मार्क्सवादी चिंतक एवं शिक्षाविद साथियों के द्वारा कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

उद्घाटन के क्रम में प्रलेश के राज्य अध्यक्ष सह सेवानिवृत आईएएस अधिकारी रेनेंद्र कुमार ने कहा कि देश में वैश्विक पूंजी ने देश को ग्रसित कर दिया है। देश आर्थिक गुलामी की ओर जा रहा है, अति राष्ट्रवाद के नाम पर मजदूर किसान, दलित एवं आदिवासियों पर केंद्र सरकार लगातार हमला कर रही है। देश में मजबूत कम्युनिस्ट पार्टी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मजदूर किसान को आंदोलन को कुचलने के लिए सरकार हर हथकंडे को अपना रही है। इसीलिए हम सभी लोगों को आने वाले दिन में जो देश के अवाम को बचाने के लिए बड़ी लड़ाई कम्युनिस्ट पार्टी लड़ेगी, हमें दिल और दिमाग से तैयार होना होगा।

प्रशिक्षण शिविर में शिक्षाविद् मार्क्सवादी चिंतक रामबाबू ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की मजदूर किसान के हक और अधिकार के लिए गौरवशाली 100 वर्ष संघर्ष के पूरे हो रहे हैं। संयुक्त बिहार में कम्युनिस्ट पार्टी ने एक ऐतिहासिक आंदोलन के बल पर अपनी जड़े जमा ली थी, लेकिन आज आवारा पूंजी से लड़ने के लिए हमें संघर्ष की नई रास्ता अपनाना पड़ेगा। उन्होंने 100 वर्ष के इतिहास को अपने संबोधन में मार्क्सवादी नजरिया से लोगों को सीखने की कोशिश की, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सांगठनिक एवं राजनीतिक चर्चा करते हुए मजबूत कम्युनिस्ट पार्टी निर्माण की योजना बनाई।

प्रशिक्षण शिविर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, जिला सचिव अजय सिंह, जैनेंद्र कुमार भंते, अनिरुद्ध कुमार, गणेश प्रसाद सिंह, कृष्णा मेहता, सत्येंद्र सिंह, विक्रम कुमार, रंजन पांडे, ज्वाला सिंह, कुमार सिंह, अंबुज ठाकुर, कन्हाई मल पहाड़िया, विष्णु कुमार, गणेश महतो, राजेंद्र यादव, गणेश सिंह, शंभू कुमार, सोनिया देवी, मुना भुईयां, किरण कुमारी,आरती कुमारी, महेश राम, विजय राम, मुन्नाराम, श्री राम सहित कई लोग मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

केसरवानी वैश्य समाज का आदर्श सामूहिक विवाह एवं वैवाहिक परिचय सम्मेलन सह मिलन समारोह आज

रांची। केसरवानी वैश्य समाज रांची जिला की ओर से रविवार को धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर के नीलाद्रि धर्मशाला में दशम आदर्श सामूहिक विवाह एवं वैवाहिक परिचय सम्मेलन सह मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसे लेकर शनिवार को आयोजक टीम की एक अंतिम तैयारी बैठक हुई। इसमें आयोजन कार्य व्यवस्था का जायजा लिया गया। परिचय सम्मेलन में एक जोड़ी का आदर्श सामूहिक विवाह कराया जायेगा। मौके पर अध्यक्ष कार्तिक केशरी, महामंत्री मनीष केशरी ने बताया कि रांची जिला केसरवानी वैश्य समाज की ओर से आदर्श सामूहिक विवाह एवं वैवाहिक परिचय सम्मेलन सह मिलन समारोह की तैयारी पूरी कर ली गयी है। इसमें झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा सहित झारखंड प्रदेश के सभी जिलों से हजारों केसरवानी वैश्य सभा के लोग शामिल होंगे। मौके पर संरक्षक शिवकुमार केशरी, संयोजक तपेश्वर केशरी, संयोजक उमेश कुमार केशरी, सलाहकार प्रदीप केशरी, कोषाध्यक्ष मनोज केशरी, सह कोषाध्यक्ष राधेश्याम केशरी उपाध्यक्ष सीताराम केशरी, संगठन मंत्री रवि केशरी, रांची ज़िला तरुण सभा अध्यक्ष मनीष केशरी, मिथिलेश केशरी, राहुल केसरी कमलेश कुमार केशरी सहित कई लोग उपस्थित थे।

17 को मनेगी कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय नाई संघ ट्रेड यूनियन के सदस्यों की बैठक शताब्दी मार्केट स्थित देवेंद्र ठाकुर के सैलून में हुई। जिसमें 17 को भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि मनाने का निर्णय लिया गया।

एक फरार वारंटी को गिरफ्तार, जेल

हरिहरगंज पलामू। लंबित वारंट के निष्पादन को ले वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर हरिहरगंज थाना पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान हरिहरगंज थाना कांड संख्या 118/24 के प्राथमिकी अभियुक्त हरिहरगंज थाना क्षेत्र के सतगावां बांध पर निवासी महंग राम के पुत्र जितेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। हरिहरगंज पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर फरार अभियुक्त गिरफ्तार किये जा रहे हैं।

पुलिस लाइन स्टेडियम में आज से टूर्नामेंट

मेदिनीनगर। शहर के पुलिस लाइन स्टेडियम में शहीदों की स्मृति में 16 से 23 फरवरी तक अंतर्राज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट के सफल बनाने को लेकर शनिवार को पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता की गयी। पलामू पुलिस एवं पलामू फुटबॉल आयोजन समिति के लोगों ने बताया कि 16 को नेपाल एफसी वर्सेज नॉर्थन रेलवे एफसी दिल्ली, 17 को एस ई आर एस ए सी के पी डिविजन वर्सेज एम ई जी सेंटर बैंगलोर, 18 को एस बी एस टी सी दुर्गापुर वर्सेज आजाद क्लब समस्तीपुर बिहार, 19 को वाई वाई बी एकेडमी वर्सेज पलामू फएफसी होगी। मौके पर मनोहर लाली, बबलू गुप्ता, विमल चंद्रवंशी भी थे।

आज होगा भवानी सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

विश्रामपुर (पलामू)। रेहला उ बी उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित भवानी सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को डंडीला यूथ क्रिकेट टीम व प्रतापपुर क्रिकेट टीम के बीच खेला जायेगा। इसकी जानकारी टूर्नामेंट आयोजन समिति के अध्यक्ष संजू सिंह ने दी।

पांकी के बोरोदरी में रविदास युवा क्लब ने किया भक्ति जागरण का आयोजन

पांकी पलामू। पांकी के ग्राम बोरोदरी में रविदास युवा क्लब ने रविदास जयंती पर भक्ति जागरण कार्यक्रम कराया। इसके मुख्य अतिथि पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता थे। अपरिहार्य कारणों से उनके अनुपस्थित रहने पर लोहरसी मंडल अध्यक्ष व केल्हवा के पूर्व मुखिया प्रत्याशी रौशन सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

संत रविदास जयंती पर डॉ अंबेडकर जागृति क्लब ने निकाली शोभा यात्रा

विश्रामपुर (पलामू)। डॉ भीम राव अंबेडकर जागृति क्लब ने शनिवार को पंजरी कला पंचायत में संत शिरोमणि रविदास जयंती पर भव्य शोभा यात्रा निकाली। जिसकी शुरुआत संत रविदास के पूजा स्थल से हुई। पंचायत भ्रमण के बाद कोयल तट पर प्रतिमा विसर्जन के साथ शोभा यात्रा का समापन हुआ। जिसमें कांग्रेस के पूर्व विस प्रत्याशी सुधीर चंद्रवंशी, क्लब अध्यक्ष पंकज रवि, सचिव विकास राम, नवगड़ा ओपी प्रभारी अनिल यादव, सोनू सिंह, विमलेश्वर सिंह, समन पासवान, रविंद्र साव, शिवनाथ पासवान, सच्चितानंद मिश्रा मौजूद थे।

सीएचओ, सहिया साथी और सहिया को प्रशिक्षण

झारखंड को कैंसर से मुक्त करने का अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड को कैंसरमुक्त बनाने के लिए अभियान की शुरुआत की गयी है। इसके तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य पदाधिकारियों, सहिया साथी और सहियाओं को ट्रेनिंग दी जा रही है। रांची के सदर अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और मुंह के कैंसर (ओरल कैंसर) की व्यापक स्क्रीनिंग के लिए सीएचओ, सहिया साथी एवं साहियाओं को प्रशिक्षित करने के अभियान से इसकी शुरुआत हो गयी। क्रमवार तरीके से रांची जिले के 300 सीएचओ से जुड़ी 150 सहिया साथी एवं 3,000 साहिया को ट्रेनिंग दी जायेगी।

एचपीवी टीका जरूरी : इस अवसर पर वीमेन डॉक्टर्स विंग की अध्यक्ष डा भारती कस्यप व अन्य डॉक्टरों ने कहा कि 9 से 45 वर्ष की महिलाओं के साथ साथ-साथ पुरुषों के लिए भी एचपीवी टीका जरूरी है। यह टीका अप्राकृतिक शारीरिक संबंध से होने वाले मुंह, मलद्वार एवं लिंग के कैंसर से बचाता है।

इस अभियान के तहत 50 कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर को 10 ग्रुप में विभाजित करके वाया स्क्रीनिंग का प्रशिक्षण दिया गया है। वाया स्क्रीनिंग में गर्भाशय ग्रीवा पर 5 प्रतिशत एसिटिक एसिड लगाया जाता है। कैंसर के संदेहास्पद एरिया में उजले धब्बे नजर आते हैं। इसके बाद 200 साहियाओं एवं 50 सीएचओ को ब्रेस्ट एवं मुंह के कैंसर की जांच की विधि, उसके लक्षण और उससे बचाव की जानकारी दी गयी। वीमेन डॉक्टर विंग की डॉक्टरों ने कोल्पोस्कोप की सहायता से सर्वाइकल कैंसर की जांच की कम्युनिटी हेल्थ वर्कर्स को जानकारी दी।

प्रशिक्षण से रोकथाम में मदद : सीएस

इस मौके पर रांची के सिविल सर्जन ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से कैंसर मरीजों को काफी राहत मिलेगी। वीमेन डॉक्टर विंग के साथ उन्होंने खूंटी, रामगढ़, रांची में भी व्यापक रूप से सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पर काम किया है। अब साथ मिलकर ओरल और ब्रेस्ट कैंसर पर भी काम कर रहे हैं, ताकि रांची जिले की सभी सहिया साथी, सहिया और कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पूरी तरह से प्रशिक्षित हो जायें। इसका फायदा यह होगा कि कोई भी मरीज कैंसर के एडवांस स्टेज में नहीं जायेगा।

प्रारंभिक लक्षण की पहचान जरूरी: डा कश्यप

वीमेन डॉक्टर्स विंग आईएमए झारखंड की चेयरपर्सन डॉ भारती कश्यप ने कहा कि क्रमवार तरीके से चलाये जा रहे इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जननांग संबंधी सूजन से पीड़ित 100 प्रतिशत महिलाओं की पहचान और उनका इलाज करना है। यह तभी संभव है, जब पूरे राज्य के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात कर्मचारी और नर्स को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाये। उन्होंने कहा, इसलिए पहले हमलोगों ने पूरे झारखंड की सरकारी स्त्री रोग विशेषज्ञों को दिल्ली, कोलकाता और अमेरिका की कैंसर स्त्री रोग विशेषज्ञों की मदद से चरणवार तरीके से प्रशिक्षण दिया गया। अब हम कम्युनिटी हेल्थ वर्कर यानी प्रशिक्षित नर्स और सहियाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में झारखंड मॉडल बनाया, ताकि 100 फीसदी महिलाओं की पहचान की जा सके। झारखंड मॉडल विश्व स्वास्थ्य संगठन की सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन नीति के तीसरे भाग का संशोधित रूप है। इसे विकासशील राज्यों के लिए बेहतरीन मॉडल माना गया है। इसके तहत प्रजनन क्षमता वाली 6 प्रतिशत ऐसी महिलाओं की स्क्रीनिंग सुनिश्चित की गयी है, जिनके जननांग में सूजन है या सर्वाइकल कैंसर की हाई रिस्क कैटेगरी में आती हैं। झारखंड मॉडल के तहत 4.70 लाख महिलाओं की जांच हो चुकी है। प्रशिक्षण में डॉ भारती कश्यप के नेतृत्व में डॉ रश्मि प्रासाद, डॉ सोनल, डॉ मनीषा चौधरी, डॉ मेघना और डॉ सिम्मी महेश ने सहिया साथी एवं सहियाओं को प्रशिक्षित किया। मौके पर रांची सिविल सर्जन, डॉ प्रभात कुमार और हॉस्पिटल मैनेजर जिरेन और डीपीएम प्रवीण कुमार मौजूद थे।

कैंसर से बचने के उपाय : तम्बाकू, धूम्रपान एवं शराब का सेवन न करें। सभी विवाहित अथवा यौन सक्रिय महिलाओं तथा प्रौढ़ महिलाओं को नियमित रूप से (विजुअल इंस्पेक्शन विद एसिटिक एसिड) या पैप स्मियर टेस्ट के द्वारा जांच करायें। स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं, उचित शारीरिक वजन को मेंटेन रखें, संतुलित आहार लें और नियमित चिकित्सीय जांच करवाते रहें।

रांची विवि के अतिथि शिक्षकों की बैठक में बनी आंदोलन की रणनीति

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षकों ने नीड बेस्ड टीचरों की बहाली प्रक्रिया की बहाली को रोकने के निर्णय का स्वागत किया है। इसको लेकर अतिथि शिक्षकों की बैठक मोरहाबादी में हुई। इसमें सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया गया। कहा कि यह उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग है।

अतिथि शिक्षकों की मांग : अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कहा कि उनकी मांग शुरू से रही है कि उनका समायोजन नीड बेस्ड शिक्षकों के साथ किया जाये। उन्होंने कहा कि इस नियुक्ति प्रक्रिया से अतिथि शिक्षकों के साथ अन्याय हो रहा था।

विश्वविद्यालय के दोहरे चरित्र पर सवाल : डॉ धीरज सिंह सूर्यवंशी ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति राजभवन जाकर सरकार के निर्णय के विरुद्ध शिकायत कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर पहले से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को काम करने से रोक रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का यह दोहरा चरित्र समझना मुश्किल है।

क्या है आगे की रणनीति

अतिथि शिक्षक संघ ने कहा कि वे अपने खिलाफ हो रहे अन्याय का पुरजोर विरोध करेंगे और जरूरत पड़ने पर बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे सरकार से मांग करेंगे कि वह पहले से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को सम्मानपूर्वक कार्य करने का स्पष्ट निर्देशन दें।

स्कॉच पुरस्कार से नवाजी गयी विभा सिंह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सहकारिता बैंक की चेयरमैन विभा सिंह को सहकारिता बैंक के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन और बेहतर आउटरीच के लिए स्कॉच पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पुरस्कार उन्हें वैसे लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास सहकारिता के क्षेत्र में अच्छा किया है।

कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम : इस मौके पर विभा सिंह ने कहा कि यह पुरस्कार उनका नहीं बल्कि झारखंड की जनता का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार सहकारिता बैंक की टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

क्या है स्कॉच पुरस्कार : स्कॉच पुरस्कार एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है जो सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। यह पुरस्कार उन लोगों को सम्मानित करता है जिन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

बांग्लादेश से आ कर झारखंड में ट्रेनिंग देकर लौटे आतंकी

खुलासे के बाद एटीएस ने किया अलर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में बांग्लादेश से आतंकियों के आने और यहां कुछ लोगों को ट्रेनिंग दिये जाने की खबर है। एटीएस ने इस मामले को ले कर अलर्ट जारी किया है। एक खुफिया पत्र के जरिये इस मामले का खुलासा हुआ। पत्र के अनुसार बांग्लादेश से आकर एक आतंकी ने झारखंड के पाकुड़ जिले के कुछ युवकों को आतंकी प्रशिक्षण दिया और फिर लौट गया। पत्र में यह जिक्र है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के प्रतिबंधित संगठन भारत विरोधी आतंकी साजिश रच रहे हैं। इसी साजिश के तहत कुछ आतंकी बांग्लादेश से झारखंड पहुंचे थे। पाकुड़ में कुछ लोगों को ट्रेनिंग देकर

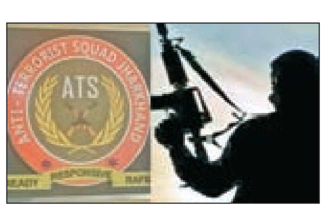

वापस लौट गये। मामले को लेकर झारखंड एटीएस के द्वारा अलर्ट जारी किया गया है।

क्या है पूरा मामला : आतंकी संगठन और स्लीपर सेल के लिए बदनाम रहे झारखंड से संदिग्ध आतंकियों को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। झारखंड एटीएस को सूचना मिली है कि बांग्लादेश की सीमा पार कर जेएमबी आतंकी अब्दुल मम्मुन मुर्शिदाबाद के धुलियान के रास्ते झारखंड के पाकुड़ जिला पहुंचा था। पाकुड़ में उसने जेएएमबी नाम के संगठन के सदस्यों के साथ बैठक की। इसके बाद उसने कई कैडरों को आतंकी ट्रेनिंग दी और फिर वापस भी लौट गया। पूरे मामले में अब एटीएस खुद भी जांच कर रही, वहीं सारे जिलों के एसपी और डीआईजी को गोपनीय सूचनाएं जुटा कर कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा गया है। पत्र में यह भी बताया गया है कि बंगाल और झारखंड के पाकुड़ के संदिग्ध शामिल हुए थे।

कौन है अब्दुल : एटीएस को जानकारी मिली है कि अब्दुल मम्मुन बांग्लादेश के सतखीरा के गोपीनाथपुर इलाके का रहने वाला है। अवैध तरीके से सीमा पार करने के बाद वह 6 जनवरी को पाकुड़ पहुंचा था। पाकुड़ पहुंचने के बाद उसने जेएएमबी-इंडिया के 15 सदस्यों को ट्रेनिंग दी। वहीं जानकारी में यह भी बताया गया है कि जेएएमबी- इंडिया और जमात उल मुजाहिदीन के सदस्यों के बीच एक बैठक भी पाकुड़ के इस्लामी दावा सेंटर, दुबराजपुर में हुई थी। एक दिन की ट्रेनिंग के बाद अब्दुल वापस धुलियान के रास्ते ही बांग्लादेश लौट गया। एटीएस को जानकारी मिली है कि बैठक में मुर्शिदाबाद के जलांगी के कई लोग शामिल हुए थे। बांग्लादेशी प्रतिबंधित संगठन जेएमबी की सक्रियता संथाल परगना के साहिबगंज और पाकुड़ में पूर्व में भी रही है। इस संगठन के संदिग्धों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स की जानकारी पूर्व में भी एटीएस ने जुटायी थी।

किशोरियों के पोषण पर एक दिवसीय कार्यशाला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ट्राई संस्था एवं एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के तहत किशोरियों के पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला, लिटिल एंजेल मिशन स्कूल, बेडो रांची साथ ही देवघर जिले में सारठ प्रखंड के बिरमति प्लस 2 स्कूल एवं कारो प्रखंड, पेठरॉल में अवस्थित हाईस्कूल में संपन्न हुआ। देवघर जिले के मधुपुर प्रखंड के सप्तार गांव में भी आयोजित की गयी कार्यशाला में स्वच्छता किट एवं पौष्टिक खाद्य पैकेट का वितरण किया गया। स्वच्छता किट में आवश्यक वस्तुएं जैसे सैनिटरी नैपकिन, साबुन जबकि खाद्य पैकेट में पौष्टिक खाद्य जैसे चना, गुड़, सूखे मेवे आदि का वितरण किया गया। देवघर जिले के कार्यशाला में नुक्कड़ नाटक का भी प्रदर्शन की गयी जिसका उद्देश्य किशोरियों को पोषण, माहवारी एवं स्वास्थ्य के प्रति नाटक के माध्यम से प्रभावशाली रूप से जागरूकता करना था। ट्राई संस्था के सचिव उत्पल दत्त द्वारा अपने संबोधन में बतलाया कि किशोरियों को अपने जीवन में सफल होने एवं स्वस्थ रहने के लिये जीवनशैली में बदलाव लाने की जरूरत है जैसे खान पान में पौष्टिक खाद्य पदार्थ का नियमित सेवन, स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। किशोरियों को जागरूक होकर माहवारी से जुड़े मिथक को दूर करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में किशोरी के साथ साथ ट्राई संस्था सचिव उत्पल दत्त, संस्था के स्वास्थ्य निदेशक एन. निहाल, परियोजना निदेशक (स्किल) गीता सिंह, परियोजना समन्वयक सुमित कुमार यादव, कार्यक्रम प्रबंधक, चंदन कुमार, सीनियर परियोजना प्रबंधक शमी सहजाद, परियोजना सहायक शब्बीर कलाम, राहुल कुमार उपस्थित थे।

12 अप्रैल को मनाया जायेगा महाराजा मदरा मुंडा का जन्मदिन

रांची। पिठोरिया स्थित सुतियांबेगढ़ परगना में ग्रामप्रधान शिव शंकर मुंडा की अध्यक्षता में शनिवार को बैठक हुई। इसमें महाराजा मदरा मुंडा का जन्मदिन चैत पूर्णिमा 12 अप्रैल को मनाने का निर्णय लिया गया। इसमें विभिन्न गांवों से खोड़हा शामिल होंगे। पाहन महाराजा मदरा मुंडा से जुड़े सभी धार्मिक स्थलों की पूजा करेंगे। इसके साथ ही विभिन्न गांवों से ढोल नगाड़ा बजाते हुए, नृत्य करते हुए मुड़हर पहाड़ पहुंचेंगे। बताया गया कि महाराजा मदरा मुंडा, सुतिया मुंडा, रिस मुंडा, लूटकुम हड़ाम एवं लूटकुम बुढ़ाई की प्रतिमा स्थल का चयन किया जाएगा। मौके पर पहलवान सिंह मुंडा, प्रिया मुंडा, विजय मुंडा, अर्जुन राम, झालो मुंडा, तीर्थनाथ पहान, बलराम मुंडा, राजेंद्र पहान, विमल पहान, काशीनाथ पहान, प्रेम पहान, रवि पहान, प्रवीण कुमार पहान, पूरन गोप, मधु साहू, जीतू साहू, अनिल महतो, विक्रम उरांव, सुरेंद्र उरांव, संदीप उरांव समेत अन्य मौजूद थे।

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में महिलाओं ने भजन कीर्तन व हनुमान चालीसा का पाठ किया

रांची। श्री राधा-कृष्ण मंदिर, पुंदाग स्थित मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ उमड़ी। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि महिला मंडल ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए और हनुमान चालीसा का पाठ किया। पुजारी अरविंद पांडे ने विधि-विधान से पूजा अर्चना की। राधा-कृष्ण को भोग अर्पित किया गया और भक्तों के बीच प्रसाद वितरण हुआ। सेवा धाम के सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में रह रहे मंदबुद्धि, बेसहारा और दीनबंधु प्रभु जी और उनकी सेवा करने वाले साथियों को भोजन कराया गया। मंदिर के शीश महल में विराजमान भगवान श्री राधा-कृष्ण, श्रीमद्भागवत गीता ग्रंथ, भगवान के वस्त्र, मोर मुकुट और मुरली की पूजा अर्चना की गई।

श्री श्याम मंदिर में भंडारा का हुआ आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 145 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया मंत्री श्याम सुंदर शर्मा उपमंत्री अनिल नारनोली कमल लोहिया मंजू देवी लोहिया आदि ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग

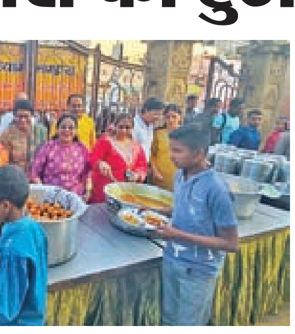

लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। आज के श्री श्याम भंडारा मंडल के वरिष्ठ सदस्य कमल लोहिया मंजू देवी लोहिया के विवाह के 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था। लोहिया परिवार ने मंदिर में ही निर्मित मेवा युक्त कलाकंद केक को काट के अपनी वैवाहिक जीवन की 50 वर्षगांठ मनाई लोहिया परिवार ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं प्रसाद के भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गए। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथमदेव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच अध्यक्ष सुरेश सरावगी के मार्गदर्शन में श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में बनारसी कचौड़ी आलू चौप आलू गोभी लौकी का झोलदार सब्जी केसरिया जलेबी का प्रसाद वितरण किया गया। लगभग 2700 से ज्यादा भक्तजनों ने प्रसाद प्राप्त किया। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद अध्यक्ष सुरेश सरावगी की निगरानी में शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था। श्री श्याम भंडारे में अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया कमल लोहिया मंजू देवी लोहिया नितेश मनीषा लोहिया पारस रौनक लोहिया मंत्री श्याम सुंदर शर्मा अमित सरावगी रतन शर्मा अनुज मोदी आशीष डालमिया कमलेश सावा ओमप्रकाश जालान आशीष डालमिया राहुल मारू पंकज कुमार साहू वेद भूषण जैन पप्पू सहित 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

राज्यस्तरीय कराटे प्रतियोगिता में निर्मला कान्वेंट की श्वेता का परचम

बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित की गयी थी प्रतियोगिता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित राज्यस्तरीय कराटे प्रतियोगिता में निर्मला कान्वेंट की छात्रा श्वेता कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय,गुरुजन तथा माता-पिता का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता खेलो इंडिया के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें कई राज्य के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल की छात्रा श्वेता कुमारी कई राज्यों के छात्र-छात्राओं से आगे निकलते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया और इनको ब्रोंज मेडल तथा दो हजार के कैश प्राइस से पुरस्कृत और सम्मानित किया गया। इस प्रतिभाशाली प्रदर्शन के उपरांत विद्यालय प्रांगण में भी विद्यालय के प्राचार्य विजय कुमार शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं के सामने श्वेता कुमारी को पुरस्कृत किया तथा उनके माता-पिता को भी सम्मानित किया। श्री शर्मा ने कहा कि इस तरह के अवसर से विद्यार्थियों में आत्मबल की वृद्धि होती है तथा उनको अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर करती है। विद्यालय की सचिव सीमा शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी लक्ष्य छोटा या कठिन नहीं होता है बस हमें सच्चे मन से कोशिश करने की आवश्यकता है। श्रीमती शर्मा ने विद्यालय परिवार को इस उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिका एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

15 दिनों में ही नयी सड़क उखड़ने लगी, संवेदक के खिलाफ प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल राँची के द्वारा हेसालोंग टेना मोड़ से डेगाडेगी नदी तट तक रोड निर्माण में संवेदक के द्वारा घटिया निर्माण कार्य किया गया। महज 15 दिनों के भीतर नई नवेली रोड जगह जगह उखड़ कर गड्ढा हो जा रहा है। कई जगह दरारें भी फट गई है। जिसको लेकर लपरा पंचायत स्थित जोभीया के ग्रामीणों का एक बैठक किया गया। बैठक में लपरा मुखिया पुतुल देवी, वरिष्ठ बुद्धिजीवी दीपक राणा व महादेव राणा ने रोड की गुणवत्ता पर तल्ख खड़ा करते हुए बताया कि संवेदक को निर्माण करने के समय कई बार बोला गया था कि सड़क का निर्माण गुणवत्ता पूर्ण किया जाय। लेकिन संवेदक के मनमानी रवैये से कालीकरण व पीसीसी जैसे तैसे निर्माण कर निकल गए। संवेदक के द्वारा घटिया सड़क निर्माण कार्य का पूर्ण जांच की मांग किया गया। साथ ही जांचोपरांत में संवेदक के खिलाफ करवाई कर तय मानक क्षमता के हिसाब से सड़क निर्माण कार्य किया जाय। इस दौरान बैजू उराँव, बादल राणा, रूपेश उराँव, राजेश दास, रामु उराँव, रीता देवी, निरासो देवी, सुमन देवी, इंदु देवी सहित अन्य बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- दो बच्चे की मां थी खुशबू परवीन
- राजू के घर थी बतौर किरायेदार

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के काठीटांड़ निवासी डॉ राजू के घर बतौर किरायेदार तौहिद अंसारी की पत्नी और दो बच्चे की मां 28 वर्षीया खुशबू परवीन ने बीती रात पंखे में दुपट्टे को फांसी का फंदा बना उस पर झूल आत्महत्या कर ली। शनिवार की सुबह सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा। अवर निरीक्षक नवीन शर्मा ने पंचनामा कर रिम्स में पोस्टमार्टम कराने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। खुशबू फुटकलटोली स्थित अलकमर कॉलोनी रोड नंबर-4 की रहने वाली थी।

जानें क्या है मामला

कॉलोनी में रहने वाले ननदोई फिरोज अंसारी से उसका अवैध संबंध होने की बात सामने आयी है। एक बार दोनों घर से भाग गये थे। बच्चों की वजह से तौहिद ने उसे रख लिया। लेकिन, उसकी प्रवृति में कोई सुधार नहीं हुआ। पाबंदी के बावजूद उससे फोन पर बात करती थी। पेशे से ट्रक चालक तौहिद को जब इसकी भनक लगी, तो वह पत्नी और बच्चों के साथ किराये के मकान में रहने लगा। घटना की रात वह सब्जी गाड़ी लेकर उड़ीसा गया था।

ननदोई से प्रेम प्रसंग के बाबत परिवार के लोगों से मिली दुत्कार के बाद पति और बच्चों के साथ किराये के मकान में रहती थी। घटना के बाद बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले को लेकर रातू थाने में यूडी केस दर्ज किया गया है। पुलिस इसकी तफ्तीश कर रही है।

30 किसानों के बीच 50 किलो मूंग बीज का वितरण

सिकिदिरी। सिकिदिरी के नवागढ़ पंचायत में शनिवार को 30 किसानों के बीच 50 किलोग्राम मुंग बीज का वितरण किया गया। बीज का वितरण अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव ने किया। उन्होंने किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया। किसानों दलहन की खेती के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गई।गया। जैविक खाद्य का उपयोग कर कृषि को बढ़ावा देने के बारे में भी जानकारी दी गई। किसानों को अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने की जानकारी दी गई। मौके पर बीटीएम सविता जोजो, संतोष बेदिया, पहलू बेदिया आदि उपस्थित थे।

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा
(Phone: 06541.222288, E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

–सूचना–

एतद द्वारा सिमरिया प्रखण्ड अन्तर्गत सिमरिया मतस्य विभाग कार्यालय के सामने सिमरिया–बगरा पथ में 24 दुकानो का निर्माण कार्य प्रस्तावित है।

दुकान लीज/किराया पर लेने हेतु इच्छुक व्यक्यिों से आवेदन की मांग की गयी थी। आवेदित लाभुकों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28.02.2025 को 12:30 बजे जिला परिषद सभागार में लॉटरी का आयोजन किया जायेगा।

अतः आवेदक उक्त निर्धारित तिथि को यथा स्थान लॉटरी प्रक्रिया में भाग लेना सुनिश्चित करें। अनुपस्थित रहने पर किसी भी तरह के आवेदन पर विचार नही किया जायेगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, चतरा

PR 346457 (District)24-25*D

घर में आग लगने से 12 लाख की संपत्ति जलकर हुई राख

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। मांडर बस्ती निवासी अंजेला खलखो के घर में शुक्रवार की रात आग लगने से लगभग बारह लाख रुपए का नुकसान हो गया। आग लगने से 11 कमरों का खपरैल व लकड़ी का मकान व अंदर रखा 20 हजार नगद समेत पलंग, सोफा, खाने पीने सहित करीब 12 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। बताया जाता है कि मांडर बस्ती में चार दिन से ट्रांसफार्मर खराब है, बिजली नहीं रहने के चलते टेबल में मोमबत्ती जलाकर अंजेला खलखो अपने बच्चों के साथ दूसरे कमरे में थी। इसी बीच मोमबत्ती से पहले टेबलक्लाथ में आग लगी और खिड़की के पर्दा से होते हुए पूरे कमरे में फैल गया। इस बीच घर में आग लगने की सूचना मिलने पर मांडर पुलिस, मुखिया व बस्ती के काफी लोग मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया। तब तक खपरैल व लकड़ी का घर व अंदर रखा नगद, जेवरात, फर्नीचर, खाद्यान, जमीन के पेपर, व दैनिक उपयोग के अन्य सामान जल चुके थे। आगलगी की घटना की जानकारी मिलने पर मांडर सीओ चंचला कुमारी व राजस्व कर्मचारी भी अंजेला खलखो से मिलने पहुंचे थे।

झारखंड व पश्चिम बंगाल की पहचान है सतीघाट स्थल : डॉ राजाराम महतो

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। पांच परगना के प्रसिद्ध सतीघाट का घुरती टुसू मेला शनिवार को हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। मेले में राष्ट्रीय पुस्तकालय सलाहकार डॉ राजाराम महतो ने कहा कि हमें अपनी लोक सांस्कृतिक विरासत बचाने की जरूरत है। झारखंड की जीवंत सांस्कृतिक धरोहर टुसू पर्व है। अपनी झारखंडी परंपरा, संस्कृति, भाषा और गीत को बचाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सतीघाट स्थल झारखंड और पश्चिम बंगाल का पहचान है। सतीघाट तीन नदियों का संगम स्थल है। महिला मंडली का दल टुसू गीत गाते हुए मेला परिसर पहुंचे और स्वर्णरेखा नदी में टुसू-चौड़ल को विसर्जित किया। बच्चों ने मेला परिसर में लगे झूला, मौत का कुआं आदि का आनंद लिया। महिलाओं ने घरेलू सामानों की खरीदारी की। मेले में कृषि उपकरण, वाद्य यंत्र, पारंपरिक हथियार घरेलू सामान सिलबट्टे आदि की खूब बिक्री हुई। मौके पर जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो, डॉ हरिदास महतो, मायाराम महतो, संजय कुमार महतो आदि मौजूद रहे।

एडुकेशनल आर्ट एवं कल्चर पर आधारित 6 दिवसीय मेला का आयोजन को लेकर प्रबुद्धजनों के साथ बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। मैक्लुस्कीगंज इन्टर कालेज परिसर में एडुकेशनल आर्ट एवं कल्चर पर आधारित 6 दिवसीय मेला का आयोजन हेतु एक बैठक खलारी प्रखण्ड के प्रबुद्धजनों के साथ किया गया। यह आयोजन आगामी 6 मार्च से 11 मार्च तक लगने के लिए प्रबुद्धजनों से एक मंच में विचार विमर्श किया गया। बैठक में कल्पना इवेंट्स के सौरभ भारती ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज के दौर में पढ़ाई के अलावे भी बच्चों में कई तरह की प्रतिभा छुपी रहती है। जिसे उचित प्लेट फार्म नहीं मिलने के कारण बच्चों का प्रतिभा सामने नहीं आ पाता। चाहे वह खेल कूद का क्षेत्र हो या फिर कला और संस्कृति का। मेला का मुख्य उदेश्य विभिन्न समुदायों के सांस्कृतिक धरोहर को सहेजना और अगली पीढ़ी तक पहुंचाना। लोक नृत्य, संगीत, नाटक और पारंपरिक कला को बढ़ावा देना। कला संस्कृति के माध्यम से सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाना। लोगों को कला के माध्यम खुशी और आनंद देना एवं दैनिक जीवन की तनाव पूर्ण परिस्थितियों से राहत दिलाना है। मेला से पूर्व इस प्री मीटिंग में उपस्थित लोगों ने भी अपने विचार रखते हुए इंटर कॉलेज के आयोजन की सराहना किये एवं कार्यक्रम को मैक्लुस्कीगंज के लिए मिल का पत्थर बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर सम्भव सहायता करने की बात कही। मौके पर लपरा मुखिया पुतुल देवी, डुमारो मुखिया सुनीता खलखो, खलारी मुखिया तेजी किस्पोट्टा जिला परिषद सदस्या सरस्वती देवी, विधायक प्रतिनिधि मोनू रजक, जितेंद्र पांडेय, लखन प्रसाद, नागदीप कुमार, रामबिलास गोप, अनिल कुमार गंझु, भरत रजक, सरयु प्रसाद, रामसूरत यादव, मनोहर महतो, धर्मराज, योगेंद्र सिंह, आनंद सिंह, भुनेश्वर प्रजापति, शंकर सिंह, रविन्द्र यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

टायर रिसोलिंग दुकान में लगी आग, लाखों रुपये का नुकसान

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। थाना क्षेत्र के बिजुपाड़ा चौक के निकट बैंक ऑफ इंडिया के बगल मे थास्कैंड स्टार रिसोलिंग नामक एक टायर रिसौल की दुकान में बीती रात आग लगने से पचास लाख रुपए से भी अधिक का नुकसान बताया जा रहा है। आग लगने के कारणों का पता नही चला है, लेकिन इस भयंकर आगलगी में लाखो रुपए का टायर और टायर को रिसोल करने वाली मशीन पूरी तरह जलकर राख हो गई। गनीमत यही रही कि दुकान से सटे बैंक ऑफ इंडिया की शाखा आंशिक रूप से ही आग की चपेट में आई। आग की लपटों से बैंक ऑफ इंडिया के एसी का आउटर जल गया वहीं शीशा भी क्रैक कर गया है। टायर दुकान के मालिक मो इकबाल के अनुसार आगलगी से 50 से 55 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दुकान संचालक ने बताया कि सब-ए-बारात का त्यौहार के कारण वे गुरुवार शाम को दुकान बंद कर चटवल स्थित अपने घर चले गए थे। और स्टॉफ की छुट्टी दे दी गई थी। चूंकि शुक्रवार को जुम्मा था इसलिए उस दिन दिनभर दुकान बंद था। रात में अचानक किसी ने उन्हें दुकान में आग लगने की सूचना दी। वहीं दूसरी ओर आग लगने की सूचना पर चान्हो पुलिस ने दमकल वाहन को बुलाया। और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

फ्लोरेंस नर्सिंग कालेज में लैंप लाइटिंग कैपिंग सेरेमनी

फ्लोरेंस की नर्सों ने झारखंड का मान बढ़ाया

खबर मन्त्र संवाददाता

फ्लोरेंस की नर्सिंग टॉपर हुए सम्मानित

नर्सिंग की छात्राओं को सम्मानित करते डीआईजी नौसौद आलम।

ओरमांझी। फ्लोरेंस कालेज ऑफ नर्सिंग में शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर नर्सिंग की छात्राओं को लैंप लाइटिंग एवं कैपिंग पहना सेवा की शपथ दिलाई गई। वहीं मुख्य अतिथि डीआईजी कार्मिक झारखंड नौशाद आलम ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया व यूनिवर्सिटी टॉपर फ्लोरेंस के प्रेरणा श्रीवास्तव, निहारिका तिर्की व शोएब अख्तर, जीएनएम प्रथम टॉपर पायल वर्मा, द्वितीय टॉपर रिंकू सामन्ता, एएनएम टॉपर नजमा अंजुम, स्टेट टॉपर रैंक निकी कुमारी को पुरस्कार व उनके माताओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानि किया। कहा नर्सिंग क्षेत्र सिर्फ नौकरी नहीं है। उनके पास मानव शरीर रचना विज्ञान, शरीर ज्ञान की गहरी समझ व कौशल व सहानुभूति की अनूठी संयोजन होती है। नर्सिंग निस्वार्थता, लचीलापन व मरीजों की सेवा में दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। स्वास्थ्य प्रणाली में नर्सिंग सेवा काफी महत्वपूर्ण है, आपात प्रस्थिति में मरीजों की चैबीसों घंटा सेवा प्रदान करती हैं। विशिष्ट अतिथि मेदांता हॉस्पिटल के एडवाइजर सईद अहमद अंसारी कहा नर्सो के अथक प्रयास व करुणा मरीजों के जीवन में गहरा बदलाव लाती हैं। उम्मीद है फ्लोरेंस की छात्राएं भी उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखेंगे। वहीं संस्थान के सचिव जीनत कौसर कहा नर्सिंग सेवा नैतिक सिद्धांतों की गहरी समझ व मानवीय गरिमा के प्रति है। नर्सें स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में नैतिक दिशा-निर्देश को सफलतापूर्वक कार्य सुनिश्चित करती हैं। रोगियों को दी जाने वाली सेवाएं हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता पर होनी चाहिए। इस अवसर पर नर्सिंग छात्राओं के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रिजवान अंसारी, निदेशक डॉ शाहीन कौशर, डॉ नाजनीन कौशर, प्राचार्या विनिशा बांसरियार, उपप्राचार्य डॉ सुधीर कुमार खुंटिया, अबूनसर बहाउद्दीन अंसारी, शकील अंसारी, मुसर्रफ अंसारी, कलाम अंसारी, ज्योति ग्लोरिया, शोएब अख्तर, बिनीता खलखो, बिन्हा खलखो, वर्षा कुमारी, रेशमा लकरा, सुनीता हेम्ब्रोम, नीलम अनुभा, मनीषा वर्मा, शशि कुमार, आंचल सिंह, शिक्षक व नर्सिंग की छात्राएं आदि उपस्थित थें।

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LTD
(A Government of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi-834001
E-Mail - pdt.juidco@gmail.com, juidcolimited@gmail.com
CIN: U45200JH2013SGC001752

TENDER CANCELLATION NOTICE

NIT No.: JUIDCO/PMAY/V-III/Kangoi/Mihijam-627
Tender ID : 2024_UDD_89463_1
PR No.: 331842
Name of Work: Construction of 64 Dwelling Units in 8 number of G+1 blocks (including structural design) under Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban) at Kangoi, Mihijam.

All the bidders are hereby intimated that the tender for "Construction of 64 Dwelling Units in 8 number of G+1 blocks (including structural design) under Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban) at Kangoi, Mihijam", bearing Tender ID : 2024_UDD_89463_1 is hereby cancelled.

For further details bidders may visit e-procurement website of Government of Jharkhand https://jharkhandtenders.gov.in

All the bidders are requested to kindly wait for future correspondence.

PR 346476 Urban Development and Housing(24-25)#D

Sd/-
(Gopal Jee)
Project Director (Technical)

बेड़ो पुलिस ने पोस्ते की खेती को किया नष्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

अवैध रूप से लगे अफीम की खेती को नष्ट करते बेड़ो पुलिस।

बेड़ो। बेड़ो थाना पुलिस ने शनिवार को पोस्ते की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के हुलसी व डोला गांव के आसपास के क्षेत्रों में अभियान चलाते हुए 20 व 40 डिसमिल में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया गया। थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के दो गांवों में पोस्ते की खेती की गयी है। सूचना के बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने चिह्नित स्थानों पर अभियान चलाकर के दो अलग-अलग प्लॉट में अवैध पोस्ते की खेती को रौंदकर व लाठी-डंडों से पीटकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। वहीं थाना प्रभारी ने कहा कि गैर कानूनी कार्यों से जुड़े लोग सुधर जाएं अन्यथा पुलिस इसी तरह की कारवाई करती रहेगी। इस अभियान में एएसआई अक्षय कुमार सिंह व आशीष रंजन सहित सशस्त्र बल के जवान थे।

पलामू समाहरणालय
प्रपत्र VII
झारखण्ड सरकार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग

(जिला भू–अर्जन शाखा) या
समाहर्त्ता या समुचित सरकार
अधिघोषणा
(अधिनियम–30/2013 की धारा–19 (1) के अधीन)

अधिघोषणा संख्या :– /भू0अ0, पलामू, दिनांक :–

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ, यथा परियोजना **भजनिया मोहम्मदगंज से हैदरनगर (मोहम्मदगंज से दंगवार) पथ भाया कोलहुवा, बरडीहा, पन्सा, अपौंडी तथा रानीदेवा पथ परियोजना प्रयोजन हेतु ग्राम–सजवन सलेमपुर, थाना सं0–298, थाना–हैदरनगर, अंचल–हैदरनगर, जिला–पलामू** में कमोवेश **2.9455** एकड़ यानि 1.1920 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन यह भू–खण्ड है जो मानक मान से कमोवेश **2.9455** एकड़ यानि 1.1920 हेक्टेयर है। **ग्राम–सजवन सलेमपुर, थाना सं0–298, थाना–हैदरनगर, जिला–पलामू** में है। जिसका विवरण निम्नलिखित है :–

ग्राम–सजवन सलेमपुर, थाना सं0–298, कुल रकबा–2.9455 एकड़

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	भूमि का किस्म	भूमि स्वामित्व का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	134	969	टांड़ दो	रैयती	0.1603	शिवो भगत वो दीनानाथ भगत वो महेश्वर भगत पिता फकीरा भगत वो नान्हों भगत वो सागर भगत पिता गणेशी भगत	–	–	–	–
2	134	980	टांड़ दो	रैयती	0.1534	शिवो भगत वो दीनानाथ भगत वो महेश्वर भगत पिता फकीरा भगत वो नान्हों भगत वो सागर भगत पिता गणेशी भगत	–	–	–	–
3	74	979	टांड़ दो	रैयती	0.0298	फकीर चन्द महतो पिता केशो महतो वो ब्रहमदेव महतो पिता रामलगन महतो	–	–	–	–
4	73	977	टांड़ दो	रैयती	0.0298	फकीर चन्द महतो पिता केशो महतो वो ब्रहमदेव महतो पिता रामलगन महतो	–	–	–	–
5	149	983	टांड़ दो	रैयती	0.3248	सूर्यदेव महतो पिता दुखी महतो वो सिताराम महतो पिता चरित्तर महतो वो गणेशी महतो पिता देवचन्द महतो वो इन्द्रदेव महतो वो राजकुमार महतो वो वशिष्ठ महतो पिता शिव महतो	–	–	–	–
6	149	990	टांड़ दो	रैयती	0.0147	सूर्यदेव महतो पिता दुखी महतो वो सिताराम महतो पिता चरित्तर महतो वो गणेशी महतो पिता देवचन्द महतो वो इन्द्रदेव महतो वो राजकुमार महतो वो वशिष्ठ महतो पिता शिव महतो	–	–	–	–
7	149	984	टांड़ दो	रैयती	0.0007	सूर्यदेव महतो पिता दुखी महतो वो सिताराम महतो पिता चरित्तर महतो वो गणेशी महतो पिता देवचन्द महतो वो इन्द्रदेव महतो वो राजकुमार महतो वो वशिष्ठ महतो पिता शिव महतो	–	–	–	–
8	159	989	टांड़ दो	रैयती	0.1189	हलखोरी महतो पिता तापदाल महतो कामेश्वर महतो पिता विशेश्वर महतो वो ललू महतो वो रामस्वरूप महतो पिता काशी महतो	–	–	–	–
9	159	988	टांड़ दो	रैयती	0.0356	हलखोरी महतो पिता तापदाल महतो कामेश्वर महतो पिता विशेश्वर महतो वो ललू महतो वो रामस्वरूप महतो पिता काशी महतो	–	–	–	–
10	159	992	टांड़ दो	रैयती	0.1350	हलखोरी महतो पिता तापदाल महतो कामेश्वर महतो पिता विशेश्वर महतो वो ललू महतो वो रामस्वरूप महतो पिता काशी महतो	–	–	–	–
11	43	995	टांड़ दो	रैयती	0.0056	डीलु महतो वो दशरथ महतो वो बालकिशोर महतो वो रामसेवक महतो पिता चरित्तर महतो	–	–	–	–
12	43	996	टांड़ दो	रैयती	0.0754	डीलु महतो वो दशरथ महतो वो बालकिशोर महतो वो रामसेवक महतो पिता चरित्तर महतो	–	–	–	–
13	149	997	टांड़ दो	रैयती	0.0507	सूर्यदेव महतो पिता दुखी महतो वो सिताराम महतो पिता चरित्तर महतो वो गणेशी महतो पिता देवचन्द महतो वो इन्द्रदेव महतो वो राजकुमार महतो वो वशिष्ठ महतो पिता शिव महतो	–	–	–	–
14	150	998	टांड़ दो	रैयती	0.0302	सूर्यदेव महतो पिता दुखी महतो वो सिताराम महतो पिता चरित्तर महतो	–	–	–	–
15	142	1155	टांड़ दो	रैयती	0.2311	श्री श्री 108 श्री राम जनक स्थान सजन खेलमपुर मंदीर गुश्री उडीस्थानी, व्यवस्थय एवं संयोजक श्री मद वेद मार्ग प्रतिष्ठाधना पिता...	–	–	–	–
16	129	1154	टांड़ दो	रैयती	0.0014	रामराज सिंह पिता ठकुरी सिंह वो ललु सिंह पिता रामवृक्ष सिंह, जाति–राजपूत	–	–	–	–
17	43	1000	टांड़ दो	रैयती	0.0011	डीलु महतो वो दशरथ महतो वो बालकिशोर महतो वो रामसेवक महतो पिता चरित्तर महतो	–	–	–	–
18	154	1125	टांड़ दो	रैयती	0.0167	हरी महतो वो रामचन्द्र महतो वो सत्यनारायण महतो पिता अयोध्या महतो वो प्रयाग महतो वो इन्द्रदेव महतो वो विट्ठल महतो पिता द्वारिका महतो वो शिवनाथ महतो पिता गया महतो	–	–	–	–
19	154	1126	टांड़ दो	रैयती	0.0662	तदैव	–	–	–	–
20	154	1127	टांड़ दो	रैयती	0.1074	तदैव	–	–	–	–
21	154	1128	टांड़ दो	रैयती	0.0852	तदैव	–	–	–	–
22	154	1129	टांड़ दो	रैयती	0.0931	तदैव	–	–	–	–
23	26	1148	टांड़ दो	रैयती	0.0166	चन्द्रधन पासवान वो कपीलदेव पासवान पिता केश्वर पासवान वो रामविलास पासवान वो जानकी पासवान पिता वनवारी पासवान	–	–	–	–
24	26	1147	टांड़ दो	रैयती	0.1255	चन्द्रधन पासवान वो कपीलदेव पासवान पिता केश्वर पासवान वो रामविलास पासवान वो जानकी पासवान पिता वनवारी पासवान	–	–	–	–
25	46	1146	टांड़ दो	रैयती	0.1063	तुलसी राम वो रघुवीर राम वो महावीर राम पिता बालचन्द्र राम	–	–	–	–
26	50	1145	टांड़ दो	रैयती	0.0753	जयराम कान्दु वो करमचन्द कान्दु पिता लक्ष्मण कान्दु वो दशरथ कान्दु वो चन्द्रिका कान्दु वो सिताराम कान्दु वो राजचन्द्र कान्दु पिता मथुरा साह वो पिंकी देवी पति मुरारी साव	–	–	–	–
27	114	1144	टांड़ दो	रैयती	0.0699	यदुनी कान्दु वो मधुनी कान्दु वो रामु कान्दु पिता मंहगु कान्दु	–	–	–	–
28	13	1130	टांड़ दो	रैयती	0.3258	गणेश मिस्त्री पिता मेघनाथ मिस्त्री	–	–	–	–
29	126	1188	टांड़ दो	रैयती	0.0009	रामप्रवेश महतो पिता झरी महतो वो जनेसर महतो वो विरेन्द्र महतो पिता धनराधन महतो वो शंकर महतो वो हिरा महतो वो रामाशीष महतो पिता रामचन्द्र महतो वो प्रदीप महतो पिता भगवान महतो नारायण महतो वो भरत महतो पिता विरन महतो	–	–	–	–
30	24	1198	टांड़ दो	रैयती	0.1011	गोविन्द महतो वो यदुनी महतो वो राजाराम महतो वो रामटहल महतो वो सुरजदेव महतो पिता तपेश्वरी महतो	–	–	–	–
31	24	1197	टांड़ दो	रैयती	0.0072	गोविन्द महतो वो यदुनी महतो वो राजाराम महतो वो रामटहल महतो वो सुरजदेव महतो पिता तपेश्वरी महतो	–	–	–	–
32	46	1199	टांड़ दो	रैयती	0.0987	तुलसी राम वो रघुवीर राम वो महावीर राम पिता बालचन्द्र राम वो सीताराम साव पिता जदुनी साव	–	–	–	–
33	82	1143	टांड़ दो	रैयती	0.1054	बनवारी महतो पिता रूपचन महतो	–	–	–	–
34	13	1142	टांड़ दो	रैयती	0.0199	गणेश मिस्त्री पिता मेघनाथ मिस्त्री	–	–	–	–
35	94	1141	टांड़ दो	रैयती	0.0041	बुटन महतो पिता छठु महतो वो सोहराई महतो वो रामलखन महतो पिता रामेश्वर महतो	–	–	–	–
36	97	1203	टांड़ दो	रैयती	0.0576	भगवान पासवान वो तुलसी पासवान वो रघुवीर पासवान वो महावीर पासवान पिता बालचन्द पासवान	–	–	–	–
37	129	1201	टांड़ दो	रैयती	0.0641	रामराज सिंह पिता ठकुरी सिंह वो ललु सिंह पिता रामवृक्ष सिंह	–	–	–	–
कुल :–					2.9455					

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम सं0–30/2013 की धारा–15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जांच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत है :–

ग्राम........×........ थाना........×........ थाना सं0........×........ अंचल........×........ जिला........×........ क्षेत्रफल........×........ एकड़........×........ यानि........×........ हे0 जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी, पलामू के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन योजना के सार नीचे दिये गये है :–........×........

PR 346495
Palamu(24-25).D

कानूनगो
जिला भू–अर्जन, कार्या0
पलामू

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
पलामू

अपर समाहर्त्ता,
पलामू

उपायुक्त,
पलामू

समय संवाद

प्राकृतिक खाद्यों में विश्व का नेतृत्व करे भारत

इस विषय पर भारत के सबसे विख्यात वैज्ञानिक प्रो. पुष्प भार्गव आधिकारिक विशेषज्ञ थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर उन्हें अपने सलाहकार की तरह माना और उनका सहयोग प्राप्त किया। उन्होंने जीएम फसलों पर हुए लगभग सभी अनुसंधान पत्रों का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला था कि जो स्वतंत्र व निष्पक्ष वैज्ञानिक हैं उनमें लगभग सभी ने जीएम फसलों को हानिकारक पाया है। चीन की नीति में जो बदलाव आया है, वह वैज्ञानिक आधार पर नहीं आया है अपितु जीएम फसलों व खाद्यों से जुड़ी कंपनियों के नीति-निर्धारकों पर बढ़ते असर के कारण आया है। वहां के बीज व कृषि क्षेत्र में इन कंपनियों के पहले दबदबे व असर के कारण ही नीतिगत बदलाव हुए हैं।

पश्चिमी देशों की तर्ज पर चीन द्वारा जीएम फसलों को अपनाया जा रहा है।?आगामी वर्षों में दुनिया में स्वास्थ्य अनुकूल जीएम मुक्त प्राकृतिक खेती के उत्पादों की मांग सबसे अधिक होगी। इसी के लिए बेहतर कीमत भी मिलेगी। भारत को प्राकृतिक खाद्यों में विश्व का नेतृत्व करना चाहिए।

भारत डोगरा

विश्व की खाद्य व कृषि व्यवस्था पर चंद बहुराष्ट्रीय कंपनियों का अधिक व बढ़ता नियंत्रण एक बड़ी चिंता का विषय रहा है। एक समय अनेक किसान व सामाजिक आंदोलनों की उम्मीद थी कि इन विशालकाय कंपनियों के नियंत्रण से मुक्ति के प्रयासों में चीन से बड़ी सहायता मिलेगी। पर हाल के समय में चीन ने जो नीतियां अपनाई हैं उनसे तो लगता है कि वह स्वयं इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की राह पर ही चल निकला है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने खाद्य व्यवस्था पर अपने नियंत्रण के लिए प्रायः जेनेटिक स्तर पर संवर्धित फसलों की तकनीक का बहुत उपयोग किया है। कुछ समय तक तो चीन ने इन जीएम फसलों से अपनी दूरी बनाए रखी, पर हाल के समय में इसने तेजी से अनेक जीएम खाद्य फसलों को अपना लिया है। इसी तरह जीएम खाद्यों के आयात पर प्रतिबंध भी ढीले कर दिए गए। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि चीन की एक बहुत बड़ी सरकारी नियंत्रण की कंपनी ने 43 अरब डालर के एक सौदे में ऐसी एक बड़ी पश्चिमी कंपनी का अधिग्रहण कर लिया जो जीएम फसलों के प्रसार के लिए जानी जाती है व विकासशील देशों के बीज पर अधिक नियंत्रण करने के जिसके प्रयासों की आलोचना होती रही है।

लगता है कि चीन की यह सरकारी कंपनी भी आज नहीं तो कल विकासशील देशों में जीएम फसलों का प्रचार ही करेगी। इस तरह विश्व स्तर के जन-आंदोलनों व किसान आंदोलनों में चीन की इस सरकारी नियंत्रण की कंपनी की भी वैसी ही निंदा होगी जैसी कि पहले पश्चिमी देशों में स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनियों की होती रही हैं।

यह आश्चर्य की बात है कि चीन के सामान्य लोगों व उपभोक्ताओं में जीएम फसलों के प्रति बहुत नकारात्मक सोच होने के बावजूद व जन-भावनाओं की उपेक्षा करते हुए वहां की सरकार जीएम फसलों के समर्थन की राह पर चली है। एक अध्ययन में तो यह पाया गया कि केवल 12 प्रतिशत चीनी उपभोक्ताओं की ही जीएम फसलों के प्रति सकारात्मक सोच है व अधिकांश लोग उन्हें हानिकारक ही मानते हैं। एक अन्य सर्वेक्षण में यह पता चला कि 60 प्रतिशत चीन के नागरिकों की जीएम वैज्ञानिकों के प्रति नकारात्मक सोच है।

जी.एम. फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार यह रहा है कि यह फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा यह असर जेनेटिक प्रदूषण के माध्यम से अन्य सामान्य फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को इंडिपेंडेंट साइंस पैनल ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है। इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने जी.एम. फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसके निष्कर्ष में उन्होंने कहा है- ह्यजी.एम. फसलों के बारे में जिन लाभों का वादा किया गया था वे प्राप्त नहीं हुए हैं व ये फसलें खेतों में समस्याएं पैदा कर रहीं हैं। अब इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर ट्रान्सजेनिक प्रदूषण से बचा नहीं जा सकता है। अतः जी.एम. फसलों व गैर जी.एम. फसलों का सह अस्तित्व नहीं हो सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जी.एम. फसलों की सुरक्षा या सेफ्टी प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत पर्याप्त प्रमाण प्राप्त हो चुके हैं जिनसे इन फसलों की सेफ्टी या सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती है, जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता है।

कैमरे की नजर में

महाकुंभ प्रयागराज में संतो, सन्याशियों और अखाड़ा प्रमुख के बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

महाकुम्भ में विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की संसद के स्पीकर ओम विरला जी ने सनातन संस्कृति और परंपराओं का पालन करते हुए अपनी धर्मपत्नी सहित संगम स्नान किया।

नटराजासन बनाये स्वस्थ

स्वामी मुक्तरथ

नटराजासन एक लाभकारी योगासन है जिसका नाम हिंदु देवता शिव के नाम पर पड़ा है। इस आसन के अभ्यास के लिए आपको प्रैक्टिस की जरुरत होगी लेकिन जल्द ही आप संतुलन बनाना सीख जाएंगे। आइए जानते हैं नटराजसन करने के लाभ और इसे करने की विधि।

नटराजासन कैसे करें और इसके क्या लाभ हैं : नटराज आसन करने के लिए योगा मैट पर सीधे खड़े हो जाएं और अपने हाथों को साइड में सीधा रखें। अब सांस लेते हुए सीधे पैर को शरीर के पीछे की तरफ मोड़ें और सीधे हाथ से पैर को टखने से पकड़ें। अब सीधे पैर को जितना हो सके ऊपर की ओर उठाएं। इस दौरान इसे हाथ से पकड़े रहें। अपने उल्टे हाथ को अपने सामने सीधा फैलाएं। शुरूआत में आप किसी और व्यक्ति की मदद ले सकते हैं। अभ्यास करते वक्त गहरी सांस लेते रहें और संतुलन बनाने की कोशिश करें। इस स्थिति में 20-30 सेकेंड के लिये रुकें। अब धीरे-धीरे सामान्य आसन में आ जाएं। इसी आसन को दूसरे पैर के साथ दोहराएं। इसी तरह 3-4 बार इस आसन का अभ्यास करें।

नटराजासन करने के लाभ : नटराज आसन का अभ्यास करने से आपको वजन कम करने में मदद मिलती है। यह आपके शरीर की मुद्रा में सुधार करता है और शरीर के संतुलन को बढ़ाता है। नटराजासन करने से थाई, हिप्स, टखनों और सीने की मसल्स को स्ट्रेच करने में मदद मिलती है। यह आपकी एकाग्रता बढ़ाने के लिए भी लाभकारी योगासन है। तनाव को कम करने और दिमाग को शांत करने के लिए आपको नटराज आसन का अभ्यास करना चाहिए। इस योगासन के अभ्यास से एब्डोमिनल ऑर्गन के फंक्शन को सुधारने में मदद मिलती है जिससे आपका पाचन बेहतर होता है। यह हैमस्ट्रिंग, स्पाइन, कंधों के लचीलेपन को बढ़ाता है।

शखं बजाने के अनेको लाभ

भारतीय परिवारों में और मंदिरो में सुबह और शाम शंख बजाने का प्रचलन है। अगर हम रोजाना शंख बजाते है, तो इससे हमें काफी लाभ हो सकता है।

शंख बजाने के 10 फायदे

रोजाना शंख बजाने से गुदाशय की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। शंख बजाना मूत्रमार्ग, मूत्राशय, निचले पेट, डायाफ्राम, छाती और गर्दन की मांसपेशियों के लिए काफी बेहतर साबित होता है। शंख बजाने से इन अंगों का व्यायाम हो जाता है।

शंख बजाने से श्वांस लेने की क्षमता में सुधार होता है। इससे हमारी थायरॉयड ग्रंथियों और स्वरयंत्र का व्यायाम होता है और बोलने से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्याओं को ठीक करने में मदद मिलती है।

शंख बजाने से झुर्रियों की परेशानी भी कम हो सकती है। जब हम शंख बजाते हैं, तो हमारे चेहरे की मांसपेशियां में खिंचाव आता है, जिससे झुर्रियां घटती हैं।

शंख में सौ प्रतिशत कैल्शियम होता है। रात को शंख में पानी भरकर रखें और सुबह उसे अपनी त्वचा पर मालिश करें। इससे त्वचा संबंधी रोग दूर हो जाएंगे।

शंख बजने से तनाव भी दूर हो जाते है, जो लोग ज्यादा तनाव में रहते हैं, उनको शंख जरुर बजाना चाहिए। क्योंकि शंख बजाते समय दिमाग से सारे विकार चले जाते है। शंख बजाने से घर के अंदर आने वाली नकारात्मक शक्तियां भी दूर रहती है। जिन घरों में शंख बताया जाता है, वहां कभी नकारात्मकता नहीं आती है।

शंख बजाने से दिल के दौरे से भी बच सकते है। नियमित रूप से शंख बजाने वाले को कभी हार्ट अटैक नहीं आती है। शंख बजाने से सारे ब्लॉकेज खुल जाते हैं। इसी तरह बार-बार सांस भरकर छोड? से फेंफड़े भी स्वस्थ्य रहते हैं। शंख बजाने से योग की तीन क्रियाएं एक साथ होती है झ्र कुम्भक, रेचक, प्राणायाम।

शंख की आकृति और पृथ्वी की संरचना समान है नासा के अनुसार झ्र शंख बजाने से खगोलीय ऊर्जा का उत्सर्जन होता है जो जीवाणु का नाश कर लोगो को ऊर्जा ० शक्ति का संचार करता है।

फेफड़ों के रोग करें खत्म : शंख बजाने से चेहरे, श्वसन प्रणाली, श्रवण तंत्र तथा फेफड़ों की बहुत बढि ?ा एक्सरसाइज होती है। जिन लोगों को सांस संबंधी समस्याएं है, उन्हें शंख बजाने से छुटकारा मिल सकता है। हर रोज शंख बजाने वाले लोगों को गले और फेफड़ों के रोग नहीं होते। इससे स्मरण शक्ति भी बढ़ती है।

वैज्ञानिक मानते हैं कि शंख फूंकने से उसकी ध्वनि जहां तक जाती है, वहां तक के अनेक बीमारियों के कीटाणु ध्वनि-स्पंदन से मूर्छित हो जाते हैं या नष्ट हो जाते हैं। यदि रोज शंख बजाया जाए, तो वातावरण कीटाणुओं से मुक्त हो सकता है। बर्लिन विश्वविद्यालय ने शंखध्वनि पर अनुसंधान कर यह पाया कि इसकी तरंगें बैक्टीरिया तथा अन्य रोगाणुओं को नष्ट करने के लिए उत्तम व सस्ती औषधि हैं। रोजाना सुबह-शाम शंख बजाने से वायुमंडल कीटाणुओं से मुक्त हो जाता है। इसीलिए सुबह-शाम शंख बजाने की परंपरा है।

-औरतें

संध्या दीप उर्वशी

औरतें सिर्फ शक्ल और जिस्म
से ही खूबसूरत नहीं होतीं,
बल्कि वो इसलिए भी खूबसूरत होती हैं,
क्योंकि प्यार में ठुकराने के बाद भी,
किसी मर्द पर तेजाब नहीं फैंकती !
उनकी वजह से कोई पुरुष
दहेज में प्रताड़ित हो कर फांसी नहीं लगाता !
वो इसलिए भी खूबरसूरत होती हैं,क्योंकि उनकी वजह से लड़कों को रास्ता नही बदलना पड़ता,
वो राह चलते लड़को पर
अभद्र टिप्पणियां नही करती!

वो इसलिए भी खूबसूरत होती हैं,क्योंकि देर से घर आने वाले
पति पर शक नही करती,
बल्कि फिक्र करती है!
वो छोटी छोटी बातों पर
नाराज नही होती,
सामान नही पटकती,
हाथ नही उठाती,
बल्कि पार्टनर को समझाने की,
भरपूर कोशिश करती हैं !
वो तकलीफ सह कर भी
रिश्ते इसलिए निभा जाती हैं,
क्योंकि वो अपने माँ बाप का
दिल नही तोड़ना चाहती !
वो हालात से समझौता
इसलिए भी कर जाती हैं,
क्योंकि उन्हें अपने बच्चों के
उज्वल भविष्य की फिक्र होती है !
वो रिश्तों में जीना चाहती हैं !
रिश्ते निभाना चाहती हैं !
रिश्तों को अपनाना चाहती हैं!
दिलों को जीतना चाहती हैं !
प्यार पाना चाहती हैं !
प्यार देना चाहती हैं !
हमसफर, हमकदम बनाना चाहती हैं।
इसलिए औरतें
सिर्फ शक्ल और जिस्म
से ही खूबसूरत नहीं होती ,
वो एक सुंदर मन होती हैं,
जिसे देखने के लिए चाहिए
एक सुंदर नजर ,
मातृशक्ति को प्रणाम
और उन-औरतें -
औरतें सिर्फ शक्ल और जिस्म
से ही खूबसूरत नहीं होतीं,
बल्कि वो इसलिए भी खूबसूरत होती हैं,
क्योंकि प्यार में ठुकराने के बाद भी,किसी मर्द पर तेजाब नहीं फैंकती !
उनकी वजह से कोई पुरुष
दहेज में प्रताड़ित हो कर फांसी नहीं लगाता !
वो इसलिए भी खूबरसूरत होती हैं,क्योंकि उनकी वजह से लड़कों को रास्ता नही बदलना पड़ता,
वो राह चलते लड़को पर
अभद्र टिप्पणियां नही करती!
वो इसलिए भी खूबसूरत होती हैं,क्योंकि देर से घर आने वाले
पति पर शक नही करती,
बल्कि फिक्र करती है!
वो छोटी छोटी बातों पर
नाराज नही होती,
सामान नही पटकती,
हाथ नही उठाती,
बल्कि पार्टनर को समझाने की,भरपूर कोशिश करती हैं !
वो तकलीफ सह कर भी
रिश्ते इसलिए निभा जाती हैं,
क्योंकि वो अपने माँ बाप का
दिल नही तोड़ना चाहती !
वो हालात से समझौता
इसलिए भी कर जाती हैं,
क्योंकि उन्हें अपने बच्चों के
उज्वल भविष्य की फिक्र होती है !
वो रिश्तों में जीना चाहती हैं !
रिश्ते निभाना चाहती हैं !
रिश्तों को अपनाना चाहती हैं!
दिलों को जीतना चाहती हैं !
प्यार पाना चाहती हैं !
प्यार देना चाहती हैं !
हमसफर, हमकदम बनाना चाहती हैं।
इसलिए औरतें
सिर्फ शक्ल और जिस्म
से ही खूबसूरत नहीं होती ,
वो एक सुंदर मन होती हैं,
जिसे देखने के लिए चाहिए
एक सुंदर नजर ,
मातृशक्ति को प्रणाम और उनके सशक्तिकरण
के लिए हार्दिक शुभकामनाएं...?

रांची झारखंड (विवेकानंद विद्या मंदिर धुर्वा रांची)

मैंगो फेस मॉस्क से लाभ

आम में बेहतरीन स्वाद के अलावा भी कई गुण होते हैं। आम हमारी त्वचा को निखारने में बहुत मदद करता है। चेहरे पर आम से बना फेस मास्क काफी फायदेमंद होता है। मैंगो फेस मास्क से चेहरे पर मुहांसे भी कम होते हैं, साथ ही चेहरे को ग्लोइंग बनाता है। इसके अलावा गर्मी में तेज धूप के कारण टेन हुई आपकी स्किन के लिए आम काफी असरकारक साबित होता है। आम में पाए जाने वाले विटामिन और न्यूट्रिएंट्स होने के चलते इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है।

मैंगो फेस मास्क

मुहांसे की समस्या का हर किसी को सामना करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में मुहांसे की समस्या ज्यादा होती है। इसके लिए आप कच्चे आम के जूस का इस्तेमाल कर सकते हैं। कच?चे आम का जूस एस?ट्रीजेंट के रूप में मुंहासे हटाने के लिये प्रयोग किया जा सकता है। इसके अलावा इससे झाइयां भी दूर हो जाती हैं। मुहांसों की समस्या से निजात पाने के लिए मैंगो फेस मास्क बनाएं। इसके लिए दो चम्मच आम का पल्प, एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी और थोड़ा गुलाब जल लें। इसके बाद तीनों को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस तैयार फेस मास्क को चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। सूखने के बाद इसे छुड़ाकर चेहरा साफ पानी से धो लें। मैंगो फेस मास्क का इस्तेमाल करने से आप मुहांसों से छुटकारा पा सकेंगे। बता दें कि आम में बहुत सारा एंटीऑक्सीडेंट होता है जो त्वचा को बूढ़ा नहीं होने देता है।

-यदि आपकी स्किन ढीली पड़ गई हो तो मेंगो और हनी फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। आम और शहद का मेल स्किन को टोन कर उसे निखरने में मदद करेगा। इसके लिए आम का पल?प, शहद और बादाम तेल मिलाएं। इस पेस?ट को चेहरे पर लगाकर धो लें।

-ब्लैकहेड की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आम के पल्प, मिल्क पाउडर और शहद को मिलाकर स?क्रब बनाएं। फिर इसे चेहरे पर लगाएं। इसके बाद आपकी स्किन शाइनिंग करेगी।

अपने पौधों को कैसे बचाएं

रजनी अरोड़ा

गर्मी के मौसम में जीव-जंतुओं का ही नहीं, पेड़-पौधों का भी हाल बेहाल हो जाता है। अगर उनकी समुचित देख रेख न की जाए, तो वे मुरझा जाते हैं या ग्रोथ रुक जाती है। ऐसे में अगर आप कुछ बातों का ध्यान रखें तो गर्मियों में अपने पौधों को हरा-भरा रख सकते हैं।

हरी नेट या चादर लगाएं

इस मौसम में वेस्ट-फेसिंग पौधे तेज धूप का सामना करते हैं। जमीन में लगे पौधों को बचाने के लिए ग्रीन नेट या प्लेन चादर लगाएं। ताकि धूप छन कर आए और पौधे जलने से बच सकें।

नमी बनाए रखें

गर्मियों में पौधों के आसपास नमी बनाए रखने के लिए किसी टब में थोड़ा-सा पानी डालें। उसमें अपने छोटे गमलों में लगे पौधों को रखें। या फिर अपने पौधों के पास एक टब, बाल्टी या परात में थोड़ा-सा पानी भर कर रख दें। गर्मी की वजह से जब पानी इवेपोरेट होगा, तो पौधों के आसपास नमी बनी रहेगी। **स्प्रे भी फायदेमंद**

नोजल लगाकर पौधों की पत्तियों पर दिन में कम से कम दो बार मिस्टिंग या छिड़काव करना फायदेमंद है।

ठीक से करें सिंचाई

गर्मियों में पौधों को डीप वॉटरिंग की जरूरत होती है। नियमित रूप से पानी देना चाहिए। अगर टैम्परेचर 40 डिग्री से ज्यादा हो, तो दिन में दो बार पौधों को पानी देना चाहिए। पौधों को पानी तेज धूप निकलने से पहले (तड़के) या फिर सूरज ढलने (शाम) होने पर दें। धूप निकलने के बाद पानी देने से पानी गर्म हो जाता है जिससे उसकी जड़ें खराब हो जाती हैं। साथ ही पानी तेज धूप में वाष्पित जल्दी हो जाता है और पौधों को पोषण नहीं मिल पाता। गमलों में पानी इतना दें जब तक कि व ड्रेन होल से न निकलने लगे। सुबह अच्छी तरह से पानी देने से पौधे दोपहर की धूप झेल लेते हैं। शाम को चैक करें जो पौधा सूखा लगे, उसमें दोबारा पानी देना चाहिए। पानी देते हुए ध्यान रखें कि उनकी पत्तियों को भी धोएं। जरूरत के हिसाब से थोड़ा पानी डाल सकते हैं। पत्तियां धोने से वे अच्छी तरह सांस ले पाती हैं।

पौधों को अंदर ग्रुप में रखें

धूप से बचाने के लिए यथासंभव पौधों को शेड में, बरामदे या बालकनी में एकसाथ ग्रुप में रखें। जहां तेज धूप न आती हो। या छनकर धूप आती हो। एकसाथ रखने से इन्हें एक-दूसरे की ठंडक मिलती रहती है और ये सूखने से बचे रहते हैं।

माहौल ठंडा रखें

गर्मी से बचाने के लिए पौधों को कूलर, पंखें की हवा में रख सकते हैं। इससे वातावरण थोड़ा ठंडा हो जाएगा और पौधे गर्मी को झेलने में सक्षम हो पाएंगे। पौधों पर पंखे की हवा सीधी नहीं पड़नी चाहिये, इससे जड़े कमजोर होती हैं।

फर्टिलाइजर

गर्मियों में पौधों को ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर देने चाहिए। क्योंकि केमिकल फर्टिलाइजर बहुत तेज होने के कारण पौधे जल सकते हैं। मई-जून की गर्मी में 10-15 दिन के अंतराल पर सरसों खली, बनाना पील फर्टिलाइजर, कम्पोस्ट टी जैसे लिक्विड फर्टिलाइजर डालना सुरक्षित है।

मल्चिंग

गर्मी की वजह से ऊपरी मिट्टी बहुत गर्म हो जाती है जिससे पौधे की जड़ें जल सकती हैं, पौधा सूख सकता है। इसके लिए सूखी घास, सूखे पत्ते, धान का भूसा, नारियल के छिलके, लकड़ी का बुरादा, ईंट या कोयले के टुकड़े, टाट पट्टियां जैसी चीजें ले सकते हैं और मिट्टी को कवर या मल्चिंग करनी चाहिए। इससे नमी बनी रहेगी। धीरे-धीरे मल्चिंग की चीजें मिट्टी में मिल जाएंगी और खाद का काम करेंगी।

मॉस का करें इस्तेमाल

छोटे गमलों या ट्रे में लगे पौधों को गर्मी से बचाने के लिए उनकी मिट्टी को पानी में भीगी मॉस से ढक देना चाहिए। ताकि इसमें नमी बनी रहे। मनी प्लांट जैसे क्लाइम्बर पौधों को मॉस स्टिक में चढ़ाएं। पानी देते हुए मॉस स्टिक गीली हो जाती है तो पौधों में नमी बनी रहती है और जड़ों को न्यूट्रीशन मिलता रहता है।

प्रवचन करने वाला महान साधु नहीं चाहिए भाई

मनोज शर्मा

हमें साम, दाम, दंड और भेद वाला पीएम चाहिये प्रवचन करने वाला महान साधु बाबा,गुरु बाबा नहीं।

150 करोड़ वाला देश जिसके अंदर दर्जन भर और देश सर उठाने को खड़ा है उसे चलाने के लिये कठोर फैसले लेने वाले नेतृत्व की जरूरत है। दया,भावुकता, ड्रामा ,इमोशंस से देश नहीं चलेगा।

हर मुद्दे पर तमाशाई चुप्पी और कार्रवाई के बदले मन की बात अब जनता में क्षोभ पैदा कर रही है।

सबसे पहले सोशल मीडिया पर कठोर कार्रवाई कर दें। ये अब स्वयंभू कमांडर हो गये हैं। क्या इसके लिये भी आप अक्षम हैं? बंद हो जाये फेसबुक ,ट्विटर,ह्वाट्सेप कोई चिंता नहीं ये अफवाह के वाहक हो गये हैं।

विपक्ष पर संगीन आरोप लगा लगा कर जनता को उल्लू मत बनाइये। जनता झांसे में आकर बार- बार आपका साथ नहीं देगी। आरोप लगाते हैं तो साबित करें और दोषियों को सजा दिलवाइये। ये राजनितिज्ञों वाली नूरा कुश्ती ज्यादा दिन नहीं टिकेगी। क्या हुआ टूजी, चिदंबरम से लेकर मयडम और दामाद और उनके पुत्र पर लगाये गये संगीन आरोपों का जिसका शोर करके आप पीएम बने?

क्या भाजपा में काम करने वाले नेताओं का टोटा पड़ गया है? जो नाचने गाने वाले झूट्ठे और हल्के लोगों को सर पर बैठाये हुये हैं? प्रवक्ता ऐसे कुतर्की कि अब लोगों को पका दे रहे हैं। विपक्ष के दुष्ट, भ्रष्ट , षड्यंत्रकारियों, गद्दारों को सीखचों के पीछे डालने या ठिकाने लगाने के लिये जनता ने सत्ता सौंपी थी, बार बार आपके मन की बात सुनने के लिये नहीं। सभाओं में जनता से ही ये सवाल कि फलां .... है कि नहीं ? और जनता से उन्मादी जवाब के स्टंट से बाज आइये, ये अब खींझ पैदा करता है।

दूसरी पारी निराश कर रही है और याद रखिये मोदी का सपोर्टर सबसे ज्यादा आंखे खुला रखता है मोह भंग हुआ तो फीलगुड करा देगा, वह अंधभक्त नहीं होता। अंधभक्त गंधभक्त अंडभक्त गुलाम चमचे ये सभी उच्छिष्ट विपक्ष में अधिकाधिक होते हैं। राष्ट्र हंता मान्यवर । कोई राष्ट्रहित में जीवन न्योक्षावर कर दे उसे एक गिरोह बनाकर बदनाम किया जाए यह कोई न्याय नहीं है।

देश का पीएम हमारा गर्व है, वह ईमानदार है, कर्मठ है, अग्रसोची, व्यवहारिक है,अरे जनाब वह चुनाव जीताना भी जानता है। लेकिन अकेले का सबके मॉस्क पहनाते चलेगा? आपका चापनल बनवा दें। आज उसका कोई विकल्प भी नहीं है। एक बेहाल तंत्र में जान भरना आसान तो नहीं है लेकिन हम आपसे प्रवचन नहीं सुनना चाहते। वश उड़ कर मारिये चाहे घुस कर मारिये लेकिन मारिये जरूर कोरोनवा को।

दाढ़ी कटवाइये और पुराने एक्शन मोड वाले मोदी बन जाइये। और हां ये तल्खी किसी विपक्ष या वामपंथी के षडयंत्र की उपज नहीं है। जो देखा,समझा उसकी प्रतिक्रिया है।

(लेखक रांची विवि पत्रकारिता विभाग से जुड़ें हैं।)

मैलेरिया की दवा ...

साभार बीबीसी हिंदी डॉट कॉम

स्पीड न्यूज

33वां सप्ताह भी मां शीतला देवी मंदिर में भव्य भंडारा का किया आयोजन

प्रसाद का वितरण करते लायंस क्लब के लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा द्वारा प्रत्येक सप्ताह की भांति इस शनिवार को भी लगातार 33वां सप्ताह भुरकुंडा के पटेलनगर सयाल मोड़ स्थित मां शीतला देवी मंदिर में नर सेवा नारायण सेवा कार्यक्रम के तहत भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मां को लड्डू का भोग चढ़ाया गया। तत्पश्चात आयोजित भंडारा में लायंस क्लब के लोगों द्वारा फूड फॉर हंगर के तहत लगभग 400 लोगों को खिचड़ी रूपी प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद लिया गया। बताया गया कि प्रत्येक सप्ताह लायंस परिवार के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत सहयोग से आयोजन किया जाता रहा है।

नए आपराधिक कानूनों के तहत उनकी भूमिका पर दिया गया प्रशिक्षण

रामगढ़। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित डीजी एंड आईजी कॉन्फ्रेंस 2024 में दिये गये निर्देश के अनुसार प्रत्येक जिला में गैर पुलिस कर्मियों यथा चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ आदि को नए आपराधिक कानूनों के तहत उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारी के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाना है। इस संबंध में 15 फरवरी को को 13:00 बजे पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के निर्देशन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ को नए आपराधिक कानूनों के संबंध में चन्दन कुमार वत्स, वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मु०) रामगढ़ द्वारा प्रशिक्षण दिया गया तथा उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारी से अवगत कराया गया।

स्व टेकलाल महतो ने झारखंड राज्य को बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाया: राजकुमार महतो

नयामोड में जयंती मनाते झामुमो केंद्रीय सदस्य व कार्यकर्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

कुजू। नयामोड़ फोरलेन चौराहा में शनिवार को झामुमो कार्यकताओं ने गिरिडीह के पूर्व सांसद सह मांडू के पूर्व विधायक स्व टेकलाल महतो का 80 वां जयंती मनाया। इस दौरान मुख्य रूप से झामुमो केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो शामिल हुए। जयंती कार्यक्रम के दौरान राजकुमार महतो व मौजूद सभी कार्यकताओं ने बारी-बारी से स्व टेकलाल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। मौके पर राजकुमार महतो ने कहा कि स्व टेकलाल महतो एक महान पुरूष थे। वह झारखंड राज्य को बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाया है, जो कभी भुलाया नहीं जा सकता है। वह हमेशा क्षेत्र के विकास व जनता के समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते थे। जरूरत है आज हम सभी को उनके बताये मार्गों पर चलने की। उन्होंने मांडू से 5 बार विधायक व गिरिडीह से एक बार सांसद बनकर ग्रामीण जनता का विकास किया था।

ग्राम पंचायत सौंदा डी में डीएमएफटी से स्वीकृत योजनाओं को कराने की मांग की

पंचायत समिति सदस्य कुमकुम देवी

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। पतरातू प्रखंड अंतर्गत सौंदा डी पंचायत की पंचायत समिति सदस्य कुमकुम देवी ने डीएमएफटी फंड से स्वीकृत योजनाओं को सौंदा डी पंचायत में कार्य करवाने हेतु रामगढ़ डीसी को पत्र सौंपा है। सौंपे गये पत्र में कुमकुम देवी ने कहा है कि डीएमएफटी शासी निकाय परिषद 18 मार्च 2021 और 15 सितंबर 2023 के बैठक स्वीकृत योजना ग्राम पंचायत सौंदा डी में आज तक जमीन पर काम नहीं आ पाया। पत्र में 18 मार्च 2021 को स्वीकृत श्यामलाल के घर ए टाईप होते हुए मेन रोड सौंदा डी तक पीसीसी पथ निर्माण, बलराम के घर से नवल शर्मा के घर तक पीसीसी पथ व 15 सितंबर 2023 में स्वीकृत योजना जनता मजदूर संघ कार्यालय से जीपी कैंप, रैंबो क्लब, क्लब घर होते हुए उच्च विद्यालय होते हुए मध्य विद्यालय तक पीसीसी पथ निर्माण, मनोज तुरी चाणक्य कॉलोनी से झोपड़ी होते हुए जेठु बेदिया के घर तक पीसीसी, नकारी नदी पर सीढ़ीनुमा छठ घाट का निर्माण कराने की मांग की गई है।

केंद्रीय मिलन सरहुल पूजा समिति की हुई बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। सरहुल पूजा मनाने को लेकर केंद्रीय सरना स्थल रिवर साइड भुरकुंडा में शनिवार को केंद्रीय मिलन सरहुल पूजा समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कमेटी के संरक्षक दर्शन गंझू और संचालन सचिव संतोष उरांव ने किया। बैठक में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे धूमधाम से सरहुल पूजा मनाने को लेकर चर्चा की गई। साथ ही इसकी तैयारियों और विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 1 अप्रैल को सरना पूजा किया जाएगा। साथ ही 2 अप्रैल को जुलूस के शक्ल में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

झारखंड में किसानों के विकास को ले कृषि मेला सह प्रदर्शनी में मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की ने कहा

किसान वैज्ञानिक तरीके अपनायें, तभी होगा विकास

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। हजारीबाग के गोरिया करमा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में 15 फरवरी 2025 को प्रमंडल स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना था। मंत्री ने कहा कि झारखंड की 80% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और कृषि उनकी आजीविका का प्रमुख साधन है। इसके बावजूद, पारंपरिक खेती के चलते किसानों की उत्पादकता और आय सीमित है। उन्होंने कहा कि समय के साथ किसानों को आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों को अपनाना होगा ताकि खेती अधिक लाभकारी बन सके। मंत्री ने राज्य सरकार की कृषि, मत्स्य पालन, बागवानी, डेयरी और पशुपालन से जुड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित है। उन्होंने बताया कि झारखंड मिल्क फेडरेशन की मेधा डेयरी के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सकता है। इसके साथ ही, उन्होंने किसानों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

कृषि मंत्री व अन्य

किसानों के लिए मार्गदर्शिका और परिसंपत्तियों का वितरण: इस कार्यक्रम में किसान समृद्धि योजना मार्गदर्शिका का विमोचन किया गया, जिसमें आधुनिक खेती की तकनीकों और जानकारियों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर 142 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इनमें सोलर पंप, मत्स्य पालन उपकरण और कृषि यंत्र शामिल थे। खाद्य एवं पोषण सुरक्षा दलहन योजना और केसीसी योजना के तहत भी किसानों को लाभान्वित किया गया।

मंत्री ने कृषि अनुसंधान केंद्र का किया दौरा : इससे पूर्व, कृषि मंत्री ने डेमोटांड़ स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र का दौरा किया। उपायुक्त नैंसी सहाय ने उनका स्वागत किया और अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। मंत्री ने केंद्र में फसलों, सब्जियों और स्ट्रॉबेरी की खेती का निरीक्षण किया। उन्होंने मछली पालन की परियोजनाओं का अवलोकन कर इसे किसानों की आय का एक प्रमुख स्त्रोत बताया।

स्थानीय नेताओं और अधिकारियों का योगदान: कार्यक्रम में बरही विधायक मनोज यादव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से किसानों को नई तकनीक और आधुनिक कृषि की जानकारी मिलती है। उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ-साथ बहुआयामी खेती को अपनाने का आग्रह किया। वहीं, उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने किसानों को जागरूक और सक्रिय रहकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की सलाह दी।

कृषकों की बढ़ती भागीदारी से सफलता की उम्मीद : कृषि मंत्री ने किसानों की भारी भागीदारी पर खुशी जताई और कहा कि झारखंड में खेती-बाड़ी के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे इस मेले में लगे स्टालों से योजनाओं और तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें और अपनी खेती को उन्नत बनाएं। इस कार्यक्रम ने किसानों को जागरूक करने और उन्हें कृषि के प्रति नए दृष्टिकोण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह मेला झारखंड के किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।

एक नजर में

टाटीझरिया में 18 फरवरी को रोजगार मेला, युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

टाटीझरिया। रोजगार की तलाश में जुटे शिक्षित युवाओं के लिए खुशखबरी है। टाटीझरिया प्रखंड मुख्यालय में 18 फरवरी 2025, मंगलवार को सीएलएफ कार्यालय के पास रोजगार मेला सह मोबिलाइजेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के तहत आयोजित किया जा रहा है। शिविर में 18 से 35 वर्ष के बेरोजगार युवक-युवतियां, जो प्रखंड के झरपो, भराजो, खैरा, डहरभंगा, डूमर, धरमपुर, बेड़म, और टाटीझरिया पंचायतों से आते हैं, हिस्सा ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को इस शिविर में रजिस्ट्रेशन करवाना होगा, जिसके बाद उन्हें कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने पर 100% रोजगार की गारंटी दी जाएगी।

रोजगार के क्षेत्र और अवसर : शिविर में राधा गोविंद शैफफोर्ड, सीपीआईटी, कॉटन ब्लूजोन, शाही एक्सपोर्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। युवाओं को नर्सिंग, सिलाई मशीन ऑपरेटर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर ऑपरेटर, मोबाइल रिपेयरिंग जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। इस शिविर के माध्यम से स्थानीय युवाओं को उनके कौशल के आधार पर प्रशिक्षण और रोजगार का सुनहरा मौका मिलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए जेएसएलपीएस विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

युवाओं के लिए सुनहरा मौका : शिविर का उद्देश्य युवाओं को न केवल रोजगार उपलब्ध कराना है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भी है। यह शिविर टाटीझरिया और आसपास के युवाओं के लिए एक बेहतरीन अवसर है। आयोजन में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी से रोजगार और प्रशिक्षण का लाभ उठाने की अपील की गई है। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की ओर यह पहल प्रखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

विज्ञान प्रदर्शनी का विधायक ने किया शुभारंभ, बच्चों की प्रतिभा की सराहना

अमित यादव व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के कपका स्थित पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक अमित कुमार यादव ने दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर किया। इस अवसर पर विधायक ने बच्चों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान मॉडलों का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मकता व वैज्ञानिक सोच की प्रशंसा की। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों की प्रतिभा और उनकी कल्पनाओं को साकार करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस आयोजन ने साबित किया है कि जब बच्चों को अवसर दिया जाता है, तो वे अद्भुत कौशल और नवाचार का प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी छात्रों की क्रिएटिविटी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है, जिससे उनके भविष्य को आकार देने में मदद मिलेगी। उन्होंने विद्यालय के निदेशक सत्येंद्र प्रसाद और शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल बच्चों के ज्ञान का विस्तार करते हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और प्रेरणा भी प्रदान करते हैं।

प्रदर्शनी में बच्चों ने किया अद्भुत प्रदर्शन : विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों और प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया, जिनमें ऊर्जा संरक्षण, जल प्रबंधन, सौर ऊर्जा, और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर आधारित मॉडल शामिल थे। विधायक ने बच्चों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ये प्रयास न केवल शिक्षाप्रद हैं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणादायक भी हैं। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज का योगदान सराहनीय है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और स्थानीय गणमान्य लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चों को प्रायोगिक शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ना था, जो सफल रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने विधायक और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। यह विज्ञान प्रदर्शनी क्षेत्र के बच्चों को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा दिखाने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रही है।

पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट को सर्वश्रेष्ठ कोल माइनिंग पुरस्कार

एनटीपीसी ने रचा नया इतिहास

पुरस्कार ग्रहण करते अधिकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

बड़कागांव। भारतीय पावर स्टेशन्स ऑपरेशंस एंड मेंटेनेंस कॉन्फ्रेंस (आईपीएस 2025) में एनएमएल पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट ने सर्वश्रेष्ठ कोल माइनिंग (ऑपरेशनल) श्रेणी में प्रतिष्ठित स्वर्ण शक्ति पुरस्कार 2023-24 जीतकर गौरव हासिल किया। यह पुरस्कार एनटीपीसी लिमिटेड की कोल माइनिंग यूनिट को खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और श्रेष्ठ परिचालन के लिए प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में यह पुरस्कार क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (कोल माइनिंग) श्री अनिमेष जैन और पकरी बरवाडीह के परियोजना प्रमुख श्री फैज तैय्यब ने ग्रहण किया। पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट का यह सम्मान न केवल इसकी परिचालन उत्कृष्टता को प्रमाणित करता है, बल्कि एनटीपीसी के ऊर्जा उत्पादन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करता है।

आईपीएस 2025: नवाचार और ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित : एनटीपीसी द्वारा 13 से 15 फरवरी तक रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय आईपीएस 2025 सम्मेलन का मुख्य विषय ₹विश्वसनीय और स्थायी उत्पादन, संपत्ति प्रबंधन और ऊर्जा संक्रमण₹ रहा। इस आयोजन को एनटीपीसी सिंगरौली की पहली यूनिट के सफल समन्वयन की स्मृति में आयोजित किया गया।

तकनीकी नवाचारों की प्रदर्शनी : सम्मेलन के दौरान टेक्नो गैलेक्सी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटलीकरण और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शनी आधुनिक ऊर्जा उत्पादन तकनीकों और खनन प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी के समावेश को उजागर करती है। एनटीपीसी लिमिटेड, भारत की सबसे बड़ी एकीकृत पावर यूटिलिटी, ने इस उपलब्धि से न केवल अपनी क्षमता और नवाचार का प्रदर्शन किया, बल्कि कोल माइनिंग क्षेत्र में अपनी नेतृत्वकारी स्थिति को भी सुदृढ़ किया है। पकरी बरवाडीह का यह पुरस्कार भविष्य में खनन और ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

दारु में नाबालिग बच्चियों के साथ दुराचार!

एसडीपीओ ने दिया सख्त कार्रवाई का आश्वासन

दारु। दारु थाना क्षेत्र में तीन नाबालिग बच्चियों के साथ हुए दुराचार और उत्पीड़न की घटना ने मानवता को झकझोर दिया है। इस शर्मनाक घटना की कड़ी निंदा करते हुए एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद ने कहा कि ट्यूशन की आड़ में इस प्रकार का कृत्य घोर निंदनीय है। दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, और किसी भी हालत में उसे बख्शा नहीं जाएगा।

सीएसआर के तहत जिला प्रशासन को उपलब्ध कराया गया एम्बुलेंस

रामगढ़। वेंकटेश आयरन कंपनी द्वारा शनिवार को जिला प्रशासन रामगढ़ को सीएसआर के तहत एक एंबुलेंस उपलब्ध कराया गया। मौके पर उपायुक्त चंदन कुमार ने वेंकटेश आयरन द्वारा उपलब्ध कराए गए एंबुलेंस वाहन की सराहना करते हुए कहा कि सीएसआर के तहत प्राप्त एंबुलेंस को झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय दुलमी में उपयोग किया जाएगा।

पीवीयूएन प्रायोजित एसी पंप प्रशिक्षण शिविर संपन्न

भुरकुंडा (रामगढ़)। रांची के सरकारी टूल रूम में पीवीयूएन द्वारा प्रायोजित एसी एवं वाटर पंप मरम्मत व रख-रखाव प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार को संपन्न हो गया। इस दो महीने के प्रशिक्षण में स्थानीय गांवों के 30 युवाओं ने भाग लिया और अपने कौशल का विकास के गुर सिखे। समारोह में सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिससे उन्हें स्वरोजगार के साथ-साथ बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना और उनके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। पीवीयूएन के एचओएचआर जियाउर रहमान ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें अपने सीखे हुए कौशल का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

सांसद मनीष जायसवाल ने शहीद कैप्टन करमजीत के परिजनों से की मुलाकात

परिजनों से मिलते सांसद

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में हुए आईडी ब्लास्ट में शहीद हुए हजारीबाग के वीर सपूत कैप्टेन करमजीत सिंह बक्शी के परिवार से मिलने हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल शनिवार को उनके जुलु पार्क स्थित आवास पहुंचे।

उन्होंने शहीद के आत्मा की शांति के लिए चल रहे सुखमणि साहेब के पाठ में भाग लिया और उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सांसद ने शहीद के माता-पिता, बहन और अन्य परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, कैप्टेन करमजीत ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनकी शहादत हमें गर्वित करती है और यह युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। सांसद ने इस दुखद घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार से मिलकर शहीद के नाम पर किसी सड़क या चौक का नामकरण कराने और उनकी बहन को सरकारी नौकरी देने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा, इस बलिदान का कोई मोल नहीं, लेकिन जो हम कर सकते हैं, वह जरूर करेंगे। इस मौके पर सांसद के साथ कई प्रतिनिधि, भाजपा नेता, और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे, जिन्होंने परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की।

हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में जटिल रीढ़ की हड्डी का सफल ऑपरेशन

मरीज को मिला नया जीवन, सांसद मनीष जायसवाल ने डॉक्टरों का बढ़ाया मनोबल

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक असाधारण उपलब्धि हासिल की गई, जब ऑर्थोपेडिक विभाग की टीम ने सीमित संसाधनों के बीच जटिल रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन कर सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मरीज नरेश भुइयां को जीवनदान दिया।

चतरा जिले के जयपुर गांव निवासी 34 वर्षीय नरेश की रीढ़ की हड्डी टूट जाने से वे चलने-फिरने में असमर्थ हो गए थे। लेकिन डॉ. शशिकांत सिंह और डॉ. संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में करीब ढाई घंटे चले इस ऑपरेशन ने उनकी हालत में चमत्कारिक सुधार किया। ऑपरेशन के दौरान मरीज की रीढ़ में 8 पैडिकल स्क्रू और 2 रॉड लगाई गईं। यह जटिल प्रक्रिया आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क हुई, जो मरीज और उनके परिवार के लिए राहत की बड़ी खबर थी। डॉक्टरों का कहना है कि समय पर यह सर्जरी नहीं होती तो मरीज को पैरालाइसिस का सामना करना पड़ सकता था। इस उपलब्धि से प्रभावित होकर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने अस्पताल का दौरा कर ऑपरेशन में शामिल डॉक्टरों और सहयोगी टीम को शॉल और पुष्प देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता सरकारी अस्पतालों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने अस्पताल में चुनिंदा डॉक्टरों की क्षमता और समर्पण की सराहना करते हुए इसे गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए नई उम्मीद बताया। सांसद ने कहा कि अमूमन ऐसे ऑपरेशन बड़े शहरों के निजी अस्पतालों में लाखों रुपये खर्च करके किए जाते हैं, लेकिन हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में यह सर्जरी सरकारी सुविधा में होना बड़ी उपलब्धि है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि यहाँ सब कुछ दुरुस्त है। अस्पताल में अभी भी कई कमियां हैं, जिन्हें दूर करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है।

सम्मानित करते हजारीबाग सांसद

अस्पताल में हर दिन 1000 से अधिक मरीजों की उपस्थिति यह साबित करती है कि लोगों का इस संस्थान पर भरोसा कायम है। इसे बनाए रखना और सुधार लाना प्रबंधन की प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ जो अच्छा काम हुआ है उसकी प्रशंसा भी जरुरी है। इस मौके पर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. अजय कुमार सिंह, सांसद के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। सांसद मनीष जायसवाल ने अस्पताल की बेहतरी के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि ऐसे कार्यों से समाज को प्रेरणा मिलती है और सरकारी संस्थानों की उपयोगिता का प्रमाण मिलता है।

आस्था के महासंगम में फिल्मी सितारों की डुबकी

बालीवुड से लेकर भोजपुरी और दक्षिण के अभिनेता पहुंचे महाकुंभ

ज्यादातर फिल्मी लोग अपनी पहचान बताए बिना महाकुंभ में आए और गंगा नहाए। हेमा मालिनी और रवि किशन जैसे लोगों के आसपास जरूर सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। जबकि, दक्षिण के कई बड़े सितारे ऐसे भी आए जो सामान्य व्यक्ति की तरह महाकुंभ में पहुंचे। इस इलाके के एक नामी खलनायक ने तो अपनी पहचान जाहिर करने पर नाखुशी तक जाहिर की। महाकुंभ में हस्तियों को लेकर कुछ अलग प्रसंग भी हुए, उनमें 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी, माला बेचने वाली मोनालिसा और आईआईटीयन संत भी हैं। ममता कुलकर्णी ने महाकुंभ 2025 के दौरान किन्नर अखाड़ा में शामिल होकर संन्यास ग्रहण किया। उनके इस फैसले को जमकर प्रचार मिला। लेकिन, संतों के विरोध के कारण बाद में उन्हें महामंडलेश्वर पद से हटा दिया गया।

सितारों ने आस्था व्यक्त की

हिंदी और भोजपुरी के मशहूर एक्टर और सांसद रवि किशन भी संगम में डुबकी लगाने महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे डुबकी लगाते और पूजा करते दिखे। वीडियो पोस्ट करते हुए रवि किशन ने अपनी भावना जाहिर की- तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में संगम में स्नान के पश्चात पूजा किया। देश की आस्था, संस्कृति की प्रतीक पवित्र गंगा और यमुना को निर्मल और अविरल करने का कार्य पूरा हो, इसकी प्रार्थना की!" जाने-माने एक्टर अनुपम खेर ने भी महाकुंभ में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पवित्र स्नान किया। फिल्म कोरियोग्राफर एंड डायरेक्टर रेमो डिसूजा भी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे, फैंस से अपना चेहरा छुपाकर स्नान किया व बाद में सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया।

डुबकी और फिल्म का प्रचार : अभिनेत्री नीना गुप्ता और संजय मिश्रा भी महाकुंभ में पहुंचे। दोनों ही कलाकारों ने मेले का भ्रमण किया और संगम में डुबकी के साथ गंगा को नमन किया। दोनों ही कलाकार अपनी अगली फिल्म वध-2 के प्रचार के लिए भी प्रयागराज पहुंचे। नीना गुप्ता ने कहा कि मां गंगा के पवित्र जल में स्नान का अवसर एक आध्यात्मिक यात्रा जैसा अहसास था। संजय मिश्रा की भावना थी कि आस्था का सागर देखना इतना सुखद है कि शब्दों में बयान करना मुश्किल है।

समागम में शामिल होने पर ईश्वर के प्रति जताया आभार

फिल्म अभिनेता राजकुमार राव ने पत्नी पत्रलेखा के साथ पवित्र समागम का हिस्सा बनने के लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया। वे महाकुंभ की हवाओं में बिखरे आध्यात्मिक भावों और लाखों-करोड़ों लोगों को कुंभ स्नान करते देखकर अभिभूत दिखे। "मैंने प्यार किया" से धूम मचाने वाली एक्ट्रेस भाग्यश्री अपने बच्चों अवंतिका और अभिमन्यु दासानी के साथ प्रयागराज पहुंचीं और सोशल मीडिया पर वहां की झलकियां शेयर कीं। प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने भी भक्तों से अपने पवित्र स्नान को आध्यात्मिक ज्ञान के साथ पूरक करने का आग्रह किया।

डुबकी लगाई और सोशल मीडिया पर दिखाई दिए

कलाकार मिलिंद सोमन भी पत्नी अंकिता कोंवर के साथ प्रयागराज आए। इस जोड़े ने मौनी अमावस्या के शाही स्नान वाले दिन संगम में डुबकी लगाई व भक्ति में डूबे दिखे। दोनों ने अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। फिल्मों की ड्रीम गर्ल और सांसद हेमा मालिनी भी मौनी अमावस्या के मौके पर महाकुंभ पहुंचीं। इस दौरान उनके संग बाबा रामदेव भी नजर आए। अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने भी महाकुंभ मेले में शिरकत की। उन्होंने संगम पर स्नान किया और सोशल मीडिया पर अपनी फोटो शेयर की। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी भी महाकुंभ में स्नान के लिए पहुंची। अदाकारा ईशा गुप्ता भी संगम में डुबकी लगाते हुए नजर आई। फिल्म "जन्नत" में नजर आई एक्ट्रेस सोनल चौहान ने भी त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। अभिनेत्री पूनम पांडे भी महाकुंभ में दिखाई दी। संगम में स्नान करते हुए कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा "महाकुंभ" जीवन को करीब से देखना, जहां 70 साल का बुजुर्ग घंटों नंगे पैर चलता है, जहां आस्था की कोई सीमा नहीं होती। यहां की भक्ति ने मुझे निःशब्द कर दिया।" फिल्म इंडस्ट्री के कई स्टार्स अब तक महाकुंभ मेले में पहुंचकर संगम में स्नान कर चुके हैं। इनमें उपरोक्त के अलावा सिंगर गुरु रंधावा, केजीएफ एक्ट्रेस श्रीनिधि शेट्टी, फिल्ममेकर एकता कपूर समेत तमाम फिल्मी सितारे महाकुंभ में भाग ले चुके हैं। वहीं इससे पहले फेमस इंटरनेशनल रॉक बैंड कोल्ड प्ले के सिंगर क्रिस मार्टिन व एक्ट्रेस डकोटा जॉनसन ने भी महाकुंभ में स्नान किया था।

महाकुंभ में चर्चित हस्तियां

मॉडल हर्षा रिछारिया, माला बेचने वाली कत्थई आंखों वाली मोनालिसा, आईआईटीयन बाबा और पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी इस महाकुंभ के कुछ ऐसे पात्र हैं, जो कई दिनों तक चर्चा में बने रहे। सबसे ज्यादा माहौल बना ममता कुलकर्णी का जो 90 के दशक की लोकप्रिय हीरोइन थी। अपने बोल्ड लुक और सुंदरता के लिए लोकप्रिय ममता करीब 19 साल पहले गायब हो गई थी। इनका नाम अंडरवर्ल्ड से लेकर ड्रग्स माफिया और कई गुंडों तक से जुड़ता रहा। अचानक ममता कुलकर्णी इस महाकुंभ में अवतरित हुई और किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बन गई। संगम तट पर पिंडदान किया और उन्हें नाम मिला यामाई ममता नंद गिरि। लेकिन, सप्ताहभर में ही उनकी सारी कीर्ति ध्वस्त हो गई जब साधु-संतों के विरोध के बाद उन्हें महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया गया।

ऐसी ही लोकप्रियता एक माला बेचने वाली लड़की मोनालिसा को उसकी कत्थई आंखों और सुंदरता के कारण मिली। महाकुंभ में वे इतनी चर्चित हो गईं कि उसे परिवार ने वापस अपने मध्यप्रदेश के गांव भेज दिया। लेकिन, उसकी सुंदरता ने फिल्म इंडस्ट्री को बेहद प्रभावित किया व एक फिल्म की हीरोइन बना दिया गया। फिलहाल वे मुंबई में एक्टिंग की ट्रेनिंग के साथ अपने मेकओवर में लगी हैं। इनके अलावा मॉडल हर्षा रिछारिया और आईआईटीयन बाबा भी कुछ दिन खबरों में छाए रहे, समय के साथ ये सभी हाशिए पर चले गए। पर, आस्था व धार्मिक चेतना जगाने वाला महाकुंभ मेला जारी है।

कैमरे की नजर में

फोटो न्यूजः समीर

महाप्रयाग कुंभ जाने वाले यात्रियों की संख्या 50 करोड़ पार, भीड़ से रेलगाड़ियों में कशमकश जारी।

माता सीता को क्यों कहा जाता है रावण की बेटी?

मां लक्ष्मी का अवतार मानी जाने वाली माता सीता के जन्म को लेकर कई कहानियां और रोचक कथाएं प्रचलित है। देवी सीता के माता पिता सुनयना और राजा जनक हैं। हालांकि उन्हें माता का पालक माता-पिता कहा जाता है।कई कहानियों में देवी सीता को रावण की पुत्री भी कहा जाता है। रामायण के अनुसार, माता सीता का जन्म धरती से हुआ था। उनका पालन पोषण राजा जनक ने किया इसलिए उन्हें जनक पुत्री भी कहा जाता। अद्भुत रामायण के अनुसार माता सीता रावण और मंदोदरी की पुत्री थी। वाल्मिकी जी द्वारा लिखित अद्भुत रामायण के अनुसार, दण्डकारण्य में गृत्स्मद नामक एक ब्राह्मण मां लक्ष्मी को पुत्री के रूप में प्राप्त करना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने खूब तपस्या भी की।

ब्राह्मण रोजाना एक कलश में कुश के अग्र भाग से मंत्रोच्चारण करते हुए दूध की बूंदें उसमें डालते थे। इस समय देवताओं व राक्षसों के बीच धमासान युद्ध भी चल रहा था। तब लंकापति रावण कलश को लेकर लंका गया और पत्नी मंदोदरी से इसे संभालने के लिए कहा। जब मंदोदरी ने कलश के बारे में पूछा तो रावण ने सब कुछ बता दिया। इसके बाद रावण सह्याद्रि पर्वत पर विहार करने के लिए चले गए। मंदोदरी ने नाराज होकर कलश में रखा दूध पी लिया, जिससे वह गर्भवती हो गई।

मंदोदरी ने परेशान होकर उस भ्रूण को निकाला और एक घड़े में बंद करके मिट्टी में दबा दिया। यह किसी को पता न चले इसलिए मंदोदरी छिपते हुए कलश को मिथिला भूमि में छोड़ आई। इस तरह माता सीता को रावण की पुत्री बताया जाता है।

बिना पूछे आइडिया देने की बदलें आदत

शिखर चन्द जैन

सही जगह और वक्त पर इस्तेमाल करें आइडियाज। कार्यस्थल पर बिना मांगे बात-बात में अपनी राय देने की आदत बॉस या सह-कर्मियों को नागवार गुजर सकती है। दरअसल, आइडिया थोपने की आदत लोगों के मन से उतरने, हंसी का पात्र बनने व मुसीबत की वजह बन सकती है। ऐसे में बेहतर है कि सलाह का सही जगह इस्तेमाल करें।

आकाश अपने ऑफिस के तेजतर्रार और स्मार्ट मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव्स की सूची में शामिल है। वैसे तो उसके काम से बॉस खुश हैं लेकिन उसकी एक आदत से सब परेशान हैं, वह बिना पूछे बात-बात में अपनी राय देने लगता है। जहां ऑफिस के चार लोग बैठ कर बात कर रहे हों वहीं पहुंचकर वह अपने विचार सब पर थोपने लगता है। बॉस के साथ मीटिंग होती है, तब भी सबसे ज्यादा आवाज आकाश की ही आती है। मानो मीटिंग में मौजूद दूसरे लोगों के कोई विचार या अनुभव ही ना हों। किसी की यह आदत भले ही उसके खुद के या कुछ लोगों के लिए सुकून या गर्व की बात हो, पर ज्यादातर लोगों के लिए यह कोफ्त का सबब बन जाती है। इससे आपको किसी बड़ी मुसीबत में भी फंसना पड़ सकता है। अगर किसी को बिना पूछे अपने विचार थोपने की आदत है, तो लोगों के मन से उतरने व मुसीबत में पड़ने से पहले उसे बदल डालना ही बेहतर है।

जानें दूसरों का नजरिया : माना कि वरिष्ठ लोगों या बॉस का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए उन्हें अपनी प्रतिभा और बुद्धिमानी के बारे में बताना जरूरी है लेकिन इसके लिए पहले उनकी बात सुनना और चीजों को उनके नजरिए से देखना भी जरूरी है। चीजों और परिस्थितियों को दूसरे के नजरिए से न देखकर सिर्फ अपना ही आइडिया हर जगह थोपना असफलता का भी सबब बन सकता है।

इससे आपकी सोच का दायरा नहीं बढ़ पाता क्योंकि आप दूसरों की सुनते ही नहीं, अपने ही विचार सबको बताते हैं। जाहिर है, ऐसे में लोग आपको अपने विचार बताना बंद कर देते हैं। इससे आप नई

चीजों और विचारों से वंचित रह जाते हैं। ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार गैरी बर्टन कहते हैं, " मैं ऐसे निपुण संगीतकारों को जानता हूं जो दूसरों के नजरिए से देखने में सक्षम नहीं थे। जिस कारण वे अधिक सफल नहीं हो पाए।

सामंजस्य बनाना है कारगर : अगर आप सफल होना चाहते हैं तो जिन लोगों के साथ आप रत्ती भर भी सहमत नहीं, कई बार अपनी सहनशीलता की सीमाएं विकसित कर, उनके नजरिए से देखना पड़ता है और उनकी जगह खड़े रहकर सोचना पड़ता है। आप मार्केटिंग में हों, सेवाप्रदाता हों या जन सम्पर्क से संबंधित किसी दूसरे क्षेत्र में, आपको अपने ग्राहक के नजरिए से देखना पड़ता है। आपको ग्राहक के विचारों से सामंजस्य बिठाकर काम करना पड़ता है यहां आपका आइडिया ग्राहक के लिए रत्ती भर भी महत्व नहीं रखता।

अगर आप ग्राहक की बात सुनने की बजाय उसे अपने आइडिया देने लगेंगे तो वह अगली बार आपसे बात तक करना पसंद नहीं करेगा।

हेनरी फोर्ड ने कहा है, "यदि सफलता का कोई रहस्य है, तो वो है दूसरे के दृष्टिकोण को समझने और उसके तथा अपने नजरिए से चीजों को देखने की क्षमता है।" एक बड़े मॉल के मालिक का कहना है, आपको क्या आइडिया है, यह ज्यादा महत्व नहीं रखता, आप जिसके लिए काम कर रहे हैं उनके विचार ज्यादा महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आपको अपनी सेवाएं उनको संतुष्ट करने के लिए देनी हैं।

सही जगह करें इस्तेमाल : अगर आप में नए विचारों का सृजन करने की क्षमता है, तो इस प्रतिभा या क्षमता का सही इस्तेमाल करें। उनका प्रयोग आपको जो काम सौंपा जाता है उसे बेहतर ढंग से सम्पन्न करने में करें। अपने आइडिया लोगों को तभी बताएं जब आपसे पूछा जाए। वरना आपको लोग दाल भात में मूसलचन्द, "बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना" और "पकाऊ" जैसे उपनामों से नवाजने लगेंगे।

जरा सोचिए कोई आपको बिना पूछे बताने लगे कि आपको अपनी पत्नी से कैसे पेश आना चाहिए, कपड़े कहां से खरीदने चाहिए, अपने बच्चों को किस स्कूल में पढ़ाना चाहिए या किस डॉक्टर से इलाज कराना चाहिए, तो आपको कैसे लगेगा? ठीक वैसा ही लोगों को लगता है, जब आप बिना पूछे उन्हें आइडिया देने पहुंच जाते हैं। बेहतर तो यह होगा कि अपनी इस अनूठी क्षमता को आप अपना कैरियर या बिजनेस संवारने में खपाएं। अगर जॉब करते हैं तो कोई पार्ट टाइम काम करें ताकि घर में दो पैसे की आमदनी हो और आइडिया भी सही जगह खप जाए।

स्वभाषा के बिना हमारी संस्कृति निष्प्राण

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है। यूरोप की सभ्यता पर यूनानी प्रभाव है। यूनान जर्मनी से पहले सभ्य हुआ। भारत यूनान से पहले। यूनानी दर्शन ईसा के 500-600 वर्ष पहले शुरू हुआ। इसके सैकड़ों बरस पहले भारत का वैदिक दर्शन प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था। यूनानी सभ्यता की विकास भूमि क्रीट द्वीप है। क्रीट की कला के विश्लेषक रैनोल्ड हिगिंस के अनुसार ईसा के 2800 बरस पहले लघु एशिया के प्रवासी वहां सभ्यता ले गए। क्रीट के क्रोसोस नगर के प्रथम शासक मिनोस के नाम पर इसे "मिनोअन सभ्यता" कहा गया। मिकनी नगर यूनानी सभ्यता का केन्द्र बना। यह सभ्यता मखदूनिया, साइप्रस और इटली तक फैली। मिस्त्र से निकाले गए हुक्सोस मिकनी के शासक थे। टायनबी ने इन्हें आर्य व हिगिंस ने इन्हें भारतीय कहा। भाषा वैज्ञानिक वामपंथी विद्वान डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया कि, ""आर्य भाषा बोलने वाले भारतीय मिनोअन-मिकीनियन राज्यों के संस्थापक थे।"" यूनानी सभ्यता, संस्कृति और दर्शन का विकास भारतीय सम्बंधों से हुआ।

ऋग्वेद के मनु, मिस्त्र के प्रथम राजा मेनस और यूनान (क्रीट) के प्रथम शासक मिनोस भाषा की दृष्टि से संस्कृत के और संस्कृति की दृष्टि से भारतीय तत्व हैं। इंग्लैंड की सभ्यता यूनान से प्रेरित है। उन्होंने लैटिन, ग्रीक, मिस्त्र से संस्कृति और सभ्यता के तत्व पाए। भारतीय संपर्क से उन्हें पुष्ट किया। अंग्रेजी स्वयं में व्यवस्थित भाषा नहीं है। संस्कृत के तमाम शब्द अंग्रेजी में हैं। संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने "इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश" में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई।

भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी "ऐबिस" सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। ऋग्वेद पुराना है, जाहिर है कि संस्कृत ही सबसे पहले सृष्टि के आदि तत्व "जल" की बोली बनी। विलियम जोन्स ने कहा कि, ""संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद् इनका एक ही स्त्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।"" संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन विश्लेषण संभव नहीं।

भारत सांस्कृतिक तत्वों का भी निर्यातक था। पश्चिम एशिया में रूद्र-शिव की उपासना थी। गूर्ने ने "दि हिटटाइटस" (पृष्ठ 134) में बताया कि वे हित्तियों के विशेष देवता थे, उनके अनेक रूप थे। सीरिया के शिल्प में वह परशु चलाते हुए बिजली कौंधने के प्रतीक हैं। यूनानी (मिनोअन) संस्कृति में भी परशु खास प्रतीक हैं। इबान्स के मुताबिक यह परशु मिनोअन देवी और उसके पुरुष देवता का चिन्ह था। इसी परशु का उल्लेख ऋग्वेद में है। पश्चिमी भारत से दक्षिणी यूरोप, फिर उत्तरी यूरोप होते हुए परशु नाम का देव प्रतीक इंग्लैंड तक पहुंचा। अंग्रेजी विद्वान सम्भवतः नहीं मानते कि रुद्र का शिवत्व प्रागैतिहासिक काल में भी है। ऋग्वेद में वे अरुण-रूद्र हैं। वे जटाधारी भी हैं। यजुर्वेद में वे नमः शम्भवाय-नमः शिवाय भी हैं। जैसे सीरिया में वे बिजली कौंधने के प्रतीक हैं वैसे ही उसके बहुत पहले ऋग्वेद (7.46.3) में वे आकाश से बिजली गिराते हैं। यहां उनसे अमृत्व की महामृत्युंजय स्तुति (7.59.12) है।

सभ्यता, संस्कृति, देवतंत्र, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है। यूरोपीय विद्वान एच.एस. मेन ने लिखा था, ""बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी।

विलियम हंटर ने लिखा था कि, ""पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था।""

सारा ज्ञान विज्ञान, संस्कृति दर्शन संस्कृत में है, हिन्दी में भी है। बावजूद इसके अंग्रेजी पर जोर है, अंग्रेजी का शोर है। सवाल यह है कि जो संस्कृत और हिन्दी काव्य, साहित्य, दर्शन, विज्ञान, प्रीति और प्रेम की सहज अभिव्यक्ति है, वही विज्ञान और व्यापार की सशक्त भाषा क्यों नहीं है?

भारत प्राचीनतम व अद्वितीय राष्ट्र है। मैक्समूलर ने लिखा, ""भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचार मात्र पर पालित-पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक, दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं।"" भारतीय संस्कृति दर्शन की ऐसी प्रतिष्ठा पर गर्व करना चाहिए।

स्वाधीनता संग्राम की भाषा मातृभाषा हिंदी थी लेकिन नए प्रभुवर्ग अंग्रेजी को वरीयता देते रहे हैं। गांधीजी ने कहा था, ""अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं।"" (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिंदी है। बावजूद इसके अंग्रेजी का मोह बढ़ा, अंग्रेजी स्कूल बढ़े, अंग्रेजी प्रभुवर्ग की भाषा बनी। हिंदी का अंग्रेजीकरण भी हुआ। टीवी सिनेमा ने नई "संकर भाषा" को गले लगाया। हिंदी सौंदर्य और कला में व्यक्त करने का माध्यम थी-है। अंग्रेजीकृत हिंदी-हिंगलिश-मिश्रित बोली ने भारतीय सौंदर्यबोध को विकृत किया। अंग्रेजी मिश्रित हिंदी शैंपू और दाद खाज की दवा बेचने का माध्यम हो सकती है लेकिन सृजन और संवाद की भाषा नहीं हो सकती। स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण होती है।

लॉर्ड मैकाले ने ब्रिटिश संसद में कहा था, ""उच्चतर जीवन मूल्य और उत्कृष्ट क्षमताओं को देखते हुए भारतीयों पर तब तक विजय प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक वहां की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती। इसलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति, संस्कृति को विस्थापित करें कि भारतवासी विदेशी और अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझते हुए स्वसंस्कृति और स्वाभिमान खोकर हमारी इच्छा अनुरूप शासित राष्ट्र हो जाएं।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

यह बिल्डिंग जमशेदपुर के जुबिली पार्क के पश्चिम छोर पर अवस्थित है, जिसे रुसी मोदी सेंटर फॉर एक्सीलेंस के रूप में जाना जाता है। यहां देश का पहला कारपोरेट घराना संग्रहालय स्थित है। यहां की आर्ट गैलरी एवं आधुनिक सभागार और मखमली घास वाला लॉन तो है ही, इसकी स्थापत्य कला भी देखने योग्य है।

सूर्यधाम में 22 से 28 तक दोपहर तीन बजे से श्रीराम कथा

- श्रीधाम वृंदावन से पधार रहे कथा व्यास आचार्य श्री राजेंद्र जी महाराज
- 21 फरवरी को शोभायात्रा सह नगर भ्रमण व 1 मार्च को विशाल महाभंडारा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर इस वर्ष फिर से भक्ति और श्रद्धा की दिव्य धारा में डुबकी लगाने को तैयार है। सूर्य मंदिर समिति, सिदगोड़ा के तत्वावधान में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर स्थापना की पंचम वर्षगांठ पर 21 फरवरी से 1 मार्च तक भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। मौके पर संगीतमय श्रीराम कथा, शोभायात्रा, विशेष पूजन-हवन समेत कई अनुष्ठान संपन्न होंगे। आयोजन की सफलता के लिए सूर्य मंदिर समिति ने शहर के एक लाख घरों तक आमंत्रण पत्र भेजने का लक्ष्य रखा है और श्रद्धालुओं से राम काज हेतु 10 रुपये का सहयोग देने का आह्वान किया है।

शनिवार को साकची स्थित होटल दयाल इंटरनेशनल में आयोजित प्रेस वार्ता में सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह एवं पदाधिकारियों ने आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की। चंद्रगुप्त सिंह ने बताया कि सूर्य मंदिर जनभागीदारी और जनसहयोग से एक भव्य स्वरूप में स्थापित हुआ है। आज यह झारखंड के एक सुंदर, रमणीक और दार्शनिक स्थल के रूप में लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इसी श्रद्धा और भक्ति को और अधिक प्रगाढ़ करने के लिए इस वर्ष भी श्रीराम कथा का दिव्य आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इस दौरान सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, मीडिया प्रभारी प्रेम झा एवं प्रमोद मिश्रा मौजूद रहे।

श्रीराम कथा की जानकारी देते सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह। साथ में बायें से प्रेम, चंद्रगुप्त सिंह व प्रमोद मिश्रा।

21 फरवरी: भव्य शोभायात्रा से होगा शुभारंभ- चंद्रगुप्त सिंह ने बताया कि आयोजन की शुरूआत 21 फरवरी को होगी, जिसमें दोपहर 3 बजे सुगना कॉलोनी, बारीडीह मंदिर से भव्य शोभायात्रा सह नगर भ्रमण निकलेगा। यह शोभायात्रा नगर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए सूर्यधाम पहुंचेगी। शोभायात्रा के माध्यम से प्रभु श्रीराम की भव्य महिमा का प्रचार-प्रसार होगा और शहरवासियों को इसमें अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने का आग्रह किया गया है। इसके लिए मंदिर समिति के सदस्य शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रहे हैं। सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह ने शहरवासियों से अपील की है कि वे 21 फरवरी को भव्य शोभायात्रा एवं 7 दिवसीय श्रीराम कथा में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर इस धार्मिक आयोजन को ऐतिहासिक बनायें।

सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि 22 फरवरी से 28 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से संध्या 7:30 बजे तक श्रीराम कथा का आयोजन होगा। इस कथा का वाचन वृंदावन धाम से पधार रहे प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य राजेंद्र जी महाराज करेंगे। वे श्रीरामचरितमानस की संगीतमय कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों से जोड़ेंगे। अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि राम मंदिर की पंचम वर्षगांठ के पावन अवसर पर विशेष पूजन, हवन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये जायेंगे।

किस दिन कौन से आयोजन

- 21 फरवरी- भव्य शोभायात्रा सह नगर भ्रमण, संगीतमय श्री रामकथा का शुभारंभ
- 22 फरवरी- श्री राम कथा महिमा।
- 23 फरवरी-श्री शिव-पार्वती शुभ विवाह।
- 24 फरवरी- श्री राम जन्मोत्सव।
- 25 फरवरी- श्री बाल लीला।
- 26 फरवरी- श्री सीताराम विवाहोत्सव।
- 27 फरवरी- केवट प्रसंग एवं भरत चरित्र।
- 28 फरवरी- वन लीला एवं श्री राम राज्याभिषेक।
- 1 मार्च- विशाल भंडारा (महाप्रसाद), दोपहर 12 बजे से।

स्पीड न्यूज

स्कूटी चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार

गम्हरिया। कांड्रा पुलिस ने स्कूटी चोरी के आरोप में जितेन प्रधान नामक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार युवक गम्हरिया प्रखंड के दुग्धा पंचायत के हरिहरपुर ग्राम का है। थाना प्रभारी विनोद मुर्मू ने बताया कि 08 जनवरी को कांड्रा बाजार से चांडिल के भीम मुर्मू की स्कूटी चोरी हो गयी थी। इस बावत भीम मुर्मू 10 जनवरी को कांड्रा थाना में शिकायत दर्ज करायी गयी थी।

डीएसडी कार्यकर्ता विनोद नशे में धराया

गम्हरिया। प्रखंड के डीएसडी अभिकर्ता को बीडीओ ने शराब के नशे की हालत में पकड़ कर मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। बीडीओ ने बताया कि उन्होंने प्रखंड परिसर में डीएसडी अभिकर्ता को असामान्य गतिविधि करते देखा। तत्पश्चात उसे बुलवाकर जांच करायी गयी, जिसमें वह अल्कोहलिक पाया गया। इसके बाद उन्होंने ट्रैफिक पुलिस को बुलवाकर ब्रीद एनालाइजर से अभिकर्ता की जांच करवाई जिसमें अल्कोहल की मात्रा तय मानक से 5 गुणा अधिक पायी।

प्रस्तावित कचरा डंपिंग यार्ड के विरोध में प्रदर्शन

गम्हरिया। आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 9 के मिरुडीह में प्रस्तावित कचरा डंपिंग यार्ड का स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध किया है। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर ग्रामीणो ने बताया कि उन्हें विरोध करने पर मजबूर किया जा रहा है। इसके पूर्व भी प्रस्तावित कचरा डंपिंग यार्ड बनाने को लेकर ग्रामीणों ने विरोध किया था। उस समय ग्रामीणों पर धारा 107 के तहत केस कर दिया गया था।

जादूगोड़ा में 4 से 6 अप्रैल तक होगा रंकणी महोत्सव

जादूगोड़ा। जादूगोड़ा के सुप्रसिद्ध रंकणी मंदिर में रंकणी महोत्सव आगामी 4-6 अप्रैल को होनी है। जिसको लेकर तैयारी शुरू हो गयी है। इधर, कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जादूगोड़ा मां रंकणी कापड़ गादी घाट के अध्यक्ष दिनेश सरदार ने झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार को लिखा है।

सुप्रीम कोर्ट में इंडस्ट्रीयल सिटी गठन के खिलाफ दायर याचिका अब भी विचाराधीन

- अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने स्थिति स्पष्ट की

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा है कि जमशेदपुर इंडस्ट्रीयल सिटी के गठन के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट में खारिज होने की बात बिल्कुल गलत है। यह मामला अब भी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन बना हुआ है।

बता दें कि एक स्थानीय अखबार (खबर मन्त्र नहीं) आज दिनांक 15.02.2024 को यह खबर छपी है कि सर्वोच्च न्यायालय में जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन बनाने के खिलाफ दायर याचिका खारिज! इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा कि मैं याचिकाकर्ता का अधिवक्ता हूं और सर्वोच्च न्यायालय में मैंने ही बहस किया। अतः मैं गंभीरतापूर्वक इस समाचार का खंडन करता हूं।

ऐसा लगता है कि इंडस्ट्रियल टाउन के पक्षकारों ने अपने निहित स्वार्थों की रक्षा के लिए समाचारपत्र में यह भ्रामक और झूठा समाचार छपवाया है। सबसे पहले मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि सर्वोच्च न्यायालय में इंडस्ट्रियल टाउन के खिलाफ कोई याचिका दायर नहीं की गयी थी। इंडस्ट्रियल टाउन बनाने के झारखंड सरकार के 12/2023 के नोटिफिकेशन के खिलाफ याचिका माननीय उच्च न्यायालय, झारखंड में लगायी गयी है। उच्च न्यायालय ने 6.9.2024 के आदेश में इस बात को स्वीकार किया कि झारखंड सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 द और झारखंड म्युनिसिपल अधिनियम, 2011 की धारा 481 का उल्लंघन कर जमशेदपुर के 15480 एकड़ क्षेत्रफल के समूचे स्थानीय निकाय को ही इंडस्ट्रियल टाउन घोषित कर दिया है जबकि कानूनन स्थानीय निकाय से इंडस्ट्रियल टाउन के लिए एक छोटे क्षेत्र को निकाल कर इंडस्ट्रियल टाउन बनाया जाता है।

खास बातें : ज्ञातव्य है कि संविधान के अनुच्छेद 243 द के तहत माननीय राज्यपाल को समूचे स्थानीय निकाय (15480 एकड़ क्षेत्रफल) को ट्रांजिशनल एरिया, स्मालर अर्बन एरिया या लार्जर अर्बन एरिया घोषित करना था जिसे माननीय राज्यपाल ने घोषित नहीं किया! यह भी ज्ञातव्य है कि जिस अर्बन एरिया की आबादी 300000 लाख से ज्यादा होती है उसमें म्युनिसिपल कॉरपोरेशन बनाने की संवैधानिक व्यवस्था है! अधिवक्ता ने बताया कि उच्च न्यायालय, झारखंड ने अपने 13.9.2024 के आदेश में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन एक रिट संख्या 549 ऑफ 2018 में 13.7.2018 के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि जवाहरलाल शर्मा बनाम झारखण्ड सरकार का मामला माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है जिसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि अगर झारखंड सरकार इंडस्ट्रियल टाउन की घोषणा करती है तब सर्वोच्च न्यायालय इंडस्ट्रियल टाउन की संवैधानिकता की जांच करेगी इसलिए अब रिट पिटीशन 2636 ऑफ 2024 की सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रिट संख्या 549 ऑफ 2018 की सुनवाई पूरी कर आदेश पारित करने के बाद होगी।

क्या कहते हैं सौरव विष्णु

सौरव विष्णु ने माननीय उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के खिलाफ माननीय सर्वोच्च न्यायालय में एक एसएलपी दायर कर गुहार लगायी कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय या तो माननीय उच्च न्यायालय को सुनवाई करने के लिए निर्देश दे या उनके एसएलपी को सुप्रीम कोर्ट में दायर जवाहरलाल शर्मा के विचाराधीन पिटीशन के साथ टैग कर दे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि एक ही मामले में दो पिटीशन की जरूरत नहीं है पर पिटीशनर चाहे तो जवाहरलाल शर्मा के पिटीशन में खुद को जोड़ सकता है और उसके लिए आवेदन दे सकता है।

16 से 23 तक जमशेदपुर में स्काई डाइविंग फेस्टिवल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड पर्यटन के तत्वावधान में स्काई डाइविंग फेस्टिवल 2025 का आयोजन जमशेदपुर में 16 फरवरी से 23 फरवरी 2025 तक होगा। सोनारी एयरपोर्ट में 10:30 बजे पूर्वाह्न पर्यटन मंत्री श्री सुदिव्य कुमार द्वारा आयोजन का शुभारंभ किया जायेगा। आयोजन के निमित्त जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अन्यय मित्तल ने तैयारी का जायजा लिया तथा सोनारी एयरपोर्ट में बैठक कर प्रशासनिक एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से जरूरी दिशा निर्देश दिये। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक कौशल किशोर, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनिकेत सचान, सिटी एसपी कुमार शिवशीष, डीएसएम धालभूम शताब्दी मजूमदार एवं अन्य मौजूद थे। जानकारी के लिए दिग्विजय सिंह, स्काई डाइविंग रांची (9871220088) से संपर्क करें।

अब विधायक जयराम महतो के नेतृत्व में टाटा मोटर्स के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे कान्वाई चालक

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स के कान्वाई चालक अब अपने हक की लड़ाई झारखंड के फायर ब्रांड विधायक जयराम महतो के नेतृत्व में लड़ेंगे। यह जानकारी कान्वाई नेता ज्ञानसागर प्रसाद ने दी है।

प्रसाद ने कहा कि जमशेदपुर लोकल ट्रेलर ओनर यूनियन के हजारों ड्राइवर , मजदूरी एवं अन्य मांगों को लेकर मात्र दो दिन धरने, हड़ताल पर रहे,? जिला के माननीय एसडीओ महोदया, टाटा स्टील प्रबंधन से वार्ता कर हड़ताल पर गये सभी ड्राइवर का वेतन, 22500 रुपये महीना अर्थात 8 घंटे की मजदूरी 865 रुपये जो सरकार

जयराम महतो, डुमरी विधायक।

निर्धारित अति कुशल श्रेणी मजदूरी हैं। साथ ही अन्य मांगों को भी प्रबंधन से मनवा लिया वहीं टाटा मोटर्स के कंवाई चालकों के वेतन पर ,लेबर कमिश्नर झारखंड से राय मांगी गई, जिन्हें मात्र 370 रुपये दिया जाता है और मांगों पर लगातार बैठकर जारी है जो दिनांक 20/02/25,को फिर से रखा गया है, अजीब बात नहीं है? अधिकारियों की कार्यशाली पर प्रश्न चिह्न नहीं लग रहा?

कान्वाई नेता ज्ञानसागर प्रसाद ने यहां जारी एक बयान में कहा है कि मनी फिट जमको, क्षेत्र में हुई दुर्घटना एवं जाम को लेकर माननीय विधायक सरयू राय जी खूब सक्रिय है, अच्छी बात है परंतु टेल्को लेबर ब्यूरो से लेकर साउथ गेट तक टाटा मोटर के के डंपर, चेचिस से रोड जाम रहती है, सैकड़ो दुर्घटनाएं हुई परंतु इस पर उनके मुंह से आवाज नहीं निकला? 1 साल से चल रहे कंवाई धरने पर उनकी आवाज बंद है, कुछ तो बात है।

कोयलांचल में फिर आग की धमक हुई तेज, बड़ा हादसा टला

व्यवसायी के घर लगी भीषण आग पर अग्निशमन की टीम ने पाया काबू

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। कोयलांचल में आग की धमक तेज होती दिख रही है। जब भी आग की घटना घटित होती है, तो एक बार 2023 की याद ताजा हो जाती है। 2023 की तीन बड़ी घटनाओं की याद आते ही दिल दहल उठता है। शुक्रवार को धनबाद में बड़ी घटना होने से तब बच गई, जब व्यवसायी शांतनु चंद्रा उर्फ बबलू के घर में आग लग गई। इलाके में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अग्नि शमन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू किया।शुक्रवार की देर शाम सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवम कॉलोनी में व्यवसायी शांतनु चंद्रा के मकान में भीषण आग लग गई। घर में रखे दो सिलिंडर भी ब्लास्ट हुए हैं। यही वजह है कि आग और तेजी से भड़की। सुचना दमकल की टीम को दी गई। दमकल की टीम पहुंची और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पार काबू पाया। दमकल की तीन गाड़ियां पहुंची। फायर ब्रिगेड ऑफिसर ने बताया कि उन्हें उप नगर आयुक्त प्रकाश कुमार से शिवम कॉलोनी में आग लगने की सुचना मिली थी। सुचना पाकर दमकल की तीन गाड़ियों के साथ पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। उन्होंने बताया कि घरवालों को तत्काल बाहर निकलने की सलाह दी। इस वजह से घर के किसी सदस्य को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि घर में रखे दो गैस सिलिंडर के ब्लास्ट होने से आग और तेजी के साथ फैल गई। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने आग लगने की वजह शार्ट सर्किट बताई है। कहा कि समय रहते काबू नहीं किए जाने की स्थिति में आग दूसरे घर तक भी फैल सकती थी। सुचना पर विधायक राज सिन्हा भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने दमकल की टीम की सरहाना की।

पिछली घटनाओं ने शहर को दहला था : 28 जनवरी, 2023 को हाजरा अस्पताल में आग लग गई थी। इस आग में शहर के नामी डॉक्टर समीर हाजरा और डॉक्टर प्रेमा हाजरा समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। 31 जनवरी, 2023 को धनबाद के आशीर्वाद टावर में आग लग गई थी, जिसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई थी। 14 नवंबर को धनबाद के केंदुआ बाजार की एक दुकान में आग लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई थी।

रेलवे ठेकेदार पर जातिसूचक शब्दों और बेवजह परेशान करने का आरोप

सिंदरी। परसबनिया पंचायत के मुखिया राजाराम रजक ने सिंदरी मार्शलिंग यार्ड में अंडर पास में इलेक्ट्रिकल कार्य करने पहुंचे ठेकेदार मुकेश यादव पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और बेवजह परेशान करने की लिखित शिकायत बलियापुर थाना में की है। उन्होंने बताया कि रेलवे के लिए बीसीसीएल का रोपवे कटिंग कर मुकेश यादव गड़बड़झाला करने की कोशिश कर रहा था। ग्रामीणों ने विरोध किया था। ग्रामीणों की सूचना पर ठेकेदार से पूछताछ की गई तो उसने पहले तो जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल किया।

बाद में माफी मांगते हुए रेलवे द्वारा गाड़ियों का परिचालन पत्र देकर रोपवे के लोहे को सीआईएसएफ जवानों की सुरक्षा में ले गए। इस मामले को लेकर ठेकेदार ने बलियापुर पुलिस से बेवजह रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत की है। परसबनिया मुखिया ने बताया कि रेलवे ठेकेदार के कर्मचारी सिंदरी मार्शलिंग यार्ड के अंडरपास कार्य में बाधक बन रहे बीसीसीएल के रोपवे को काटकर सीआईएसएफ के जवानों के साथ चार ट्रैक्टर में लोडकर ले जा रहे थे। ग्रामीणों ने जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की।

एक नजर में

पोड़ाहाट गांव पहुंचे विधायक जगत माझी कार्यकर्ता की मां भवानी राउत को दी श्रद्धांजलि

सोनुवा। विधायक जगत माझी शनिवार को पोड़ाहाट गांव पहुंचे। यहां उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता अशोक राउत व झामुमो कार्यकर्ता अजीत राउत की माता भवानी राउत के श्राद्धकर्म में शामिल हुए और श्रद्धांजलि अर्पित की। मालूम हो कि विगत दिनों भवानी राउत का निधन हो गया था। इस दौरान विधायक ने स्वजनों से मुलाकात की एवं भवानी राउत के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मौके पर रामगोपाल जेना, अशोक राउत, हेमचंद महतो, कुलदीप महतो, चक्रधारी साहू, सूरज मोहंती, राज कुमार राउत, संजीत राउत, मनोज राउत, रमेश बोदरा, रामप्रेस महतो, ओंकार महतो, सुभाष महतो आदि मौजूद रहे।

एनटीटीएफ के दो छात्र 5-5 लाख पैकेज पर लॉक

जमशेदपुर। एनटीटीएफ के गोलमुरी स्थित आर डी टाटा तकनीकी संस्थान मे बीते दिनों फानुक कंपनी ने कैंपस सिलेक्शन किया। जिसमें सर्वप्रथम लिखित परीक्षा, छात्रों की व्यक्तिगत प्रतिभा, तकनीकी क्षमता को परखा गया एवं फाइनल सिलेक्शन इंटरव्यू राउंड के बाद किया गया। जिसमें छात्रों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देते हुए संस्थान को गौर्वांगित किया। कंपनी फैनुक ने एनटीटीएफ के 2 छात्रों को 5 लाख के पैकेज पर लॉक किया। जापानी रोबोटिक्स कंपनी फेनुक जापानी कंपनियों का एक समूह है जो रोबोटिक्स और कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल वायरलेस सिस्टम जैसे स्वचालन उत्पाद और सेवाएं देता है। सभी छात्रों ने 05 राउंड के सिलेक्शन प्रक्रिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे अपनी जगह इस कंपनी में बनायी। दोनों छात्र गुलशन कुमार, श्रेयांशु शेखर सेन फाइनल ईयर के डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एंबेडेड सिस्टम। सभी को 05 लाख के पैकेज पर बैंगलोर की फैनुक कंपनी के लिए लॉक किया है। इस उपलब्धि पर संस्थान गौरवान्वित है। इसमें संस्थान के प्लेसमेंट पदाधिकारी नेहा एवं मिथिला ने सहयोग किया।

सोना देवी की स्मृति में 160 रोगियों की जांच

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा द्रोपदी देवी चिमनलाल भालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से सोना देवी मेमोरियल एजुकेशनल फाउण्डेशन ट्रस्ट एवं सोना देवी यूनिवर्सिटी के संयोजन में आयोजित रेड क्रॉस सोसाईटी पूर्वी सिंहभूम के 759वें नेत्र शिविर का शुभारंभ बागबेड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में 160 नेत्र रोगियों के जांच के साथ हुआ, जाने माने नेत्र चिकित्सक डॉ बीपी सिंह, डॉ राशि वर्मा एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम ने 160 मरीजों की जांच की तथा मोतियाबिंद ग्रस्त 45 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण हेतु चयन के साथ आंखों की अन्य बीमारियों से प्रभावित नेत्र रोगियों को जरूरत के अनुसार चिकित्सीय परामर्श व दवा प्रदान कर विदा किया गया। जिन नेत्र रोगियों में ऑपरेशन योग्य मोतियाबिंद पाये गये, उनकी स्वास्थ्य जांच के बाद उपयुक्त नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण रविवार को नेत्र चिकित्सक डॉ बीपी सिंह, डॉ भारती शर्मा, डॉ पूनम सिंह, डॉ विवेक केडिया, डॉ राशि वर्मा एवं सहयोगी चिकित्सीय टीम करेगी। 16 फरवरी को शिविर के ऑपरेशन सत्र का उद्घाटन सोना देवी मेमोरियल एजुकेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सोना देवी युनिवर्विसिटी के संस्थापक एवं कुलाधिपति प्रभाकर सिंह द्वारा राम मनोहर लोहिया नेत्रालय, बागबेड़ा में किया जायेगा।

एनआइटी : ओजस-25 के दूसरे दिन स्टार्ट अप ऑडियाथॉन और कंसल्टिंग नेक्सस

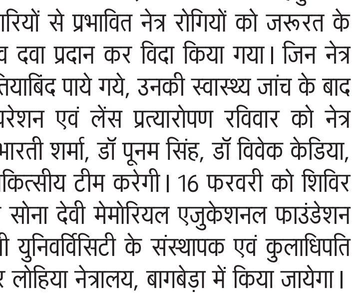

जमशेदपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) जमशेदपुर का वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट ओजस्स-25 का दूसरा दिन में प्रतिभागियों की संख्या में वृद्धि देखी गयी, जिसमें मजेदार और तकनीकी दोनों आयोजनों में भाग लिया गया। प्रबंधन उत्साही लोगों के लिए ओजस्स ने स्टार्टअप आइडियाथॉन और कंसल्टिंग नेक्सस का आयोजन किया। तकनीकी जादूगरों के लिए, व्यवस्था उनके लिए भी स्वर्ग की तरह थी। मेज मैराथन और रोबोसॉकर जैसी घटनाओं में कई छात्रों ने अपने रोबोटिक्स के बारे में ज्ञान का प्रदर्शन किया, ग्लाइड ने छात्रों को अपनी एयरोडायनामिक क्षमता का प्रदर्शन करने का मौका दिया। साहित्यिक और वाद-विवाद समाज द्वारा आयोजित डिबेट द यूएन में भी एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखी गयी, जहां छात्रों ने विशिष्ट देशों के मॉक प्रतिनिधियों के रूप में कार्य किया और अपने वाद-विवाद कौशल और भू-राजनीतिक ज्ञान का पूरा उपयोग किया।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: टीम इंडिया फैमिली के बिना रवाना हुई दुबई

एजेंसी

हैदराबाद। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से ही क्रिकेट दौरों पर फैमिली को साथ ले जाने के हवाले से अपनी नई पॉलिसी को लागू करना शुरू कर दिया है। बीसीसीआइ ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारने के बाद नई खिलाड़ियों ट्रेवल पॉलिसी बनाई थी। तीन सप्ताह तक चलने वाले इस टूनार्मेंट के लिए खिलाड़ियों के साथ उनके परिवार नहीं गेये हैं। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए 15 फरवरी को दुबई रवाना हुई। भारतीय टीम अपना अभियान 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी, उसके बाद पाकिस्तान (23 फरवरी) के खिलाफ और 2 मार्च को न्यूजीलैंड के साथ अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगी। इस दौरे की अवधि तीन सप्ताह से थोड़ी अधिक है, इसलिए 9 मार्च को होने वाले फाइनल को ध्यान में रखते हुए भी बीसीसीआइ खिलाड़ियों के साथ परिवारों को जाने की अनुमति नहीं देगा। नयी पारिवारिक नीति के अनुसार, 45 दिनों से अधिक के दौरे के दौरान परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ 2 सप्ताह तक रह सकते हैं।

टीम इंडिया को फैमिली के बिना जाना पड़ा दुबई

बीसीसीआइ के एक सूत्र ने बताया, अगर कुछ बदलता है, तो यह अलग बात है, लेकिन अभी तक, खिलाड़ियों के इस दौरे के लिए अपनी पत्नियों या पार्टनर के साथ जाने की संभावना नहीं है।एक सीनियर खिलाड़ी ने नीति के बारे में पूछा तो उन्हें बताया गया कि वे नीति का पालन करेंगे। एक महीने से कम अवधि के लिए पारिवारिक पर्यटन की अनुमति नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी असाधारण मामले में खिलाड़ी को परिवार का सारा खर्च स्वयं उठाना होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी में बड़ा रिकॉर्ड बनाने के करीब विराट-रोहित

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत को अगर चैंपियंस ट्रॉफी में टी20 विश्व कप की कहानी दोहरानी है तो उसके दोनों स्टार बल्लेबाज रोहित और कोहली को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में विफल रहने के कारण इन दोनों को हाल में आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में इन दोनों ने हालांकि फॉर्म में वापसी करने के संकेत दिए। रोहित ने कटक में खेले गए दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाए जबकि कोहली ने अहमदाबाद में तीसरे वनडे में अर्धशतक लगाया था। चैंपियंस ट्रॉफी में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की करीबी नजर रहेगी। अपने करियर के ढलान पर खड़े रोहित और कोहली का चैंपियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन उनके भविष्य के लिए भी काफी मायने रखेगा। कोहली को वनडे इतिहास में 14,000 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बनने के लिए 37 रन की जरूरत है, जबकि रोहित 11,000 रन पूरे करने वाले 10वें बल्लेबाज बनने से केवल 12 रन दूर हैं। लेकिन ट्रॉफी के बिना इन आंकड़ों पर कोई गौर नहीं करेगा। भारतीय टीम में शामिल कुछ युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करके अपनी जगह मजबूत करना चाहेंगे। उप कप्तान गिल अपनी शानदार फॉर्म जारी रखकर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के चयन समिति के फैसले को सही साबित करना चाहेंगे। चोट के कारण बुमराह की अनुपस्थिति अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ियों के लिए यह एक अवसर है, जबकि वरुण चक्रवर्ती साबित करना चाहेंगे कि वह टीम के मारक हथियार हैं। भारत लीग चरण में अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा जबकि 23 फरवरी को उसका सामना चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने हाल ही में अपनी घरेलू धरती पर इंग्लैंड के खिलाफ तीनों मैच जीते थे जिससे प्रशंसकों और टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

आइसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के प्रसारण विवरण की घोषणा की

दुबई। आइसीसी ने पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में 19 दिनों तक चलने वाली आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अपनी प्रसारण व्यवस्था के विवरण की घोषणा की है। चैंपियनशिप में आठ देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। चैंपियनशिप का उद्घाटन मैच मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 19 फरवरी को होगा जबकि फाइनल नौ मार्च को खेला जायेगा। भारत में जियोस्टार नेटवर्क चैंपियंस ट्रॉफी का प्रसारण करेगा। डिजिटल पर पहली बार, किसी आइसीसी टूनार्मेंट को 16 फीड्स पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा, जिसमें नौ भाषायें अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, हरियाणवी, बंगाली, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ शामिल होंगी।

धोनी की इस चाल को भूल नहीं पा रहे हैं अश्विन-कार्तिक और रैना, 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल को किया याद

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के दौरान एमएस धोनी की ऑन-फील्ड रणनीतिक प्रतिभा को याद किया और कहा कि वह जोनाथन ट्रॉट को आउट करने की एमएस धोनी की सलाह से हैरान रह गए थे। बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले गए 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत का सामना मेजबान देश इंग्लैंड से हुआ था। बारिश के खलल ने मुकाबले को 20-20 ओवर का बना दिया था। धोनी की कप्तानी में भारत ने 129 रनों का बचाव किया था। पूर्व कप्तान की खेल जागरूकता और रणनीतिक सोच को याद करते हुए अश्विन ने एक विशेष एपिसोड के दौरान ट्रॉट को आउट करने के पीछे की कहानी सुनाई। अश्विन ने कहा, 'मुझे अभी भी याद है कि माही भाई मेरे पास आए और कहा- ट्रॉट को ओवर द स्टंप गेंदबाजी मत करो। अराउंड द विकेट गेंदबाजी करो ट्रॉट लेग साइड पर खेलने की कोशिश करेगा और अगर गेंद स्पिन करती है, तो वह स्टंप हो जाएंगे। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि उन्होंने यह भविष्यवाणी इतनी आसानी से कैसे कर दी थी। धोनी के नेतृत्व में इस जीत से भारतीय टीम की काफी तारीफ हुई थी। धोनी तीन-तीन आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले पहले कप्तान बने थे। पूर्व भारतीय विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने भी टीम के लचीलेपन और दबाव में अहम फैसले लेने की धोनी की क्षमता पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा- यह हमारे लिए यह दिखाने का मौका था कि टीम इंडिया के लिए क्रिकेट क्या मायने रखता है। हम लचीले थे, हमने वापसी के लिए लड़ाई लड़ी और हमारे पास कभी हार न मानने की मानसिकता थी। इंग्लैंड लगभग जीत के करीब था और वह आसानी से जीत सकते थे, लेकिन धोनी ने कुछ शानदार

रणनीतिक फैसले लिए और गेंदबाजों ने उनका साथ दिया। भारत के पूर्व बल्लेबाज और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि 2013 चैंपियंस ट्रॉफी धोनी के नेतृत्व का एक वसीयतनामा था। उन्होंने कहा, यह उनका टूनार्मेंट था। ट्रॉफी पर धोनी लिखा हुआ था। उन्होंने इस टीम को लगभग अपनी छवि में ढाल लिया था और एक के बाद एक जीत हासिल की थी। यह आसमान द्वारा लिखी गई कहानी थी। धोनी ने उस मैच में जो फैसले लिए, वह इंग्लैंड के लिए घातक साबित हुए थे। ईशांत शर्मा को पहले स्पेल में खूब धुनाई पड़ी थी। इसके बावजूद धोनी ईशांत को वापस गेंदबाजी में लाए। धीमी गेंद फेंकने की धोनी की सलाह के बाद, ईशांत ने 17वें ओवर में इयोन मॉर्गन और रवि बोपारा को बैक-टू-बैक गेंद पर पवेलियन भेजा। दोनों कैच अश्विन ने ही लिए थे। इसने मैच पलट दिया था और भारत ने जबरदस्त वापसी की थी। आकाश ने इसे ईशांत की सबसे शानदार उपलब्धियों में से एक करार दिया और अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए धोनी की सहजता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा यह ईशांत की जिंदगी का सबसे जादुई स्पेल था। उन्होंने गति में बदलाव किया और लगातार दो महत्वपूर्ण विकेट लिए। तभी आपको पता चलता है कि धोनी के पास मिडास टच है। वह जो भी छूते हैं वह सोने में बदल जाता है।

धोनी ने आखिरी छह गेंदें फेंकने के लिए स्पिनर अश्विन पर भरोसा किया था। अश्विन ने इस फैसले को सही साबित किया और भारत ने पांच रन से जीत हासिल की थी। आकाश ने बताया कि यह निर्णय क्यों काम किया। उन्होंने कहा अश्विन की क्षमताओं में धोनी के अटूट विश्वास को देखते हुए यह कदम उठाया गया था। 20वें ओवर में स्पिनर को गेंद देना बहुत बड़ा जुआ है, लेकिन धोनी को अश्विन पर पूरा भरोसा था। धोनी को न केवल अश्विन के कौशल पर, बल्कि उनकी मानसिकता और दबाव को झेलने की क्षमता पर भी विश्वास था। पूर्व भारतीय आलराउंडर और टीम के एक अन्य अभिन्न सदस्य सुरेश रैना ने भी भारतीय टीम के विजयी अभियान पर बात की। रैना ने इस जीत की तुलना 2011 विश्व कप में भारत की जीत से की। उन्होंने कहा, हम 2011 विश्व कप में चार मैच हार गए थे और यह एक कठिन अनुभव था, लेकिन इस तरह की जीत आपके करियर को परिभाषित करती है। हमने बहुत मेहनत की और पूरी भारतीय टीम ने यह सम्मान हासिल किया। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरूआत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में महामुकाबला खेला जाएगा।

फिरोजा से हारे गुकेश, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में अंतिम स्थान पर रहे

हैम्बर्ग (जर्मनी)। विश्व चैंपियन डी गुकेश यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच की दूसरी बाजी में ईरानी मूल के फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेजा फि रोजा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे। गुकेश इस तरह से इस टूनार्मेंट में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाए और उनके अभियान का निराशाजनक अंत हुआ।गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस बीच जर्मनी के विंसेंट कीमर ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए खिताब जीता। उन्हें टूनार्मेंट के शुरूआत में सबसे कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था।दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को टूनार्मेंट से पहले खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन आखिर में उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

इंग्लैंड को हरा कर भारतीय महिलाओं ने किया शानदार आगाज

भुवनेश्वर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को एफआईएच महिला प्रो लीग के एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को 3-2 से हरा कर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। कलिंगा स्टेडियम में भारत के लिए वैष्णवी विट्ठल फाल्के (6'), दीपिका (25') और नवनीत कौर (59') ने गोल किया, जबकि इंग्लैंड के लिए डार्सी बॉर्न (12') और फियोना क्रैकल्स (58') ने गोल किया। भारत के दो गोल पेनल्टी कार्नर से आये, जो उस क्षेत्र में सुधार दशार्ता है जिसे अक्सर उनकी कमजोरी माना जाता है।

केट चैंपियंस ट्रॉफी के लिए फिट

लंदन। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट अगले सप्ताह पाकिस्तान में शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए फिट हो गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को अहमदाबाद में तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत से मिली करारी हार के दौरान डकेट की कमर के बायें हिस्से में समस्या थी, लेकिन स्कैन से 30 वर्षीय खिलाड़ी की चोट पूरी तरह से ठीक हो गई है।

ओडिशा ने हैदराबाद एफसी को 3-1 से हराया

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी ने यहां कलिंगा स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) मैच में हैदराबाद एफसी को 3-1 से हरा दिया। ओडिशा अब 29 अंकों के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है और छठे स्थान पर मौजूद मुंबई सिटी एफसी (31) से दो अंक पीछे है। ओडिशा की टीमने खेल में आधे समय तक एक गोल से पिछड़ी थी मगर अगले 45 मिनट में एक के बाद एक तीन गोल कर जीत की दावेदार बन गयी। इस प्रकार ओडिशा एफसी ने हैदराबाद एफसी के खिलाफ भुवनेश्वर में घरेलू मैदान पर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। दूसरे हाफ में घरेलू टीम लगातार आक्रामक रही और हैदराबाद एफसी को पीछे से आगे तक अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। ओडिशा एफसी अपने अगले मैच में 23 फरवरी को मोहन बागान सुपर जाइंट से खेलेगी, जबकि हैदराबाद एफसी 19 फरवरी को मुंबई सिटी एफसी से भिड़ेगी।

यानिक सिनर पर लगा 3 महीने का प्रतिबंध

एजेंसी

नयी दिल्ली। लगातार दूसरी बार आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम करने वाले विश्व नंबर एक यानिक सिनर पर तीन महीने का प्रतिबंध लगा है। उनके खिलाफ यह कार्रवाई डोपिंग के मामले में हुई है। शनिवार को विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) और सिनर पिछले साल प्रकाश में आए एक मामले में सहमति पर पहुंचे।

प्रतिबंधित दवाओं के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद प्रतिबंध से बचने वाले सिनर के खिलाफ वाडा ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट या खेल पंचाट (सीएएस) में अपील की थी। इस मामले की सुनवाई अप्रैल 2025 में होनी थी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ क्योंकि वाडा और सिनर के बीच तीन महीने के प्रतिबंध के लिए समझौता हो गया। यह प्रतिबंध अप्रैल के मध्य तक प्रभावी रहेगा।

वाडा ने जारी किया बयान

इस मामले में वाडा की तरफ से जारी किए गए एक बयान में कहा गया कि सिनर नौ फरवरी से चार मई की रात 11:59 बजे तक अपनी अयोग्यता की अवधि पूरी करेंगे, जिसके बाद वे फ्रेंच ओपन से पहले वापसी के लिए पात्र हो जाएंगे। वाडा ने आगे कहा, सिनर 13 अप्रैल 2025 से आधिकारिक प्रशिक्षण गतिविधि में वापसी कर सकते हैं।

हॉकी प्रतियोगिता में कामडारा डे बोर्डिंग की टीम रही उप विजेता

गुमला। पटना में आयोजित संजय गांधी मेमोरियल ट्राफी में कामडारा डे बोर्डिंग की लड़कियां ने अपनी बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि प्रतियोगिता के फाइनल में बिहार ने झारखण्ड की टीम को हरा दिया। झारखंड की टीम उपविजेता रही। मिशन बदलाव के भूषण भगत और मिशन बदलाव आदिवासी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष संजय बरला ने बताया कि पटना में आयोजित हॉकी टूर्नामेंट में कामडारा की लड़कियां ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए उपविजेता बनी। इसी क्रम में मोहनुल हक स्टेडियम में महिला हॉकी के सेमीफाइनल मैच खेले गए। पहला सेमीफाइनल मैच डे बोर्डिंग कामडारा ने जीता। जबकि दूसरा सेमीफाइनल मैच भी अपने नाम किया।

13 फरवरी को डे बोर्डिंग झारखण्ड और बिहार के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। बता दें कि सिक्स साईड महिला हॉकी के सेमीफाइनल मैच में खेल के अंत समय में 1-1 से बराबरी पर दोनों टीमें रही। झारखंण्ड की लड़कियों ने 6 मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए हैं, जबकि की नीलांजलि ने 43 मिनट में गोल किए हैं। शूटआउट में बिहार की टीम ने 4-1 से मैच जीत लिया। डे बोर्डिंग के कोच अनिता होरो और सुषमा होरो ने बताया कि आगामी टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को लेकर और मार्गदर्शन दिया जायेगा। जिससे बच्चे देश के लिये भी खेलेंगे और कड़ी मेहनत कर सफलता प्राप्त करेंगे।

पंजाब एफसी पर जीत से चेन्नइयन एफसी प्लेऑफ की होड़ में बरकरार

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नइयन एफसी ने शनिवार को घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग 2024-25 मुकाबले में पंजाब एफसी को 2-1 से हरा कर अपनी प्लेऑफ उम्मीदों को कायम रखा है। चेन्नइयन एफसी की जीत में कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल (पेनल्टी किक पर) ने 19वें और स्थानापन्न नाइजीरियाई स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुक्वू ने 84वें मिनट में गोल किए। चेन्नइयन एफसी के स्कॉटिश विंगर कॉनर शील्ड्स को प्रभावी प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। मरीना माचान्स की जीत से स्कॉटिश कोच ओवेन कॉयल निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे। चेन्नइयन एफसी 21 मैचों में छह जीत, छह ड्रा और नौ हार से 24 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, अपनी टीम की हार से पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस जरूर निराश होंगे। पंजाब एफसी 20 मैचों में सात जीत, तीन ड्रा और 10 हार से 24 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर बरकरार है। मैच का पहला गोल 19वें मिनट में आया, जब कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल ने पेनल्टी किक के जरिये चेन्नइयन एफसी की शुरूआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। चेन्नइयन को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 18वें मिनट में मिला, जब पंजाब एफसी के सेंटर-बैक मेलरॉय अस्सिसी अपने बॉक्स के अंदर

हैंडबॉल कर बैठे और रैफरी हरीश कुंडू ने लंबी सीटी बजाकर पेनल्टी किक का इशारा कर दिया। इसके बाद गिल ने करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि पंजाब एफसी के गोलकीपर रवि कुमार ने सही अनुमान के साथ दाहिनी तरफ डाइव लगाई लेकिन बचाव नहीं कर पाए। यह इस सीजन में गिल का दसवां गोल है। 48वें मिनट में पंजाब एफसी के कप्तान व स्लोवेनियाई स्ट्राइकर लुका माजसेन ने गोल करके अपनी टीम को 1-1 की बराबरी दिला दी। बॉक्स के अंदर अस्मिर सुल्जिच से बैक-पास पाने के बाद अर्जेंटीनी मिडफील्डर पुल्गा विडाल ने करारा शॉट लगाया, जिसे बॉक्स के बीचों-बीच मौजूद लुका ने बाएं पैर से गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर दिशा दिखा दी जबकि चेन्नइयन एफसी के गोलकीपर मोहम्मद नवाज अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर भी बचाव नहीं कर पाए। 84वें मिनट में स्थानापन्न नाइजीरियाई स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुक्वू ने गोल करके चेन्नइयन एफसी को फिर से बढ़त दिलाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। स्थानापन्न ब्राजीली अटैकिंग मिडफील्डर लुकस ब्राम्बिला ने बॉक्स के अंदर घुसने के बाद बायीं तरफ से क्रॉस डाला, जिसे चुक्वू ने आसानी से दाहिने पैर से टैप-इन करके बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर भेज दिया जबकि गोलकीपर रवि कुमार के पास बचाव का कोई मौका नहीं था।

पहला हाफ चेन्नइयन एफसी के नाम रहा, क्योंकि मेजबान टीम ने कोलंबियाई स्ट्राइकर विल्मर जॉर्डन गिल के पेनल्टी किक पर गोल की मदद से बढ़त बनाई और उसे बरकरार रखा।

ईस्ट बंगाल एफसी का रविवार को मोहम्मडन एससी से सामना

एजेंसी

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी रविवार को इंडियन सुपर लीग 2024-25 में कोलकाता के विवेकानंद युबा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में मोहम्मडन एससी से भिड़ेगी। यह मुकाबला शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। ईस्ट बंगाल एफसी 19 मैचों में पांच जीत, तीन ड्रा और 11 हार के साथ 18 अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर है। उसने अपने पिछले पांच मैचों में एक जीता है और तीन हारे हैं। पिछले तीन मैच लगातार हारने वाली मोहम्मडन 19 मैचों में दो जीत, पांच ड्रा और 12 हार के साथ 11 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। मुकाबले से पहले ईस्ट बंगाल एफसी के हेड कोच ऑस्कर ब्रुजोन ने कहा कि उनकी टीम फॉर्म वापस पाने के लिए कड़ी मेहनत रही है। उन्होंने कहा, यह सप्ताह लंबा था। यह एक ऐसा सप्ताह था जिसमें हमने अपने प्रदर्शन को फॉर्म वापस पाने की दिशा में काम किया मोहम्मडन एससी के सहायक कोच मेहराजुद्दीन वाडू ने कहा कि मोहम्मडन एससी इस मैच की अहमियत को समझती है। उन्होंने कहा, हम आगामी मुकाबले का महत्व जानते हैं। हम पूरे जोश से खेलेंगे और जीत सुनिश्चित करेंगे।

दुमका : चैन स्कैचिंग गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार, भेजे गये जेल

खबर मन्त्र संवाददाता

प्रेसवार्ता करते एसपी पितांबर सिंह खेरवार व गिरफ्तार व जब्त समान।

दुमका। चैन स्कैचिंग गिरोह का पदार्फाश करते हुए दुमका पुलिस दो अपराधियों को धर दबोचने में सफल रही। गिरफ्तार अपराधी पड़ोसी राज्य बिहार के कटिहार जिले के थाना कोढ़ा के नया टोला जुराबगंज गांव निवासी युवक अनीष कुमार एवं संजू कुमार है। इस बावत एसपी पितांबर सिंह खेरवार ने प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि महज 24 घंटे में मामले का उद्भेदन करने में सफल रही। एसपी खेरवार ने बताया कि बीते 14 फरवरी को वादिनी कल्याणी दत्ता ग्राम लीची बगान थाना ईशाचक जिला भागलपुर बिहार वर्तमान अपने बेटा का ससुराल रसिकपुर बेसिक स्कूल के पास थाना नगर, दुमका के लिखित आवेदन के अधार पर चैन स्कैचिंग का अज्ञात अपराधियों के खिलाफ अंकित मामला दर्ज करायी थी। लिखित शिकायत में पीड़िता ने बताया कि बेटे के ससुराल में गुप्ता मेडिकल के सामने वाली गली में टहल रही थी कि इसी बीच एक काला रंग प्लसर पर सवार दो युवक गले से चैन झपटा मार कर छीनकर टीन बाजार की ओर भाग निकलने में सफल रहा। तभी इनके द्वारा बाइक का नंबर जेएच 05बीबी-3463 देखा लिया। एसडीपीओ के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन कर छापेमारी की गई। छापेमारी कर पुलिस अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफल रही।

पुलिस गिरफ्तार अपराधियों के पास से 8 हजार नगद समेत घटना में प्रयुक्त बाइक, एक आईटेल कंपनी का किपैड मोबाईल, एक सिम, आधार कार्ड, खुजली करने वाला पाउडर, मास्टर की, एक पिठु बैग बरामद करने में सफल रही। अपराधी घटना को अंजाम देकर बैग में रखे पहनने वाला कपडा बदला करते थे।

कसमार : ठेकेदारी प्रथा के कारण मात्र पंद्रह दिन में हीं बाउंड्री वाल ध्वस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बोकारो जिला के कसमार प्रखंड के ओरमो मे बना कर्मचारी भवन बाउंड्री वाल ठीकेदार की मनमानी के कारण बनने के मात्र 15 दिन में ही ध्वस्त हो गया। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि काम कितना गुणवत्ता के आधार पर हुआ है। इस कार्य के सम्बंधित विभागीय अधिकारी यानी जिला के और भवन निर्माण के जिला अभियंता तथा प्रखंड अभियंता की लापरवाही से यह घटना देखने को मिल रहा है।

वही ठेकेदार की मनमानी से बाउंड्री वाल पर अभियंता द्वारा ध्यान नहीं देने के कारण ठेकेदार का मनोबल बढ़ता गया। काम गुणवत्ता के आधार पर नहीं हुआ, जिसके चलते आज एक तरफ का बाउंड्री वाल टूटकर गिर चूका है। अभियंता द्वारा कभी भी निर्माण कार्य में झांकना तक मुनासिब समझें। जिसके चलते काम का गुणवत्ता कितना अच्छा होगा, यह स्वतः हीं समझा जा सकता है।

जब इस संबंध में संबंधित ठेकेदार से पूछा जाता है कि अच्छा काम क्यों नहीं करते है, तो संवेदक का स्पष्ट कहना है कि जब कमिशन 30 से 40 प्रतिशत लिया जाता है तो गुणवत्ता कैसा होगा। उन्होंने कहा कि कमीशनखोरी बंद कराए काम का गुणवत्ता अच्छा होगा। ध्यान देने योग्य यह कि यह एक योजना की कहानी नहीं है यह सभी योजनाओं पर लागु है। याने कमिशन के चलते कोई भी विकास योजना में जो काम होता है, उसका सही गुणवत्ता काम में नहीं मिल पायेगा। सूत्रों का मानना है कि कोई योजना पर प्राक्कलन गलत तरीके से बनाया जाता है।

उस पर अंकुश लगाया जाए। तभी काम सही रूप से धरातल पर काम देखने को मिलेगा।

एक नजर में

पूजा महोत्सव के भक्ति जागरण का पूर्व विधायक बबीता देवी ने किया उद्घाटन

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के कुरको गांव में नौ दिवसीय श्री श्री राम राजा पूजा महोत्सव में आयोजित भक्ति जागरण का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि पेयजल एवं स्वच्छता और उत्पाद व मद्य निषेध मंत्री योगेन्द्र प्रसाद की धर्म पत्नी सह गोमिया के पूर्व विधायक बबीता देवी ने किया। मुख्य अतिथि बबीता देवी को राम राजा पूजा कमिटी व ग्रामीणों ने 101 किलो का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। रामगढ़ व धनबाद से आए भक्ति जागरण टीम के महिला पुरुष कलाकारों ने एक से बढ़कर भक्तिगीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को रातभर झुमाया। इस दौरान मुख्य अतिथि बबीता देवी ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम से लोगों को उर्जा मिलती है। भक्ति में अपारशक्ति है। इस तरह के धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन से मानसिक विकार दूर होता है। बबीता देवी ने कहा कि झारखंड को विकास के मामले में देश का नम्बर वन बनाना हेमंत सोरेन का भरपूर प्रयास रहेगा। कुछ छुटभैये नेता विधानसभा क्षेत्र में घूम रहे हैं। केवल जात-पात के नारे लगाकर लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। मौके पर समिति के अध्यक्ष रामकुमार महतो सचिव ब्रजेश कुमार महतो कोषाध्यक्ष अंकित चक्रवर्ती प्रकाश महतो विनोद बिहारी महतो नरेश महतो सुफल महतो राजेश महतो विशेश्वर महतो लखन महतो मिथिलेश महतो हराधन ठाकुर गंगाधर महतो आदि मौजूद थे।

तेनुघाट विद्युत मजदूर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री योगेंद्र से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

बेरमो/ललपनिया। पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री योगेंद्र प्रसाद से शनिवार को तेनुघाट विद्युत मजदूर यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुरुबंदा स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने टीवीएनएल में प्रस्तावित 2660=1320एमडब्लू परियोजना का विस्तारीकरण करने हेतु बजट आवंटित करने के संबंधमें माननीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद ज्ञापन सौंपा। मौके पर माननीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने उनकी इस मांग पर जल्द से जल्द सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। टीवीएनएल में प्रस्तावित परियोजना बिजली उत्पादन के क्षेत्र महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। साथ ही साथ इसके शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। मौके पर पूर्व मुखिया बबुली सोरेन, मुखिया बबलू हेम्ब्रम, बुधन सोरेन सहित दर्जनों लोग थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में विदाई सह आशीर्वाद दीक्षा समारोह संपन्न

बोकारो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सेक्टर-9 डी में कक्षा द्वादश के भैया-बहनों का विदाई सह आशीर्वाद दीक्षा समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के उपाध्यक्ष निरंजन कुमार सिंह ने कहा कि अब आप उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होने वाले हैं। आपके अध्ययन का दायरा बढ़ेगा ऐसे में बड़े ही संयमित तरीके से परिश्रम करने की आवश्यकता है। उपाध्यक्ष कृष्णा राय ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि आप विद्या भारती के छात्र हैं। विद्या भारती वैश्विक स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली सबसे बड़ी गैर सरकारी संस्था है। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने कहा कि विद्या भारती योजना में भैया-बहनों को विद्यालय शिक्षा पूर्ण करने पर विदाई देने की परिपाटी नहीं है। हम उन्हें आशीर्वाद देकर दीक्षा प्रदान करते हैं। हिंदी की वरिष्ठ आचार्या सरोज पाण्डेय ने सभी के उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामना दी। मौके पर द्वादश के भैया अनिरुद्ध व बहन आकांक्षा को स्टूडेंट ऑफ द ईयर भैया अंकित व बहन अंशिका को बेस्ट अकैडमिशियन बहन शालू को अनुशासन के लिए और भैया सुजल ठाकुर को इंटरटेनर ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया गया। एकादश के भैया-बहनों ने गीत-संगीत नृत्य खेल आदि प्रस्तुत किए। संचालन एकादश की बहन रोशनी व भैया अनुभव ने किया। मौके पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सह-सचिव जीपी सिंह समिति सदस्य अरुण केसरी सहित समस्त आचार्य बंधु भगिनी एवं कक्षा एकादश व द्वादश के भैया- बहन उपस्थित रहे।

बेरमो क्षेत्र में झामुमो ने चलाया सदस्यता अभियान

बेरमो। झारखंड मुक्ति मोर्चा के सदस्यता अभियान झामुमो के वरीय नेता अनिल अग्रवाल के द्वारा बेरमो क्षेत्र सहित आस पास के गांव में सदस्यता अभियान चलाया। जिसमें कई लोगों ने पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया। अग्रवाल ने बताया कि बोकारो जिले में झामुमो के 50000 से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य है। उनके लिए गांव-गांव में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है प्रत्येक गांव से कम से कम 100 सदस्यों को जोड़ा जाएगा। इस अभियान में जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए आम जनता तक पार्टी के विचारधारा को पहुंचाने का महत्वपूर्ण कदम होगा। मौके पर दर्जन लोग उपस्थित रहे।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रेजेंटेशन करने छत्तीसगढ जायेंगे एसपी कॉलेज के डॉ बिनोद शर्मा

दुमका। संताल परगना कॉलेज के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष एवं निदेशक-मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र सह मेंटल हेल्थ मिशन इंडिया के नोडल ऑफिसर डॉ विनोद कुमार शर्मा को गवर्नमेंट वीवाईटीपीजी ऑटोनॉमस कॉलेज (नैक एक्रीडिटेड ग्रेड- I$), दुर्ग, छत्तीसगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रेजेंटेशन के लिए आमंत्रित किया गया है। डॉ विनोद कुमार शर्मा आगामी 5-6 मार्च को आयोजित इस अंतर्विषयक सेमिनार में साइको सोशल प्रॉब्लम्स ऑफ ट्राइबल्स इन संताल परगना विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत करेंगे। डॉ शर्मा इससे पूर्व कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार एवं कॉन्फ्रेंस में टेक्निकल सत्र के चेयरपर्सन के साथ संसाधन सेवी के रूप में अपनी भूमिका निभा चुके है। अब तक डॉ शर्मा ने 20 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रेजेंटेशन कर चुके है। वर्तमान में डॉ शर्मा संताल ट्राइबल के मेंटल हेल्थ के स्वास्थ्य विधि एवं पाथवेज विषय पर शोध कार्य कर रहे है। यह प्रोजेक्ट उच्च शिक्षा विभाग के स्टेट रिसर्च प्रोजेक्ट (एसआरपी) द्वारा प्रायोजित है।

बोकारो : उत्क्रमित प्रा वि हड़साली में मात्र एक शिक्षक, पठन-पाठन हो रहा बाधित

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र हिसीम पंचायत के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय हड़साली में मात्र एक शिक्षक होने के कारण पठन-पाठन कार्य कुप्रभावित हो रहा है। विद्यालय में कक्षा एक से लेकर पांचवी तक की पढ़ाई होती है। इधर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी व सदस्यों ने बोकारो उपायुक्त से विद्यालय में एक सहायक अध्यापक अति शीघ्र बहाल करने की मांग की है। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक सह सचिव महेश कुमार हेम्ब्रम ने बताया कि एक शिक्षक के भरोसे पढ़ाई करने में दिक्कत होती है। हेंब्रम ने कहा कि स्कूल में एक शिक्षक से दिक्कत होने को लेकर नवंबर माह में सहायक अध्यापक शिक्षक बहाल या नियुक्त करने को लेकर बीईओ घनश्याम साहू को लिखित पत्र दिया गया था। इस संबंध में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जीतलाल महतो सुलेखा देवी उपाध्यक्ष के अलावे सुशीला देवी, राजमती देवी, मोहिनी देवी, मंडल मांझी, सुखराम मांझी, विश्वनाथ किस्कू, शिवचरण मांझी, कान्हू मांझी, रिंकी देवी तथा बाल संसद के नमिता देवी वार्ड सदस्य जितेन्द्र किस्कू ने बोकारो डीसी से उत्क्रमित विद्यालय हड़साली में सहायक अध्यापक शिक्षक देने की मांग की है।

एसकेएमयू में पीजी नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन का अंतिम तिथि आज तक

दुमका। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय प्रशासन चांसलर पोर्टल के माध्यम से पीजी में नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि आज रविवार तक निर्धारित की गई है। विदित है कि विवि द्वारा 2 फरवरी से ऑनलाइन आवेदन के लिए चांसलर पोर्टल खोला गया था। शनिवार की शाम 4 बजे तक कुल 5471 छात्र-छात्राओं ने चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया है। ज्ञात हो है कि एसकेएमयू के कुल पांच कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई होती है। जिसमें अब तक सबसे अधिक आवेदन पीजी विभाग में 2177, देवघर कॉलेज देवघर में 1437, साहिबगंज कॉलेज साहिबगंज में 1326, गोड्डा कॉलेज गोड्डा में 408 एवं एएस कॉलेज में 103 आवेदन प्राप्त हुए हैं। पीजी विभागों में से सबसे अधिक आवेदन भूगोल में 369, हिंदी में 291, इतिहास में 281, संथाली में 179, अर्थशास्त्र में 169, जन्तु विज्ञान में 157, राजनीति विज्ञान में 154 में प्राप्त हुए हैं। जबकि सबसे कम आवेदन दर्शनशास्त्र में 2, बंगाली में 5 और उर्दू में 7 में प्राप्त हुए हैं। इस बावत सहायक डीएसडब्ल्यू डॉ पूनम हेम्ब्रम ने बताया कि छात्र 16 फरवरी रविवार रात 12 बजे तक चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

स्पीड न्यूज

पूर्व सांसद टेकलाल महतो की जयंती मनी

बेरमो/फुसरो। पूर्व सांसद सह झारखंड राज्य के अग्रणी नेता स्व टेकलाल महतो की 80वीं जयंती फुसरो नगर के करगली गेट स्थित निर्मल महतो स्मारक भवन में मनायी गयी। यहां लोगों ने स्व महतो की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व टेकलाल बाबू ने झारखंड राज्य को अलग कराने में अहम भूमिका निभायी। कहा स्व टेकलाल जी के द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए उनके पदचिन्हों में चलने की अपील सभी से किया। मौके पर झामुमो बोकारो जिला संयोजक मंडली सदस्य जयनारायण महतो, पान बाबू केवट, इकबाल अहमद, पर्यवेक्षक दीपक महतो, नगर प्रमुख भोलू खान, रंजीत महतो, महताब खान, टीकू महतो, दीपक गुप्ता, आनंद सोनी, जितेंद्र नायक, नवाज खान आदि लोग मौजूद थे।

दो मालवाहक वाहन के बीच जोरदार टक्कर बाल बाल बचे लोग

बेरमो। पेटरवार थाना क्षेत्र के तेनु चौक में दो मालवाहक वाहनों के बीच भीषण टक्कर हो गई। घटना सुबह लगभग 9:00 की है। भारतमाला परियोजना के तहत फोरलेन सड़क निर्माण में कार्य कर रहे हाईवा बोकारो से रामगढ़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार गति से आ रही 709 टर्बो मालवाहक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हालांकि टक्कर के दौरान दोनों वाहनों के चालक बाल बाल बच गए। हाईवा ड्राईवर संदीप कुमार महतो ने बताया कि 709 टर्बो वाहन तेज गति से रॉन्ग साइड होते हुए हाईवे वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। हालांकि गनी मत रही कि अगर यह टक्कर नहीं होती तो सड़क किनारे स्थित दुकानों को अपने चपेट में ले लेता जिससे कई लोगों की जान जा सकती थी, जो बाल बाल टल गई। मौके पर पहुंची पेटरवार पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया।

चेक बाउंस के एक मामले मे साक्ष्य के अभाव में आरोपी रिहा

बेरमो/तेनुघाट कोर्ट। चेक बाउंस के एक मामला मे माननीय न्यायालय एसीजेएम बेरमो तेनुघाट के द्वारा आरोपी चास निवासी पिंटू कुमार को साक्ष्य के अभाव में रिहा किया गया। इस मामले मे दुग्दा निवासी राजेश कुमार यादव तेनुघाट न्यायालय मे यह कहते हुए चेक बाउंस का वाद दायर किया था कि उसके साफ्ट कोक प्लान्ट को किराए पर चलाने हेतु एक एकरारनामा के तहत आरोपी तीन लाख का चेक दिया था जिसे भुगतान के लिए वादी द्वारा बैंक मे डाला गया किन्तु आरोपी के खाते मे रकम नहीं होने के कारण चेक बाउंस कर गया। दोनों पक्षों के द्वारा गवाह और कागजात न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। उसके बाद दोनों पक्षों के अधिवक्ता के द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत गवाह और बहस सुनने के बाद तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम ने आरोपी पिंटू कुमार को साक्ष्य के अभाव में रिहा किया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार तिवारी ने बहस किया।

नागपुर में भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के अधिवेशन में कोयला मंत्री किशन रेड्डी ने कहा

कोयला खदान में काम करनेवाले कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए सरकार वचनबद्ध

- मंत्री रेड्डी ने कहा कि कोयला खनन के लिए रैयतों से ली गई जमीन के बदले उचित मुआवजा के साथ पुनर्वास कराकर उत्खनित जमीन को पर्यावरण के अनुकूल विकसित किया जाएगा

खबर मन्त्र संवाददाता

सीएमपीएफ घोटाले की सीबीआइ जांच कराये सरकार : के लक्ष्मा रेड्डी

बेरमो। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के 19 वें त्रैवार्षिक अधिवेशन में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि देश में अगले 50 साल तक कोयले पर निर्भरता रहेगी। नागपुर में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कोयला क्षेत्र में कार्यरत सभी श्रेणी के मजदूरों का सरकार बीमा करायेगी। जबकि देश के किसी भी पीएसयू में मजदूरों के बीमा का प्रावधान नहीं है। उन्होंने कोयला कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए कई लाभकारी योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कोयला उत्पादन में कर्मियों की सुरक्षा प्राथमिकता है। देश के कई अन्य सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल कोल इंडिया की इंपैनल सूची में सम्मिलित किए जा रहे हैं। सभी मजदूरों को यूनिफॉर्म देकर कार्यस्थल पर ड्रेस कोड लागू कराया जाएगा। सेवानिवृत्त कोल कर्मियों और ठेका मजदूरों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इन सारी सुविधाओं के लिए भारतीय मजदूर संघ के कोल उद्योग प्रभारी के लक्ष्मा रेड्डी द्वारा बराबर वातार्लाप कर कोयला कर्मचारियों की हक की लड़ाई हमसे करते रहते है और कर्मचारियों के कल्याण संबंधित विषयों को अवगत कराते रहते है। कोल उधोग प्रभारी द्वारा अवगत कराने के उपरांत हमने सीएमपीएफ में हुए घोटाले की संज्ञान में लेकर जांच जल्द कराएंगे तथा कोयला कामगारों की मेहनत से कमाए पैसे को वसूलने की बात कही। उन्होंने ने कहा कि मजदूरों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाते हुए वैधानिक पदों को भरा जाएगा। कोयला खनन के लिए रैयतों से ली गई जमीन के बदले उचित मुआवजा के साथ पुनर्वास कराकर उत्खनित जमीन को पर्यावरण के अनुकूल विकसित किया जाएगा।

देश के 140 माइंस को तीन साल के अंदर ईको-फ्रेंडली बनाया जायेगा

केंद्रीय कोयला मंत्री ने कहा कि कोयला उत्पादन के क्षेत्र में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। कोयला कर्मियों के बल पर एक बिलियन टन के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कोयाला मंत्री ने कहा कि कोयले के आयात में कमी लाने के लिए देश में उत्पादन बढ़ाना है। कोलियरी क्षेत्र में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए देश के 145 खदानों को माइन क्लोजर प्रोग्राम के तहत लिया गया है। इसमें 140 माइंस को ग्रीनरी और इको फ्रेंडली माइंस बनाने का काम अगले तीन साल में पूरा करना है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत तेजी से काम किया जा रहा है। इस दौरान मजदूर एवं राष्ट्रहित में काम करने के लिए कोयला मंत्री ने अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ की सराहना की।

बीएसएल में सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में लोगों ने ली शपथ

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों के 21 अधिशासी प्रतिभागी के रूप में तथा मेसर्स एएसके-ईएचएस द्वारा बीएसएल के प्रशिक्षित अधिकारी संकाय के रूप में सक्रिय रहे। ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के एसकेडी भौमिक ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। जीएम डीआर टोप्पो ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई और संयंत्र में सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे इस प्रशिक्षण में अर्जित ज्ञान को सहकर्मियों के साथ साझा करें और इसे अपने कार्यस्थल पर लागू करें। जीएम एसके भगत ने प्रतिभागियों को संयंत्र में सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और संयंत्र में सुरक्षा को निरंतर सशक्त बनाने का आह्वान किया। विभाग के वरीय ऑपरेटिव राकेश कुमार और इंस्ट्रक्टर अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा। सीजीएम शालिग्राम सिंह की अध्यक्षता में सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सीईडी विभाग के डीएसओ बीवी चंद्र द्वारा सुरक्षा शपथ और परिचय भाषण से हुई।

बोकारो में बैंककर्मियों ने दो दिवसीय हड़ताल को लेकर किया रोषपूर्ण प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बैनर तले 24-25 मार्च को घोषित दो दिवसीय बैंक हड़ताल की सफलता तथा अपनी मांगों के समर्थन में निर्धारित आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के आलोक में आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया। चास-बोकारो के सभी बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक सेक्टर 4 सिटी सेंटर के सामने विशाल प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मूलतः ग्राहक सेवा में सुधार हेतु सभी संवर्गों में समुचित बहाली पांच दिवसीय बैंकिंग इंडियन बैंक एसोसिएशन के साथ लंबित मुद्दों का शीघ्र निपटारा बैंक प्रबंधनों द्वारा लगातार द्विपक्षीय समझौता का उल्लंघन आदि मुख्य मांगे शामिल है- को लेकर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूएफबीयू के बोकारो जिला उप संयोजक राघव कुमार सिंह ने कहा इंडियन बैंक एसोसिएशन द्वारा यूएफबीयू के साथ हुई वार्ताओं में अनेक लंबित मुद्दों को सुलझाने की बात कही गई थी। जिसमें पांच दिवसीय बैंकिंग के साथ-साथ सभी संवर्गों में समुचित बहाली करने की बात की गई थी। मौखिक सहमति के बावजूद भी लंबित मुद्दे पर इंडियन बैंक एसोसिएशन द्वारा किसी प्रकार की सकारात्मक पहल अभी तक नहीं की गई है। साथ ही भारत सरकार अपने वित्तीय सेवा विभाग के माध्यम से अनावश्यक बैंकों में लगातार दखल दे रही है। जिससे जहां एक ओर ग्राहक सेवा में दिन प्रतिदिन ह्रास हो रहा है। वहीं बैंक में कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों को असहनीय कार्य बोझ एवं तनाव से ग्रस्त होने के लिए विवश किया जा रहा है। यदि सरकार एवं आईबीए हमारी उपरोक्त मांगों पर जल्द से जल्द सकारात्मक रूख नहीं अपनाती है तो हमें आंदोलन को और तीव्र करना होगा एवं 24-25 मार्च को आयोजित दो दिवसीय हड़ताल को पूर्ण सफल करना होगा। प्रदर्शन को राजेश कुमार ओझा, मिथिलेश कुमार, विभाष झा, राजेश श्रीवास्तव, प्रदीप झा, अवधेश प्रसाद, पीके श्रीवास्तव, राजकुमार प्रसाद, रतन राज मुर्मू पंकज सिंह, दिलीप कुमार, विवेक ठाकुर, अरुण ने भी संबोधित किया।

दुमका : एएन कॉलेज के इको क्लब ने चलाया जागरूकता अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

एएन कॉलेज दुमका में जागरूकता अभियान चलाते छात्र।

दुमका। एएन कॉलेज के इको क्लब एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण एवं जागरूकता संरक्षण विषय पर जागरूकता अभियान आदिवासी बहुल नेतुरपहाड़ी गांव में चलाया गया। अभियान का संयुक्त नेतृत्व कॉलेज प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंह एवं इको क्लब के समन्वयक सह वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ अमरनाथ सिंह ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंह ने ग्रामीणों एवं छात्र-छात्राओं को पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण के लिए जागरूक रहने होने का अपील किया। प्राचार्य डॉ सिंह ने इको क्लब के द्वारा समय-समय पर फलदार पौधों, कम्बल एवं पाठ्य सामग्रीयों के वितरण जैसे उत्साहवर्धक कार्यों की सराहना की। झारखंड बायोडाइवर्सिटी बोर्ड के सदस्य एवं इको क्लब के समन्वयक डॉ अमरनाथ सिंह ने ग्रामीणों एवं स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं से पेड़ पौधों एवं जीव जंतुओं से मित्रता स्थापित करने की अपील की। जिससे पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण के लक्ष्य को पाने में सफल हो पाएंगे। इस अवसर पर इको क्लब की ओर से बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इको क्लब स्वयंसेवकों में सिमरन, गजल, एंजेलीना, पारस, करिश्मा, मीरू, सुनीता, भोलेनाथ, दीनबंधु, कोमल, आलिया, आशीष, सिमरन, सुमन, समीर एवं अन्य छात्र-छात्राओं की भागीदारी रही।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह मामले में कोर्ट में हुई पेशी, बयान हुआ दर्ज

पेशी के बाद निकलती मंत्री दिपिका पांडेय सिंह।

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडेय की एमपी-एमएलए विशेष अदालत में शनिवार को पेशी हुई। विशेष न्यायाधीश सह एसडीजेएम मोहित चौधरी के न्यायालय में हुई। आज केस में सफाई बयान दर्ज हुआ। अगली तिथि 1 मार्च को निर्धारित है। इससे पहले वाली तिथि में तीन पुलिस पदाधिकारी समेत 12 गवाहों की गवाही गुजरी। सभी गवाहों ने घटना का समर्थन किया। बता दें कि यह मामला वर्ष 2017 का है। जहां क्षेत्र भ्रमण के दौरान महागामा में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति के घायल होने के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया था। इस दौरान कांग्रेस के तत्कालीन जिला अध्यक्ष के रूप में दीपिका पांडेय सिंह घटनास्थल पर पहुंची थी। मामले में थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

स्पीड न्यूज

फ्रांस और अमेरिका की यात्रा से लौटे पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी फ्रांस और अमेरिका की महत्वपूर्ण यात्रा संपन्न कर स्वदेश लौट आए हैं। उनका विमान शुक्रवार रात दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर लैंड हुआ, जहां उन्होंने अधिकारियों का अभिवादन किया। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर विभिन्न द्विपक्षीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की। इसके बाद दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को लेकर चर्चा की।

पोप फ्रांसिस अस्वस्थ अस्पताल ले जाया गया

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस अस्वस्थ हैं। उन्हें वेटिकन सिटी के पॉलीक्लिनिको एगोस्टिनो जेमेली में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक चिकित्सीय जांच में पुष्टि हुई कि बुखार पीड़ित पोप फ्रांसिस के श्वसन तंत्र में संक्रमण है। उनका इलाज शुरू कर दिया गया है। यह जानकारी वेटिकन ने दी। वेटिकन के अनुसार, 14 फरवरी को पोप फ्रांसिस के अस्पताल में भर्ती होने के बाद 15 फरवरी को जयंती समारोह रद्द कर दिया गया। 16 फरवरी को जयंती अवसर के पवित्र मास की अध्यक्षता संस्कृति और शिक्षा विभाग के प्रीफेक्ट कार्डिनल जोस टॉलेन्टिनो डी मेंडोंका करेंगे। सिनेसिटा में पोप फ्रांसिस के साथ 17 फरवरी को होने वाली कलाकारों की बैठक को भी रद्द कर दिया गया है। पहले वेटिकन ने बताया था कि ब्रोंकाइटिस के इलाज के लिए पोप को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वेटिकन का कहना है कि उनकी चिकित्सीय स्थिति ठीक है। उन्हें हल्का बुखार है।

इजराइल की घोषणा, हमास आज तीन बंधकों को छोड़ेगा

तेल अवीव। इजराइल ने गाजा पट्टी में आज आतंकवादी समूह हमास के जरिये फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद की कैद से रिहा किए जाने वाले तीन बंधकों के नामों की घोषणा की। ये हैं-अमेरिकी-इजराइली सागुई डेकेल-चेन (बाएं), रूसी-इजराइली एलेक्जेंडर ट्रूफानोव (मध्य) और अर्जेंटीनाई इजराइली आयर हॉर्न (दाएं)। तीनों को सात अक्टूबर, 2023 को अगवा किया गया था।

गाजा में रिहा हुए तीन इजरायली बंधक इजरायल पहुंचे

यरूशलम। फिलिस्तीनी समूहों हमास और इस्लामिक जिहाद ने तीन इजरायली बंधकों को इजरायली अधिकारियों को सौंप दिया गया है और युद्धविराम के भाग के रूप में रिहा बंधकों ने इजरायल में सीमा पार कर गए। इसकी जानकारी इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दी।

पाकिस्तान सड़क दुर्घटना में 12 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में शनिवार को तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस के पलट जाने से 12 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह दुर्घटना प्रांत के खैरपुर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर तब हुई, जब यात्री पूर्वी पंजाब प्रांत से सहवान शहर में एक धार्मिक उत्सव के लिए जा रहे थे। इस दौरान वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गये। घायलों को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिंगापुर में 80 संदिग्ध ड्रग अपराधी गिरफ्तार

सिंगापुर। सिंगापुर के सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो ने सोमवार से शुक्रवार तक चली देशव्यापी मादक पदार्थ विरोधी अभियान के दौरान 80 संदिग्ध ड्रग अपराधियों को गिरफ्तार किया। ब्यूरो ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में एक 14 वर्षीय लड़की भी शामिल है, जो इस अभियान में सबसे कम उम्र की है, जिस पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग का संदेह है।

नया कश्मीर संघर्ष की नहीं, बल्कि विश्वास बहाली और आस्था के प्रतिफल की कहानी : धनखड़

एजेंसी

नयी दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में सफल चुनावों से वहां लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुई हैं और नया कश्मीर अब संघर्ष की नहीं, बल्कि विश्वास बहाली और आस्था के प्रतिफल की कहानी है। श्री धनखड़ ने शनिवार को कटरा में श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, जम्मू-कश्मीर में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान 35 वर्षों में सबसे अधिक मतदान हुआ। लोकतंत्र को अपनी वास्तविक आवाज और सच्ची प्रतिध्वनि मिल गई है। यह क्षेत्र अब संघर्ष की कहानी नहीं रह गया है। नए कश्मीर में प्रत्येक निवेश प्रस्ताव केवल पूंजी का विषय नहीं है, बल्कि यह पुनर्स्थापित विश्वास और पुरस्कृत आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह परिवर्तन अदृश्य नहीं है, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दे रहा है। धारणाएँ बदल चुकी हैं, जमीनी हकीकत बदल रही है, और जनता की आकांक्षाएँ नई ऊँचाइयों को छू रही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, सिर्फ दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर को 65,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो क्षेत्र में आर्थिक विश्वास की मजबूती को दर्शाता है। 2019 के बाद पहली बार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जम्मू-कश्मीर में आया है, और कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ यहाँ निवेश को लेकर उत्सुक हैं। यह क्षेत्र अब आत्मविश्वास और पूँजी का संगम बन चुका है। श्री धनखड़ ने कहा, 2019 में धारा 370 के ऐतिहासिक निरसन ने पीढ़ियों की आकांक्षाओं को पंख दिए। उपस्थित युवाओं को मैं यह बताना चाहता हूँ कि धारा 370 केवल एक अस्थायी प्रावधान था। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने इसे लिखने से इनकार कर दिया था। सरदार पटेल, जिन्होंने अधिकांश रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण किया, वे भी जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण को नहीं कर सके। परंतु 2019 में, इस पवित्र भूमि पर एक नई यात्रा का शुभारंभ हुआ–अलगाव से एकीकरण की ओर। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में 2 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला। जो कभी धरती का स्वर्ग कहलाता था, वह अब आशा और समृद्धि का प्रतीक बन गया है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस पावन भूमि के एक महान सपूत ने कभी द्वाएक देश में एक निशान, एक विधान, एक प्रधानह्न की माँग की थी। आज वह स्वप्न साकार हो चुका है। जहाँ कभी अव्यवस्था और अस्थिरता थी, वहाँ अब सुशासन और स्थिरता देखी जा रही है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि राष्ट्रवाद हमारी पहचान है। हमारा परम कर्तव्य है कि हम सदैव राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखें। कोई भी राजनीतिक या व्यक्तिगत स्वार्थ राष्ट्रहित से बड़ा नहीं हो सकता।

कर्तव्यों के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक के कुछ कर्तव्य होते हैं। हमारी संस्कृति हमें हमारे कर्तव्य सिखाती है। जब हम अपने नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे, तो परिणाम असाधारण होंगे। हमें विकसित भारत की ओर अपनी यात्रा को तीव्र गति से आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा, आज आप एक आत्मविश्वासी और सशक्त भारत में रह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भारत निवेश और अवसरों के सबसे पसंदीदा गंतव्यों में से एक बन चुका है। स्वतंत्रता के बाद हमारे इतिहास में पहली बार, किसी भारतीय प्रधानमंत्री की आवाज वैश्विक मंच पर इतनी प्रभावशाली और प्रभावशाली ढंग से सुनी जा रही है। उप राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि जम्मू-कश्मीर का यह रूपांतरण केवल एक क्षेत्रीय बदलाव नहीं है, बल्कि भारत के राष्ट्रीय पुनर्जागरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जम्मू-कश्मीर की शिक्षा मंत्री सकीना मसूद एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

राजग के सहयोगी वक्फ संशोधन विधेयक पर सहमत: किरेन रिजिजू

खबर मन्त्र संवाददाता

श्रीनगर। संसदीय कार्य मंत्री एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के दो प्रमुख सहयोगी, बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, वक्फ (संशोधन) विधेयक पर सहमत हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट विपक्ष के हंगामे के बीच 13 फरवरी को संसद में पेश की गई। श्री रिजिजू ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर फर्जी कहानी फैलाई जा रही है।

केंद्रीय मंत्री ने श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, जब हमने वक्फ (संशोधन) विधेयक संसद में पेश किया, तो हमारा इरादा बहुत स्पष्ट था और हमने संसद को यह भी बताया कि विधेयक का एकमात्र उद्देश्य भारत में वक्फ संपत्तियों की रक्षा करना है, जो दुनिया में सबसे बड़ी हैं। श्री रिजिजू ने कहा,ह्ववक्फ के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति होने के बावजूद अगर कोई भीख मांग रहा है कि है, तो यह अफसोस की बात है। इसीलिए हमने वक्फ विधेयक में यह स्पष्ट कर दिया है कि मुसलमानों से संपत्ति छीनकर किसी और को देने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश कानून से चलता है और कोई किसी की संपत्ति नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक पारदर्शिता लाएगा। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि महिलाओं समेत हजारों मुसलमानों ने उनसे मुलाकात की है और विधेयक की सराहना की है। उन्होंने कहा, ह्वविधेयक के बारे में बहुत दुष्प्रचार किया जा रहा है। यहां तक कि विधेयक का समर्थन करने वाले कई विपक्षी मुस्लिम सांसद भी पार्टी की मजबूरियों के कारण इसका विरोध कर रहे हैं। हालांकि, मंत्री ने विपक्षी मुस्लिम सांसदों का नाम बताने से इनकार कर दिया, जिन्होंने विधेयक को एक महान कार्य कहा था। यह पूछे जाने पर कि क्या बिहार के मुख्यमंत्री और तेदेपा प्रमुख विधेयक का समर्थन करते हैं, मंत्री ने कहा कि सभी वक्फ (संशोधन) विधेयक के साथ हैं। विभिन्न विपक्षी नेताओं ने वक्फ संशोधन का विरोध करने के लिए नायडू और कुमार से हस्तक्षेप की मांग की है। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने पर श्री रिजिजू ने कोई समयसीमा बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने अतीत में यह स्पष्ट कर चुके हैं कि उचित समय में राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह राज्य का दर्जा बहाल करने की समयसीमा पर टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे क्योंकि उनकी कश्मीर यात्रा पूरी तरह से केंद्रीय बजट से संबंधित है। श्री रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर का मजबूती से विकास हो रहा है।

भारत बनेगा परमाणु ऊर्जा का पावरहाउस : केंद्रीय मंत्री

नयी दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन भारत की परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने और उन्नत परमाणु तकनीक को स्थापित करने की एक बड़ी योजना है। गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि केंद्रीय बजट में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास के लिए ₹20,000 करोड़ का आवंटन किया गया है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी एसएमआर को चालू करना है। उन्होंने कहा कि यह पहल 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है। यह कदम कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वच्छ एवं सस्टेनेबल ऊर्जा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डॉ. सिंह ने परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति देने को गेमचेंजर बताया और कहा कि इससे ऊर्जा आत्मनिर्भरता के साथ-साथ भारत को वैश्विक परमाणु प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जिस तरह स्पेस सेक्टर को निजी कंपनियों के लिए खोला गया, उसी तरह परमाणु क्षेत्र में भी सुधारों से नवाचार और विकास को बढ़ावा मिलेगा। सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा भारत की ऊर्जा रणनीति की आधारशिला बनेगी, जिससे देश तकनीकी रूप से उन्नत और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

एस जयशंकर ने म्यूनिख में यूक्रेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए जर्मनी गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा और जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस से मुलाकात की है। विदेश मंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर यूक्रेन के विदेश मंत्री से मिलकर अच्छा लगा। यूक्रेन संघर्ष के समाधान की दिशा में चल रहे प्रयासों पर चर्चा की। हमारे द्विपक्षीय सहयोग को और आगे बढ़ाने के बारे में भी बात की।

यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भी एक पोस्ट में कहा, मैं हमारी सार्थक बैठक के लिए डा जयशंकर को धन्यवाद देता हूं। हम भारत के साथ संबंध विकसित करने और व्यापार, प्रौद्योगिकी, कृषि, सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में रुचि रखते हैं। हम न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के लिए भारत की मजबूत वैश्विक आवाज पर भी भरोसा करते हैं।

122 करोड़ गबन मामले में प्रबंधक पर केस दर्ज, एक गिरफ्तार

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक से निकासी पर रोक

मुंबई। आरबीआई द्वारा न्यू इंडिया कॉरपोरेटिव बैंक लिमिटेड से निकासी पर प्रतिबंध लगाने के बाद बैंक के महाप्रबंधक के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी गयी है। मुंबई के दादर पुलिस स्टेशन में शनिवार को बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) देवर्षि शिशिर कुमार घोष ने महाप्रबंधक हितेश मेहता और उनके सहयोगियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। देवर्षि शिशिर कुमार घोष की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में आरोप है कि महाप्रबंधक हितेश मेहता और उनके कुछ सहयोगियों ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर बैंक में 122 करोड़ रुपए का गबन किया। महाप्रबंधक ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने साथियों के साथ मिलकर यह घोटाला किया। शिकायतकर्ता देवर्षि शिशिर कुमार घोष, जो वर्तमान में बैंक के कार्यवाहक सीईओ के तौर पर कार्यरत हैं, उन्होंने शुक्रवार को इस मामले की तहरीर दी। एफआईआर में आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 316(5) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इस मामले की जांच अब मुंबई की इकनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) को सौंपी गई है। इस जांच को डीसीपी मंगेश शिंदे के नेतृत्व में उनकी विशेष टीम द्वारा देखा जाएगा। डीसीपी मंगेश शिंदे बैंकिंग मामलों से संबंधित अपराधों की जांच करने के लिए जाने जाते हैं, और इस मामले में भी उनकी निगरानी में जांच आगे बढ़ेगी। इन सब के बीच बैंक के घाटकोपर ब्रांच के बाहर शनिवार को लोगों की लंबी कतार देखी गई। बैंक के एक खाताधारक ने बताया कि शुक्रवार को बैंक से निकासी पर प्रतिबंध लगाने की खबर आई, जिसके बाद हम सब घबरा गए। लेकिन, आज घाटकोपर शाखा केवल बैंक के लॉकर से पैसे निकालने की अनुमति दे रही है।

शुक्रवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मुंबई के न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर प्रतिबंध लगा दिया है। आरबीआई का कहना है कि ये प्रतिबंध बैंक की स्थिति में सुधार होने तक लागू रहेंगे। इस प्रतिबंध के बाद खाताधारक अलग-अलग बैंक जाकर अपने पैसे की जानकारी प्राप्त करते हुए नजर आ रहे हैं।

एक्टर साहिल खान ने रचाई दूसरी शादी

48 वर्षीय अभिनेता साहिल खान ने दूसरी बार शादी कर ली है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर शादी की तस्वीरें शेयर कर इसकी जानकारी दी। शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर एक्टर और उनकी पत्नी के बीच उम्र के फासले को लेकर चर्चा छिड़ गई है, क्योंकि उनकी पत्नी उनसे 26 साल छोटी हैं। स्टाइल और 'एक्सक्यूज मी' से चर्चित हुए अभिनेता साहिल ने अपनी गर्लफ्रेंड मिलेना एलेक्जेंड्रा से दूसरी शादी कर ली है, जो उनसे 26 साल छोटी हैं। वेलेंटाइन डे के अवसर पर इस जोड़े के लिए दुबई के बुर्ज खलीफा में एक रिसेप्शन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके परिवार और करीबी मित्र मौजूद थे। अब इस रिसेप्शन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शादी के रिसेप्शन में साहिल खान और मिलेना बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। अभिनेता ने क्लासिक काला सूट पहना था। उनकी पत्नी ने इस विशेष दिन के लिए, सफेद गाउन चुना। दोनों ने रिसेप्शन में केक काटा। साहिल ने केक काटते हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया।

सीवीसी ने पूर्व सीएम केजरीवाल के बंगले की जांच के दिए आदेश

नयी दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस बंगले में रहते थे उसके जीर्णोद्धार में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने जांच के आदेश दिए हैं। श्री केजरीवाल मुख्यमंत्री रहते हुए जिस आवास में रह रहे थे सीवीसी ने उसकी जांच के आदेश दिए हैं। यह आदेश केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर दिया गया है। सीपीडब्ल्यूडी के इस रिपोर्ट में दिल्ली के सिविल लाइन्स में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के जीर्णोद्धार में अनियमितता का आरोप लगा है।

उल्लेखनीय है कि इस बंगले को लेकर भाजपा ने पूरे चुनाव प्रचार के दौरान इसे द्वशीश महलह्न का नाम देकर आम आदमी पार्टी और श्री केजरीवाल पर हमले किए थे। गौरतलब है कि भाजपा के नेता विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने लगभग आठ एकड़ में बने बंगले का पुनर्निर्माण करते समय नियमों का उल्लंघन किया। उन्होंने दावा किया था कि इसके निर्माण में कई प्रकार की गड़बड़ी हुई है।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत का अनमोल उदाहरण है महाकुम्भ : पीयूष गोयल

महाकुम्भ नगर। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शनिवार को त्रिवेणी संगम में स्नान करने पहुंचे। उन्होंने महाकुम्भ को एक भारत श्रेष्ठ भारत का अनमोल उदाहरण बताते हुए कहा कि विश्व भर के लोगों की आस्था देख कर आनंद की अनुभूति हो रही है।

नौसेना की जांबाज अधिकारियों ने केप हॉर्न पार किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। स्वदेशी नौका तारिणी पर नाविका सागर परिक्रमा अभियान पर निकली नौसेना की दो जांबाज अधिकारियों ने समुद्र की विषम परिस्थितियों में दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी छोर पर स्थित केप हार्न को सफलतापूर्वक पार करके इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। नौसेना के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि लगातार बारिश, समुद्र की विषम स्थिति, 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा और 5 मीटर से अधिक ऊंची लहरों के बीच लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए ने समुद्र के रास्ते दुनिया का चक्कर लगाने के अभियान के दौरान यह सफलता हासिल की। यह मार्ग नाविकों को ड्रेक पैसेज से होकर ले जाता है जो एक खतरनाक जलमार्ग है और तेज हवाओं, ऊंची लहरों तथा अप्रत्याशित मौसम के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र की परिस्थितियां सबसे अनुभवी नाविकों की भी परीक्षा लेती हैं। ड्रेक पैसेज का नाम अंग्रेजी खोजकर्ता सर फ्रांसिस ड्रेक के नाम पर रखा गया है जिन्होंने दक्षिण अमेरिका के दक्षिण में एक खुले समुद्री मार्ग के अस्तित्व की पुष्टि की थी।

इन कठिन जलक्षेत्रों का साहसपूर्वक सामना करने के बाद, अधिकारियों ने अब केप हॉर्न्स का प्रतिष्ठित खिताब अर्जित किया है। यह खिताब पारंपरिक रूप से उन नाविकों को दिया जाता है, जिन्होंने पाल के नीचे केप हॉर्न को सफलतापूर्वक नेविगेट किया है।